दैनिक
समाज जागरण
राष्ट्रीय संस्करण
RNI: UPHIN/2021/84200
नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित
वर्षः 4 अंकः 250 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 19 जून 2026 http://samajjagran.in पृष्ट - 12 मूल्य 05 रुपया

किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

पाकिस्तान से संचालित ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़
'डी खान' की तलाश में जांच एजेंसियां

नई दिल्ली। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) और चंडीगढ़ पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई में पाकिस्तान से संचालित एक बड़े ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच में खुलासा हुआ है कि इस नेटवर्क का संचालन पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स द्वारा किया जा रहा था, जिनमें 'डी खान' नाम का एक व्यक्ति भी शामिल है। फिलहाल जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि डी खान की वास्तविक पहचान क्या है और नेटवर्क में उसकी भूमिका कितनी बड़ी है। एनसीबी की चंडीगढ़ जोनल यूनिट और चंडीगढ़ पुलिस ने पंजाब के खरड़ क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक वकील भी शामिल है, जिस पर भारत में ड्रग्स की सप्लाई करने का आरोप है।
जांच एजेंसियों ने पूछताछ के आधार पर एक वाहन को रोका, जिसकी तलाशी में 93 ग्राम मेथामफेटामाइन (आइस ड्रग) और 10 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके बाद खरड़ स्थित एक फ्लैट पर छापेमारी की गई, जहां से 700 ग्राम मेथामफेटामाइन और 250 ग्राम पॉपी स्ट्रॉ बरामद किया गया।

लगातार पांचवें दिन तेजी के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स 77,400 के पार

समाज जागरण

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी देखने को मिली। मजबूत निवेशक धारणा और चुनिंदा सेक्टरों में खरीदारी के दम पर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। कारोबार समाप्त होने पर बीएसई सेंसेक्स 254.36 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,409.98 अंक पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 82.30 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 24,168.00 अंक पर पहुंच गया।
बाजार की तेजी केवल लार्जकैप शेयरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि मिडकैप और स्मॉलकैप कंपनियों में भी खरीदारी का माहौल देखने को मिला। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 255.90 अंक (0.41 प्रतिशत) बढ़कर 62,379.25 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 82.40 अंक (0.44 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 18,705.60 पर पहुंच गया।

हेल्थकेयर और रियल्टी सेक्टर ने दिखाई मजबूती

गुरुवार के कारोबार में हेल्थकेयर और रियल्टी सेक्टर ने बाजार को सबसे अधिक समर्थन दिया। निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी रियल्टी सूचकांक प्रमुख बढ़त वाले सेक्टर रहे। इसके अलावा पीएसई, फाइनेंशियल सर्विसेज, पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया, एनर्जी, प्राइवेट बैंक और सर्विसेज सेक्टर के शेयरों में भी अच्छी खरीदारी दर्ज की गई।
हालांकि आईटी, मेटल और ऑयल एंड गैस सेक्टर दबाव में रहे और लाल निशान में बंद हुए।

इन शेयरों में रही सबसे ज्यादा हलचल

सेंसेक्स के प्रमुख बढ़त वाले शेयरों में इंडिगो, ट्रेंट, बीईएल, एनटीपीसी, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, पावर ग्रिड, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, एक्सिस बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, सन फार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा तथा आईटीसी शामिल रहे। वहीं इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, मारुति सुजुकी, टीसीएस, एलएंडटी, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन और भारती एयरटेल के शेयरों में कमजोरी देखने को मिली।

वैश्विक संकेतों पर निवेशकों की नजर

विशेषज्ञों के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच संभावित शांति समझौते को लेकर शुरूआती उत्साह देखने को मिला था, लेकिन अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त रुख ने निवेशकों की उम्मीदों को कुछ हद तक प्रभावित किया है। ऊर्जा कीमतों में संभावित बढ़ोतरी से महंगाई पर दबाव बढ़ सकता है, जिसके चलते वैश्विक केंद्रीय बैंक ब्याज दरों को लेकर सतर्क रुख अपना सकते हैं।
हालांकि कच्चे तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और भारतीय बॉन्ड यील्ड में नरमी से आने वाले समय में महंगाई संबंधी चिंताएं कम हो सकती हैं। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक अब अमेरिका-ईरान शांति समझौते को लेकर अधिक स्पष्ट संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिससे बाजार की अगली दिशा तय हो सकेगी।
फिलहाल घरेलू बाजार में सकारात्मक माहौल बना हुआ है और लगातार पांच दिनों की तेजी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया है।

संक्षिप्त समाचार

एसबीआई में पीओ के 1,500 पदों पर भर्ती

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने प्रोबेशनरी ऑफिसर (पीओ) के 1,500 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं। इच्छुक उम्मीदवार 18 जून से 8 जुलाई 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। भर्ती में यूआर, एससी, एसटी, ओबीसी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के पद शामिल हैं। आवेदन के लिए किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री आवश्यक है।

भारतीय तटरक्षक बल को मिला पहला स्वदेशी एयर कुशन वाहन

गोवा। भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने छह स्वदेशी एयर कुशन वाहनों (होवरक्राफ्ट) में से पहला वाहन सेवा में शामिल कर लिया है। चौगुले एंड कंपनी द्वारा निर्मित यह वाहन समुद्री सुरक्षा और निगरानी क्षमता को मजबूत करेगा। अधिकारियों ने इसे आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

नीट परीक्षार्थियों के लिए रेलवे चलाएगा स्पेशल ट्रेन

भोपाल। नीट-2026 परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे ने इंदौर-भोपाल-रतलाम के बीच एक ट्रिप स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन 20 जून को संचालित होगी और इसमें 17 कोच लगाए जाएंगे। रेलवे के अनुसार यह व्यवस्था परीक्षार्थियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखकर की गई है।

भारत-यूरोप टेक सहयोग में फ्रांस निभा रहा सेतु की भूमिका : पीएम मोदी

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीवाटेक 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि फ्रांस भारत और यूरोप के टेक इकोसिस्टम को करीब लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि इससे व्यापार, निवेश, तकनीक और पर्यटन के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे।

डीयूवीएएसयू पहुंचे पशुपालन सचिव, आधुनिक पशु चिकित्सा सुविधाओं पर जोर

मथुरा। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के सचिव नरेश पाल गंगवार ने डीयूवीएएसयू का दौरा कर शैक्षणिक, अनुसंधान और पशु चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने आधुनिक पशु चिकित्सा अवसंरचना को मजबूत बनाने पर बल दिया और बकरी वीर्य फ्रीजिंग केंद्र की सराहना की। इस दौरान उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण भी किया।

भारतीय प्रतिभाओं की तारीफ करते हुए बोले डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका में कुशल पेशेवरों के लिए अवसर जारी रहेंगे

समाज जागरण

वॉशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय कुशल पेशेवरों की खुलकर सराहना करते हुए कहा है कि भारतीय बेहद प्रतिभाशाली हैं और अमेरिका में उनके लिए अवसर आगे भी बने रहेंगे। ट्रंप ने यह बात फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद कही।
राष्ट्रपति ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या उनके कार्यकाल में भारतीय कुशल पेशेवरों को अमेरिका में रोजगार और करियर के अवसर मिलते रहेंगे, तो उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारत के साथ रोजगार के क्षेत्र में अमेरिका के हमेशा से अच्छे संबंध रहे हैं। उन्होंने भारतीय पेशेवरों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे "बहुत प्रतिभाशाली लोग" हैं।

भारत-अमेरिका संबंधों को बताया मजबूत

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और भारत के रिश्ते पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई बातचीत को बेहद सकारात्मक बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री मोदी और भारत के साथ हमारी बहुत अच्छी बातचीत हुई। अमेरिका और भारत के बीच बहुत सारी चीजें आगे बढ़ रही हैं।"

प्रधानमंत्री मोदी की बातचीत क्षमता की सराहना

अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और कूटनीतिक कौशल की भी प्रशंसा की। ट्रंप ने कहा कि मोदी एक मजबूत और प्रभावशाली वातार्कार हैं तथा दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बातचीत करने वाले नेताओं में शामिल हैं।
उन्होंने कहा, "वह बहुत मजबूत बातचीत करने वाले नेता हैं। वास्तव में, वह सबसे अच्छे बातचीत करने वालों में से एक हैं।"

दोनों देशों के बीच बढ़ रहा सहयोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत-अमेरिका संबंधों में तेजी से बढ़ते सहयोग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष वॉशिंगटन में हुई सफल बैठक के बाद दोनों देशों के रिश्तों में नई ऊर्जा और नई गति आई है।
प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देश व्यापार, प्रौद्योगिकी, निवेश, शिक्षा, रक्षा और रणनीतिक सहयोग सहित कई क्षेत्रों में मिलकर काम कर रहे हैं। साथ ही दोनों देशों के अधिकारी और विशेषज्ञ तय लक्ष्यों को पूरा करने के लिए लगातार संपर्क में हैं।

भारतीय पेशेवरों के लिए सकारात्मक संकेत

ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब बड़ी संख्या में भारतीय इंजीनियर, आईटी विशेषज्ञ, शोधकर्ता, वैज्ञानिक और छात्र अमेरिका में कार्य और अध्ययन कर रहे हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से भारतीय प्रतिभाओं की सराहना और अवसरों को लेकर दिया गया सकारात्मक संदेश भारत के कुशल पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है। ट्रंप ने दोनों देशों की दोस्ती को रेखांकित करते हुए कहा कि अमेरिका और भारत के बीच बेहद करीबी और मजबूत संबंध हैं तथा उन्हें नहीं लगता कि दोनों देशों के रिश्ते इससे अधिक घनिष्ठ हो सकते हैं।

देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य, तीन दिनों में 1.47 करोड़ एलपीजी सिलेंडर की डिलीवरी

समाज जागरण

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पूरी तरह सामान्य है तथा किसी भी प्रकार की कमी की स्थिति नहीं है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि पिछले तीन दिनों के दौरान देशभर में 1.47 करोड़ एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी की गई, जबकि इसी अवधि में 1.36 करोड़ सिलेंडरों की बुकिंग दर्ज की गई।
मंत्रालय के अनुसार मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर पड़ रहे प्रभाव के बावजूद भारत में ईंधन आपूर्ति व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित हो रही है। देश के किसी भी एलपीजी वितरक से गैस खत्म होने की कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है।

डिजिटल व्यवस्था से बढ़ी पारदर्शिता

एलपीजी सिलेंडरों के दुरुपयोग को रोकने के लिए ऑनलाइन बुकिंग और डिलीवरी प्रमाणीकरण प्रणाली को मजबूत किया गया है। वर्तमान में लगभग 99 प्रतिशत एलपीजी बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से हो रही हैं, जबकि 96 प्रतिशत डिलीवरी डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड (डीएसी) के जरिए सत्यापित की जा रही हैं।

पीएनजी कनेक्शन में भी तेजी

मंत्रालय ने बताया कि मार्च 2026 से अब तक करीब 10.02 लाख नए पीएनजी (पाइप्ड नेचुरल गैस) कनेक्शन जारी किए गए हैं। इसके अलावा 3.22 लाख अतिरिक्त कनेक्शनों के लिए आधारभूत ढांचा तैयार कर लिया गया है। इस प्रकार कुल संभावित कनेक्शनों की संख्या 13.24 लाख हो गई है।
सरकार ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से आग्रह किया है कि जहां पीएनजी नेटवर्क उपलब्ध है, वहां एलपीजी उपभोक्ताओं को पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। वर्तमान में लगभग 9.44 लाख उपभोक्ताओं ने नए पीएनजी कनेक्शन के लिए पंजीकरण कराया है।

लगातार तीसरी जीत के साथ सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय महिला हॉकी टीम

समाज जागरण

नई दिल्ली। एफआईएच विमेंस नेशंस कप 2025-26 में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए उरुग्वे को 3-2 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया।
मुकाबले में भारत ने 0-1 से पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की। भारतीय टीम की ओर से दीपिका ने दो गोल किए, जबकि दीपिका सोरेंग ने एक गोल दागा। उरुग्वे के लिए कियारा एपेनिनो और मैनुएला विलार ने एक-एक गोल किया।
उरुग्वे ने 13वें मिनट में बढ़त हासिल की, लेकिन 24वें मिनट में दीपिका ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे हाफ में दीपिका सोरेंग ने 43वें मिनट में गोल कर भारत को 2-1 की बढ़त दिलाई। हालांकि 55वें मिनट में मैनुएला विलार ने स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। मैच के 56वें मिनट में दीपिका ने एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील कर भारत को 3-2 की निर्णायक बढ़त दिला दी। इसके बाद भारतीय डिफेंस ने उरुग्वे के सभी प्रयासों को विफल कर जीत सुनिश्चित की।
यह मुकाबला भारतीय मिडफील्डर नेहा के लिए भी खास रहा, जिन्होंने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का 200वां मैच खेला। लगातार तीन जीत के साथ भारत और अमेरिका ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है।

विस्थापन का दर्द और मानवता की परीक्षा

घर की दहलीज छूने को तरसती हैं निगाहें,
पीठ पर यादों का बोझ, आँखों में सूखी आहें।
शरणार्थी केवल बेघर इंसान नहीं होते,
वे चलते-फिरते टूटे हुए संसार होते।।

विश्व शरणार्थी दिवस केवल एक अंतरराष्ट्रीय आयोजन नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिवस उन करोड़ों लोगों के दर्द, संघर्ष और टूटे हुए सपनों की याद दिलाता है, जिन्हें युद्ध, हिंसा, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, राजनीतिक अस्थिरता, जलवायु संकट और भूख ने अपने ही घरों से बेघर कर दिया। शरणार्थी केवल सीमाएँ पार करने वाला व्यक्ति नहीं होता, बल्कि वह अपने पीछे एक पूरा संसार छोड़कर चलने को विवश इंसान होता है।

जब कोई व्यक्ति अपना घर छोड़ता है, तो वह केवल मिट्टी नहीं छोड़ता; वह अपनी स्मृतियाँ, रिश्ते, बचपन, संस्कृति और पहचान भी पीछे छोड़ देता है। शरणार्थी बनने का दर्द केवल भूख या बेघर होने का दर्द नहीं, बल्कि अपनी जड़ों से कट जाने की असहनीय पीड़ा भी है। दुनिया के अनेक देशों में आज भी लाखों बच्चे ऐसे हैं जिन्होंने कभी सुरक्षित बचपन नहीं देखा, जिनकी आँखों में खिलौनों की जगह बारूद और भय के दृश्य बस गए हैं।

आज विश्व के कई हिस्से युद्ध और संघर्ष की आग में जल रहे हैं। कहीं बमबारी से शहर खंडहर बन रहे हैं, कहीं जातीय हिंसा इंसानियत को शर्मसार कर रही है, तो कहीं जलवायु परिवर्तन लोगों को अपने गांवों और खेतों से पलायन के लिए मजबूर कर रहा है। यह स्थिति बताती है कि आधुनिक विकास और तकनीकी प्रगति के बावजूद मानवता अभी भी शांति और संवेदना की सबसे बड़ी परीक्षा में असफल होती दिखाई दे रही है।

शरणार्थियों की सबसे बड़ी त्रासदी यह होती है कि वे कहीं भी पूरी तरह अपने नहीं रह जाते। अपना देश उन्हें खो देता है और नया देश उन्हें संदेह की दृष्टि से देखता है। अस्थायी शिविरों में जीवन बिताते हुए वे भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के लिए संघर्ष करते हैं। अनेक महिलाएँ और बच्चे शोषण, तस्करी और हिंसा का शिकार बनते हैं। यह केवल राजनीतिक संकट नहीं, बल्कि मानवाधिकारों का भी गंभीर प्रश्न है।

विश्व शरणार्थी दिवस हमें यह सोचने के लिए विवश करता है कि आखिर ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न क्यों होती हैं जहाँ इंसान को अपनी जन्मभूमि छोड़ने पर मजबूर होना पड़ता है। युद्ध केवल सीमाओं पर नहीं लड़े जाते; वे मनुष्यता के भीतर भी गहरे घाव छोड़ जाते हैं। सत्ता और स्वार्थ की लड़ाइयों का सबसे बड़ा मूल्य हमेशा आम नागरिक चुकाते हैं। जिन बच्चों ने कभी राजनीति नहीं समझी, उन्हें भी विस्थापन और भय की सजा मिलती है।

आज जलवायु परिवर्तन भी शरणार्थियों की संख्या बढ़ाने वाला बड़ा कारण बनता जा रहा है। सूखा, बाढ़, समुद्री जलस्तर में वृद्धि और प्राकृतिक आपदाएँ लाखों लोगों को अपने घरों से बेदखल कर रही हैं। आने वाले वर्षों में जलवायु शरणार्थी विश्व के सामने सबसे बड़ी मानवीय चुनौती बन सकते हैं। यह चेतावनी है कि यदि प्रकृति का संतुलन नहीं बचाया गया, तो विस्थापन केवल युद्ध क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहेगा। भारत की संस्कृति सदैव वसुधैव कुटुम्बकम की रही है। हमारे देश ने विभिन्न समयों में अनेक शरणार्थियों को आश्रय देकर मानवता का परिचय दिया है। किंतु केवल सहानुभूति पर्याप्त नहीं है; वैश्विक स्तर पर स्थायी शांति, न्यायपूर्ण नीतियाँ और मानवीय दृष्टिकोण विकसित करना भी आवश्यक है।

यह भी सच है कि शरणार्थी बोझ नहीं होते। अवसर मिलने पर वही लोग समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्हें केवल दया नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और पुनर्वास की आवश्यकता होती है। हर शरणार्थी के भीतर एक अधूरा सपना, एक टूटा हुआ घर और फिर से जीने की उम्मीद छिपी होती है। विश्व शरणार्थी दिवस हमें यह संदेश देता है कि सीमाएँ चाहे देशों को बाँट दें, लेकिन मानवता को विभाजित नहीं कर सकतीं। यदि दुनिया वास्तव में सभ्य कहलाना चाहती है, तो उसे युद्ध से अधिक शांति, नफरत से अधिक करुणा और स्वार्थ से अधिक मानवीयता को महत्व देना होगा। क्योंकि जब कोई इंसान अपने घर से बेघर होता है, तब केवल उसका संसार नहीं टूटता मानवता भी कहीं न कहीं घायल हो जाती है।

सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

रामलला के पैसे की चोरी: आस्था पर घात, डगमगाया विश्वास

अजय कुमार

अयोध्या में प्रभु श्री रामलला के भव्य मंदिर से दान पात्र में चोरी की घटना ने एक साथ कई मोर्चों पर हलचल मचा दी है। करोड़ों रामभक्तों की आस्था को इस घटना ने गहरी ठेस पहुँचाई है तो उनका यह विश्वास भी टूट गया कि रामलला के मंदिर में ऐसा कुछ कभी हो ही नहीं सकता है, लेकिन इससे भी बड़ी चोट तब लगी, जब इस धार्मिक मसले को राजनीति की चाशनी में लपेटकर परोसा जाने लगा। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने इस मुद्दे को हाथों-हाथ लपक लिया और भारतीय जनता पार्टी की हिन्दूवादी राजनीति पर निशाना साधने में जरा भी देर नहीं की। यह सवाल अपनी जगह वाजिब है कि जिस मंदिर के दर्शन के लिये अखिलेश यादव आज तक नहीं गये, उस मंदिर के दान पात्र से हुई चोरी पर उनकी तड़प और चिंता कितनी वास्तविक है और कितनी दिखावटी। जो नेता रामलला के दर्शन से परहेज करते रहे, वे अचानक मंदिर की सुरक्षा और प्रबंधन के पहरेदार बन बैठे हैं। इसमें सच्चाई कम, सियासी गणित ज्यादा दिखता है। सपा की इस सियासत से हुए नुकसान की भरपाई करने के लिये 19 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अयोध्या रामलला के मंदिर पहुँच रहे हैं, जहाँ वह पूरे घटनाक्रम को बारीकी से समझेंगे।

उधर, अखिलेश यादव की मंशा साफ है। वे भाजपा की हिन्दुत्व की छवि को खंड-खंड करना चाहते हैं। भाजपा ने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया था। यह मंदिर केवल ईंट-पत्थर का ढाँचा नहीं, बल्कि भाजपा की राजनीतिक पहचान का आधार-स्तंभ है। जब उसी मंदिर में चोरी होती है, तो यह भाजपा के लिये केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि उसकी हिन्दुत्व की साख पर सीधा प्रहार बन जाता है। अखिलेश यादव इस कमजोर कड़ी को पकड़कर हिन्दू मतदाताओं के मन में यह संदेश डालना चाहते हैं कि भाजपा का हिन्दुत्व केवल चुनावी नारा है, व्यवहार में नहीं। इसके पीछे एक और सोचा-समझा राजनीतिक लक्ष्य है। उत्तर प्रदेश में हिन्दू मतदाता कभी एकजुट नहीं रहे। उच्च जातियों, पिछड़े वर्गों और दलितों के बीच की खाई को समाजवादी पार्टी हमेशा अपने पक्ष में भुनाने की कोशिश करती रही है। यदि अखिलेश इस घटना के माध्यम से हिन्दुओं के किसी तबके में यह धारणा बनाने में सफल हो जाते हैं कि भाजपा की सरकार में राम के घर में भी सुरक्षा नहीं, तो यह उनके लिये 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक फायदा होगा।

लेकिन इस पूरे प्रसंग में असली सवाल यह है कि यह नौबत आई क्यों? श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय की भूमिका यहाँ बेहद अहम है। यदि वे इस घटना की जानकारी मिलते ही इसका खुलासा सार्वजनिक रूप से कर देते और पारदर्शिता के साथ कार्रवाई की बात करते, तो विपक्ष के पास आरोप लगाने की गुंजाइश ही नहीं बचती। जो घटना खुद उजागर की जाये, उस पर राजनीति करना कठिन होता है। लेकिन जब घटना को दबाने की कोशिश होती है और बाद में वह बाहर आती है, तो वह कहीं अधिक विस्फोटक बन जाती है। चंपत राय की यह अदूरदर्शिता महँगी पड़ी। इसी चूक ने अखिलेश को एक ऐसा हथियार थमा दिया, जिसे वे बार-बार भाँज सकते हैं। सपा की मंशा को भाँपकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए विशेष जांच दल का गठन किया है। यह कदम जरूरी था, लेकिन राजनीतिक नुकसान तो हो चुका था। जब तक जांच का आदेश आया, तब तक यह मुद्दा सोशल मीडिया और समाचार चैनलों पर आग की तरह फैल चुका था। मोदी और योगी दोनों की सरकारें इस मुद्दे पर बचाव की मुद्रा में दिखीं, जो आमतौर पर सत्ता पक्ष के लिये ठीक संकेत नहीं माना जाता।

उधर, सपा प्रमुख अखिलेश यादव की बयानबाजी में भी अतिरंजना है। वे ऐसी बातें भी इस घटना से जोड़ रहे हैं, जिनका वास्तविकता से कोई सम्बन्ध नहीं। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में यह स्वाभाविक भी है, लेकिन इससे उनकी विश्वसनीयता पर भी सवाल उठते हैं। जो नेता कभी मंदिर के दर्शन नहीं करते, उनका मंदिर प्रेम अचानक चुनावी मौसम में जागता दिखे, तो जनता उसे पहचानती है। लाख टके का सवाल यह भी है कि यह मुद्दा क्या 2027 तक जीवित रह सकता है? इसका उत्तर इस बात पर निर्भर करेगा कि सरकार और राम जन्मभूमि न्यास इसे किस तरह संभालते हैं। यदि जांच में देरी हुई, दोषी पकड़ में नहीं आये, या मंदिर प्रशासन में कोई बड़ी खामी सामने आई, तो अखिलेश इसे ज़िंदा रखने में सफल होंगे। लेकिन यदि शीघ्र कार्रवाई हुई, दोषियों को सजा मिली और मंदिर प्रशासन में सुधार दिखा, तो यह मसला अपने आप ठंडा पड़ जायेगा। राजनीति में वही मुद्दे टिकते हैं, जिन्हें सत्ता पक्ष की लापरवाही ताजा रखती है।

लब्बोलुआब यह है कि रामलला का मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था का केन्द्र है। इस मंदिर से जुड़ी हर घटना, चाहे वह चोरी हो या कोई और विवाद, स्वाभाविक रूप से राजनीतिक रंग ले लेती है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस मंदिर के निर्माण से लाखों लोगों की भावनाएँ जुड़ी हैं, वह अब राजनीतिक शतरंज की बिसात बन रहा है। अखिलेश यादव इस बिसात पर चाल चल रहे हैं और भाजपा खुद की भूलों के कारण मुश्किल स्थिति में है। ऐसे में बड़ी बात यह है कि राम मंदिर प्रबंधन को पारदर्शी और चुस्त-दुरुस्त बनाया जाये। चोरी की घटना से जो सबक मिला है, उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिये। मंदिर की सुरक्षा और प्रशासन में खामियाँ न केवल आस्था को आहत करती हैं, बल्कि विरोधियों को राजनीति करने का अवसर भी देती हैं। आस्था की रक्षा और प्रशासन की पारदर्शिता ही वह ढाल है, जो सियासत के तीरों को बेअसर कर सकती है।

हरित पुनरुद्धार की ओर बढ़ते भारत के कदम

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत ने भूमि बहाली के क्षेत्र में एक ऐसी अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है जिसने पूरी दुनिया के सामने सफलता का एक नया मार्ग प्रशस्त किया है। भारत ने अपने निरंतर और सुनियोजित प्रयासों से 21.76 मिलियन हेक्टेयर बंजर और खराब हो चुकी भूमि को फिर से हरा-भरा और उपजाऊ बनाने में सफलता प्राप्त की है। इस विशाल आंकड़े की गंभीरता और इसके भौगोलिक विस्तार को इस तरह समझा जा सकता है कि यह क्षेत्रफल लगभग पूरे यूनाइटेड किंगडम अर्थात ब्रिटेन के कुल भौगोलिक आकार के बराबर है। इतने बड़े पैमाने पर सूखी, ऊसर और जीवनहीन हो चुकी जमीन को पुनर्जीवित करना केवल एक प्रशासनिक सफलता नहीं है बल्कि यह प्रकृति के प्रति देश की गहरी प्रतिबद्धता और दूरगामी नीतियों का जीवंत परिणाम है। इस ऐतिहासिक कदम ने न केवल भारत की पारिस्थितिक सुरक्षा को मजबूत किया है बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति देश की साख को बहुत ऊंचा किया है। भूमि का इस तरह से पुनरुद्धार करना आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सुरक्षित और समृद्ध भविष्य की नींव रखने जैसा है जो सतत विकास के वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा।

इस पूरी मुहिम की वैश्विक कड़ियों को जोड़कर देखना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि भारत के ये प्रयास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे बड़े अभियानों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। इसी संदर्भ में बॉन चुनौती का नाम प्रमुखता से उभर कर सामने आता है। बॉन चुनौती वास्तव में वनों की कटाई को रोकने और मरुस्थलीकरण के कारण बंजर हो चुकी भूमि को फिर से उपजाऊ और हरा-भरा बनाने का एक बहुत बड़ा वैश्विक संकल्प है। इस महत्वपूर्ण पहल की शुरूआत वर्ष 2011 में जर्मनी की सरकार और इंटरनेशनल यूनियन फॉर Conservation ऑफ नेचर द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी। जब इसे वैश्विक स्तर पर शुरू किया गया था तब इसका प्राथमिक लक्ष्य रखा गया था कि वर्ष 2020 तक पूरी दुनिया में 150 मिलियन हेक्टेयर खराब हो चुकी भूमि को बहाल किया जाएगा। इसके बाद इस लक्ष्य को और अधिक विस्तारित करते हुए वर्ष 2030 तक 350 मिलियन हेक्टेयर भूमि को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया गया। भारत ने इस वैश्विक चुनौती को सहर्ष स्वीकार किया और अपनी घरेलू प्राथमिकताओं को इसके साथ इस तरह जोड़ा कि आज देश इस दिशा में मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है।

भारत की इस पर्यावरणीय यात्रा में एक और बड़ा मोड़ तब आया जब देश ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी जिम्मेदारियों को और अधिक विस्तार देने का निर्णय लिया। वर्ष 2019 में भारत की राजधानी नई दिल्ली में संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम अभिसमय के चौदहवें सत्र का आयोजन किया गया था जिसे कॉप 14 के नाम से भी जाना जाता है। इस वैश्विक सम्मेलन में दुनिया भर के पर्यावरणविदों और नीति निमार्ताओं की उपस्थिति में भारत ने अपने पुराने लक्ष्यों में बड़ा संशोधन किया। भारत ने वैश्विक मंच पर यह संकल्प लिया कि वह वर्ष 2030 तक 26 मिलियन हेक्टेयर बंजर और निम्नीकृत भूमि को पूरी तरह से बहाल करेगा। वर्तमान समय में हासिल किया गया 21.76 मिलियन हेक्टेयर का यह आंकड़ा इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि भारत अपने लक्ष्य की ओर मजबूती से आगे बढ़ रहा है और वह इस अत्यंत महत्वाकांक्षी लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा से बहुत पहले ही प्राप्त करने की मजबूत स्थिति में पहुंच चुका है।

इस विशाल भूभाग को दोबारा जीवन देने और उसे हरा-भरा बनाने के लिए देश में बहुआयामी रणनीतियों को अपनाया गया जिसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका वनरोपण की रही है। देश के विभिन्न राज्यों में जो जमीनें पूरी तरह से खाली थीं या जहां औद्योगिक गतिविधियों और खनन कार्यों के बाद खदानों को बंजर छोड़ दिया गया था वहां बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण अभियान चलाए गए। इस प्रक्रिया में इस बात का विशेष ध्यान रखा गया कि केवल पेड़ न लगाए जाएं बल्कि उन स्थानीय प्रजातियों के पौधों को चुना जाए जो वहां की मिट्टी और जलवायु के अनुकूल हों। इससे बंजर पहाड़ियों और मैदानी इलाकों में एक बार फिर से सघन हरित आवरण लौटने लगा जिसने भूमि के क्षरण को रोक दिया और मिट्टी की खोई हुई पोषक क्षमता को वापस लाने में मदद की।

वनरोपण के साथ-साथ जल और मिट्टी के संरक्षण के लिए जलागम प्रबंधन तकनीक का व्यापक स्तर पर उपयोग किया गया जो इस सफलता की रीढ़ साबित हुई। इसके अंतर्गत पहाड़ी और ढलान वाले क्षेत्रों में वैज्ञानिक पद्धतियों से छोटे-छोटे बांधों का निर्माण किया गया जिन्हें चेक डैम कहा जाता है। इन संरचनाओं के माध्यम से वर्षा के तेजी से बहते हुए पानी को रोका गया जिससे न केवल उपजाऊ मिट्टी का बहाव थमा बल्कि जमीन के भीतर पानी का स्तर भी तेजी से ऊपर उठा। भूजल स्तर में सुधार होने के कारण आसपास की सूखी और प्यासी जमीन को पर्याप्त नमी मिली जिससे वहां प्राकृतिक रूप से वनस्पतियों का उगना दोबारा शुरू हो गया और कई सूखी नदियां तथा जलस्रोत पुनर्जीवित हो उठे।

इस अभियान की एक और बड़ी विशेषता कृषि वानिकी को बड़े पैमाने पर बढ़ावा देना रही है जिसने पारंपरिक खेती के तौर-तरीकों को सकारात्मक रूप से बदल दिया। परंपरागत रूप से किसान केवल अपनी फसलों के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करते थे लेकिन नई नीतियों के तहत उन्हें खेतों की मेड़ों पर और फसलों के बीच के खाली स्थानों में आर्थिक रूप से उपयोगी पेड़ लगाने के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित किया गया। इससे किसानों को न केवल ईंधन और चारे के रूप में अतिरिक्त संसाधन मिले बल्कि खेतों की मिट्टी की नाइट्रोजन स्थिरीकरण क्षमता और सामान्य उर्वरता में भी भारी सुधार हुआ। कृषि वानिकी ने देश के ग्रामीण अंचलों में एक नए प्रकार के लाभदायक और टिकाऊ हरित तंत्र को जन्म दिया जिसने पर्यावरण के साथ-साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को भी संबल प्रदान किया।

इन सभी सरकारी और तकनीकी प्रयासों को वास्तविक शक्ति और गति तब मिली जब इसमें आम जनता और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को अनिवार्य बनाया गया। संयुक्त वन प्रबंधन प्रणाली के अंतर्गत वनों के आसपास रहने वाले स्थानीय ग्रामीण निवासियों और विशेषकर आदिवासी समुदायों को जंगलों की रक्षा करने और नए पौधे लगाने की सीधी जिम्मेदारी सौंपी गई। जब इन समुदायों को यह अहसास हुआ कि जंगलों का विकास सीधे तौर पर उनके अपने जीवन, संस्कृति और आजीविका से जुड़ा हुआ है तो उन्होंने इस अभियान को एक जन आंदोलन का रूप दे दिया। लोगों के इस सामूहिक जुड़ाव के कारण ही नए लगाए गए पौधों की जीवित रहने की दर में रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई और सामुदायिक वनों का दायरा तेजी से बढ़ने लगा।

इस ऐतिहासिक भूमि बहाली अभियान के दूरगामी और बहुआयामी लाभ अब प्रत्यक्ष रूप से दिखाई देने लगे हैं जिनमें सबसे बड़ा लाभ एक विशाल कार्बन अवशोषक क्षेत्र का निर्माण होना है। जब 21.76 मिलियन हेक्टेयर भूमि पर नए पेड़-पौधे और घनी वनस्पतियां विकसित होती हैं तो वे वायुमंडल से हर साल लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड जैसी हानिकारक गैसों को सोख लेती हैं। यह प्रक्रिया वैश्विक तापन के खतरों को कम करने में भारत की ओर से विश्व को दिया गया एक अमूल्य योगदान है। यह हरित क्षेत्र देश के कार्बन उत्सर्जन को संतुलित करने में एक मजबूत ढाल की तरह काम कर रहा है और वैश्विक जलवायु सुधार में अपनी महती भूमिका निभा रहा है।

इसके साथ ही जैव विविधता की बहाली इस अभियान का दूसरा सबसे महत्वपूर्ण परिणाम है क्योंकि जो क्षेत्र कभी पूरी तरह से उजाड़ और बेजान हो चुके थे वहां अब एक बार फिर से विभिन्न प्रकार के वन्यजीवों को अपना खोया हुआ प्राकृतिक आवास मिल रहा है। पशु-पक्षियों, कीट-पतंगों और मिट्टी के भीतर रहने वाले सूक्ष्मजीवों की संख्या में वृद्धि होने से संपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र दोबारा सक्रिय हो रहा है जो प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है। अंततः इस पूरी प्रक्रिया ने देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को एक नई और अभूतपूर्व मजबूती प्रदान की है जो सतत विकास का सबसे बड़ा उदाहरण है। भूमि के उपजाऊ होने से जहां एक ओर कृषि उत्पादकता में सुधार हुआ है वहीं दूसरी ओर जंगलों से मिलने वाले विभिन्न उत्पादों जैसे फल, शहद, गोंद और अनेक प्रकार की दुर्लभ जड़ी-बूटियों ने स्थानीय लोगों की दैनिक आय को बढ़ाने में मदद की है। रोजगार के नए अवसर पैदा होने से ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि आई है जो यह सिद्ध करती है कि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण दोनों को एक साथ प्राप्त किया जा सकता है।

महेन्द्र तिवारी

बोझ तले दबे नौनिहाल बच्चे, बचपन के कंधों पर शिक्षा का 'अमानवीय' वजन

"जो खुद बोझ बन जाए, वह दूसरे का बोझ कैसे उठाएगा?" यह पंक्तियाँ केवल एक मुहावरा नहीं, बल्कि आज के दौर की उस कड़वी सच्चाई का आईना हैं, जिसे हम अपने 'विकास' के शोर में अनदेखा कर रहे हैं। जब मैं उन नौनिहालों को देखता हूँ, जिनकी शैशवावस्था में ही कमर झुकने लगी है, जिनका मन और मस्तिष्क किताबी चौखटों के बीच संकुचित हो गया है, तो मन कचोट उठता है। हम जिसे 'उज्ज्वल भविष्य' की तैयारी कह रहे हैं, वह असल में बच्चों के बचपन का अपहरण है। आज के समय में बच्चे का मुंह खुलते ही उस पर भाषाई और शैक्षणिक आक्रमण शुरू हो जाता है। वह अपनी मौलिकता के साथ कुछ नहीं कह पाता; उसे वही बोलना सिखाया जाता है जो उसके माता-पिता चाहते हैं। जैसे ही वह चलने-फिरने लायक होता है, उसे खेल के मैदान से उठाकर चारदीवारी के भीतर बंद कर दिया जाता है। एक निश्चित समय की बंदिशों में बंधी उसकी दिनचर्या में न तो सुकून से भोजन करने का समय है, न ही खिलखिलाकर खेलने का। सुबह होते ही बच्चे अपने नित्य कर्मों की आपाधापी में लग जाते हैं। ठीक से निवाला पेट में जाता भी नहीं कि स्कूली वाहनों की सीटियाँ दरवाजे पर बजने लगती हैं। कई बच्चे तो घर से सैकड़ों मीटर दूर सड़क पर खड़ी गाड़ियों तक अपनी दुबली-पतली टांगों के सहारे भारी-भरकम बस्ता ढोते नजर आते हैं। जब उन झुकी हुई कमर पर किताबों का वजन देखता हूँ, तो लगता है कि ये बच्चे लाचारी और बेबसी को अपनी दिनचर्या बना चुके हैं।

इस पूरे घटनाक्रम में विद्यालय संचालकों की भूमिका सबसे अधिक संदेहास्पद है। उन्हें बच्चों के सर्वांगीण विकास की चिंता कम और अपनी संस्थाओं की व्यावसायिक वृद्धि की चिंता अधिक है। क्या उन्होंने कभी सोचा है कि जब नौनिहाल अवस्था में ही बच्चा इस बोझ तले दबकर शारीरिक रूप से अपंग या दुर्बल हो जाएगा, तो वह भविष्य में क्या विकास करेगा?

विद्यालय से घर लौटते ही बच्चों का अगला संघर्ष शुरू होता है—गृहकार्य (होमवर्क) का। खेलने-कूदने या व्यायाम करने के बजाय, वे शिक्षकों के डर से शाम से ही किताबों में सिर खपाने को मजबूर हैं। प्रश्न यह उठता है कि जिस आयु में बच्चे को दौड़कर सामाजिकता सीखनी चाहिए, उसे 'किताबी कीड़ा' बनाकर हम कैसा समाज तैयार कर रहे हैं?मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के बिना उसका सही विकास संभव नहीं है। लेकिन आज हम बच्चों को उन चार दीवारों के भीतर कैद कर रहे हैं जहाँ से समाज दिखाई नहीं देता। विद्यालय द्वारा रटाई गई चंद पंक्तियाँ सुनकर माता-पिता खुश हो जाते हैं, उन्हें लगता है बच्चा 'तेज' हो रहा है। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि यह तेजी नहीं, बल्कि उसके नैसर्गिक विकास की हत्या है। जब यही बच्चे बड़े होकर नौकरी की तलाश में निकलते हैं, तो प्रतिस्पर्धा के इस युग में वे अक्सर मानसिक या शारीरिक कमजोरियों के कारण पिछड़ जाते हैं। तब माता-पिता को समझ आता है कि उस 'क्षणिक सुख' (अंकों की दौड़) के सामने उन्होंने बच्चे का 'दीर्घकालिक भविष्य' दांव पर लगा दिया था। मैं उन माता-पिता और शिक्षकों से एक सीधा सवाल पूछना चाहता हूँ: क्या आपने भी अपने बचपन में इसी तरह भारी-भरकम थैले ढोए थे? क्या आपके माता-पिता ने आपको खेलने, सोचने और समाज के साथ घुलने-मिलने से रोका था? यदि आपके साथ ऐसा अन्याय नहीं हुआ, तो आज आप उन मासूमों के साथ यह व्यवहार क्यों कर रहे हैं? मुझे कहना है कि शिक्षा की गुणवत्ता में कमी न करें, यह जरूरी है। लेकिन उस बोझ को कम करें जो उन्हें शारीरिक रूप से झुकने पर मजबूर कर रहा है। बच्चों को खाने-पीने का समय दें ताकि शारीरिक विकास हो सके। उन्हें खेलने-कूदने और दोस्तों के साथ समय बिताने दें ताकि उनका मस्तिष्क विस्तार पा सके। उन्हें मशीन न बनाएं, उन्हें इंसान बने रहने दें। समय आ गया है कि शिक्षा विभाग, विद्यालय संचालक और अभिभावक इस विषय पर गंभीरता से चिंतन करें। शिक्षा बोझ नहीं, बल्कि एक आनंददायी अनुभव होनी चाहिए। अगर हम बच्चों को बचपन में बचपन नहीं जीने देंगे, तो वे बड़े होकर परिपक्व व्यक्तित्व का निर्माण कैसे करेंगे? आज के नौनिहालों को किताबी बोझ से मुक्ति दिलाना ही समाज का सबसे बड़ा दायित्व है। याद रखिए, बचपन अगर कुचला गया, तो आने वाला कल भी झुका हुआ ही होगा। आइए, उनके कंधों से किताबों का यह पहाड़ हटाकर उन्हें एक स्वतंत्र और स्वस्थ भविष्य का उपहार दें।

वेद प्रकाश

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

विकास प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं ने बांधा समां

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जनपद गौतमबुद्धनगर में आयोजित तीन दिवसीय "विकास प्रदर्शनी" के दूसरे दिन भी बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त की। यह प्रदर्शनी सेक्टर-91 स्थित पंचशील बालक इंटर कॉलेज में आयोजित की जा रही है।

प्रदर्शनी के दूसरे दिन संस्कृति विभाग के सहयोग से नव अंशिका फाउंडेशन सांस्कृतिक दल द्वारा लोक नृत्य एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां दी गईं। कलाकारों ने लोकगीतों और पारंपरिक नृत्यों के माध्यम से भारतीय संस्कृति की विविधता का जीवंत प्रदर्शन किया। कार्यक्रमों को दर्शकों ने खूब सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यार्थियों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शिक्षा विभाग द्वारा "विकसित भारत अभियान" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 10ए के छात्र शाश्वत पांडे ने प्रथम, अमन खान ने द्वितीय तथा ओम दुबे ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। 19 जून को चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

प्रदर्शनी में सूचना विभाग द्वारा स्थापित "सेल्फी विद पीएम" प्वाइंट लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना रहा। बड़ी संख्या में लोगों ने प्रधानमंत्री के कटआउट के साथ सेल्फी लेकर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।

प्रदर्शनी में सूचना, शिक्षा, कृषि, स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, उद्योग, श्रम, पशुपालन, मत्स्य, वन तथा सेवायोजन विभाग सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए हैं। इन स्टॉलों के माध्यम से आमजन को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया भी संचालित की जा रही है।

प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी स्थल पर पहुंचकर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी प्राप्त करें। (सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

योग सप्ताह के चौथे दिन ओखला पक्षी विहार में गूंजा योग का संदेश, लोगों ने किया उत्साहपूर्वक सहभाग

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के उपलक्ष्य में आयोजित योग सप्ताह के चौथे दिन आयुष विभाग गौतमबुद्धनगर द्वारा ओखला पक्षी विहार, विभिन्न राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों एवं आसपास के क्षेत्रों में योगाभ्यास और जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर योग के महत्व को समझा और विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास किया।

योग प्रशिक्षक कुलभूषण धर दुबे एवं मनीष धर दुबे ने प्रतिभागियों को योगासन, प्राणायाम और ध्यान की विभिन्न विधियों का अभ्यास कराया। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक क्षमता बढ़ती है, मानसिक तनाव कम होता है तथा व्यक्ति का समग्र स्वास्थ्य बेहतर होता है। कार्यक्रम में जनपद के आयुर्वेदिक चिकित्साधिकारी, फार्मासिस्ट एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय सहभागिता की। जिला होम्योपैथिक अधिकारी ने भी योगाभ्यास में भाग लेते हुए योग को स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन का आधार बताया। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों को योग के लाभों की जानकारी देते हुए इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. वंदना रानी ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो व्यक्ति को शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक रूप से सशक्त बनाती है। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास से जीवन में सकारात्मकता, ऊर्जा और संतुलन आता है तथा अनेक बीमारियों की रोकथाम में भी मदद मिलती है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार लेने और प्रतिदिन योग करने का संदेश दिया गया। आयुष विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन के लिए जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार योग एवं जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। (सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

सीएम डैशबोर्ड में बेहतर प्रदर्शन पर जोर, सीडीओ ने विभागों की प्रगति की समीक्षा की

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सीएम डैशबोर्ड, विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों, निर्माण कार्यों, सीएमआईएस पोर्टल, जीरो पॉवर्टी अभियान, ई-ऑफिस तथा फैमिली आईडी एवं आधार सीडिंग से संबंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में प्रभारी जिला विकास अधिकारी एवं परियोजना निदेशक डीआरडीए नेहा सिंह ने सीएम डैशबोर्ड और विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों की अद्यतन प्रगति से अवगत कराया। इसके बाद सीडीओ ने प्रोबेशन, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, श्रम, शिक्षा, पंचायती राज, लोक निर्माण, उद्योग, जल निगम, कृषि, पशुपालन, वन विभाग सहित विभिन्न विभागों की समीक्षा की। सीडीओ ने फैमिली आईडी और आधार सीडिंग के कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना एवं सौर ऊर्जा योजनाओं के तहत अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण सुनिश्चित करने और योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया।

निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए। साथ ही परिषदीय विद्यालयों में चल रहे कायाकल्प कार्यों और विद्यालय निरीक्षण की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सीएम डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग की शासन स्तर पर नियमित समीक्षा होती है, इसलिए सभी विभाग अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए गंभीरता से कार्य करें। जिन क्षेत्रों में प्रदर्शन अपेक्षित स्तर का नहीं है, वहां विशेष प्रयास कर सुधार लाया जाए।

बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए सीडीओ ने उनके स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि समीक्षा बैठकों में अनुपस्थिति और कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा दोषी अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एएलसी श्रम विभाग डॉ. एम.पी. सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी अरुण कुमार सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खेत बचाओ अभियान के तहत प्राकृतिक खेती कार्यशाला आयोजित, किसानों को दी गई टिकाऊ खेती की जानकारी

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर। भारत सरकार एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तत्वावधान में चल रहे राष्ट्रव्यापी "खेत बचाओ अभियान" के अंतर्गत गुरुवार को कृषि विज्ञान केंद्र छौलस, दादरी में प्राकृतिक खेती विषयक एक दिवसीय कृषक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाकर खेती की लागत कम करने और आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में दादरी विधायक तेजपाल नागर तथा आईसीएआर गवर्निंग बोर्ड समिति की सदस्य सुषमा सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया।

अपने संबोधन में विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि प्राकृतिक खेती समय की आवश्यकता है। रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से भूमि की उर्वरता प्रभावित हो रही है तथा खेती की लागत बढ़ रही है। ऐसे में प्राकृतिक खेती किसानों के लिए एक टिकाऊ और लाभकारी विकल्प बनकर उभर रही है।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, जीवामृत, बीजामृत, प्राकृतिक कीटनाशकों तथा जैविक संसाधनों के उपयोग पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राकृतिक खेती से उत्पादन लागत कम होने के साथ-साथ भूमि की उर्वरता और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। आईसीएआर गवर्निंग बोर्ड समिति की सदस्य सुषमा सिंह ने कहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास का माध्यम है। उन्होंने किसानों को स्थानीय संसाधनों पर आधारित खेती अपनाने और प्राकृतिक उत्पादों की बढ़ती बाजार मांग का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यशाला के दौरान किसानों को बीज उपचार, जीवामृत निर्माण, प्राकृतिक कीट प्रबंधन, फसल विविधीकरण तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन की तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया। किसानों ने विशेषज्ञों से अपने सवाल पूछे और प्राकृतिक खेती अपनाने का संकल्प लिया।

समापन अवसर पर उप कृषि निदेशक राजीव कुमार ने कहा कि यह कार्यशाला किसानों में प्राकृतिक खेती के प्रति जागरूकता बढ़ाने और पर्यावरण अनुकूल कृषि प्रणाली को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। (सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण मे खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज मे।

जनपदवासियों को शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग एक्शन में

कॉन्टिनेंटल मिल्कोज, सोवेंस फॉर्मेज डेयरी, डाबर डेयरी समेत विभिन्न प्रतिष्ठानों से दूध एवं दुग्ध उत्पादों के सात नमूने जांच को भेजे

समाज जागरण/संदीप गर्ग

गौतमबुद्धनगर। जनपदवासियों को शुद्ध एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने विशेष जांच अभियान चलाया। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश तथा जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के निर्देश पर विभागीय अधिकारियों ने विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दूध एवं दूध से बने उत्पादों के सात नमूने संग्रहित किए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि आमजन को शुद्ध एवं मानक गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद में लगातार सैंपलिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने हबीबपुर, ग्रेटर नोएडा स्थित कॉन्टिनेंटल मिल्कोज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की दूध पैकिंग इकाई का निरीक्षण कर गाय के दूध का एक नमूना संग्रहित किया।

इसके अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों विजय बहादुर पटेल एवं रविंद्र नाथ वर्मा की संयुक्त टीम ने फेस-2 नोएडा स्थित सोवेंस फॉर्मेज डेयरी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में जांच अभियान चलाकर मक्खन का एक नमूना, प्रोसेस्ड चीज स्प्रेड के दो नमूने तथा चीज का एक नमूना लिया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमर बहादुर सरोज ने सेक्टर-45 नोएडा स्थित डाबर डेयरी से पनीर का एक नमूना संग्रहित किया, जबकि खाद्य सुरक्षा अधिकारी रितु सक्सेना ने सेक्टर-68 नोएडा स्थित ऑर्गेनिक्ट फ्रेश प्राइवेट लिमिटेड से पिज्जा सॉस का एक नमूना जांच के लिए लिया।

इस प्रकार कुल सात नमूनों को खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद यदि किसी नमूने में निर्धारित मानकों के विपरीत गुणवत्ता पाई जाती है तो संबंधित प्रतिष्ठान के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय सर्वेश मिश्रा ने बताया कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आगे भी इसी प्रकार अभियान चलाकर नमूने लिए जाते रहेंगे। विभाग का उद्देश्य जनपदवासियों को सुरक्षित, शुद्ध एवं मानक गुणवत्ता वाले खाद्य एवं पेय पदार्थ उपलब्ध कराना है।

उन्होंने खाद्य कारोबार संचालकों से खाद्य सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने तथा आमजन से किसी भी प्रकार की खाद्य पदार्थों में मिलावट की शिकायत मिलने पर विभाग को सूचना देने की अपील की। (सौजन्य : सूचना विभाग, गौतमबुद्धनगर)

गुरु अर्जुन देव जी के शहीदी दिवस पर नोएडा पंजाबी समाज द्वारा आयोजित छबील सेवा सफलतापूर्वक सम्पन्न

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। पंचम पातशाह श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज के पावन शहीदी दिवस के अवसर पर नोएडा पंजाबी समाज द्वारा बॉटनिकल गार्डन के निकट आयोजित छबील का कार्यक्रम श्रद्धा,उत्साह एवं सेवा भावना के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्था के अध्यक्ष राजीव अजमानी ने बताया कि सर्वप्रथम गुरु जी की अरदास से कार्यक्रम की शुरूआत हुई और सुबह 10 से 4 बजें तक कार्यक्रम चलता रहा जिसमें हजारों राहगीरों, यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को शीतल शरबत एवं प्रसाद (ब्रेड पकौड़ा एवं काले चने का प्रसाद) वितरित किया गया। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब की कृपा और सभी के सहयोग से यह सेवा कार्य सफल रहा हम भविष्य में भी इसी प्रकार समाज सेवा एवं जनकल्याण के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे।

संस्था के महासचिव रणधीर सिंह ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य गुरु साहिब के त्याग, तपस्या, सहिष्णुता एवं मानव सेवा के संदेश को जन-जन तक पहुँचाना था।

इस अवसर पर नोएडा पंजाबी समाज के संस्था के संयोजक विपिन मल्हन, कोषाध्यक्ष श्रीमती नीरू शर्मा, संयोजक सरदार भूपेंद्र सिंह, सरदार तेजपाल अरोड़ा, संस्था के संरक्षक सरदार हरजीत सिंह साहनी, संजीव भयाना, कमल इलेक्ट्रा, जी. एस. चड्ढा, राजन खुराना, एम.पी.सिंह, इंदर मोहन कुमार, राहुल नैयर, सरदार परमजीत सिंह बमराह, सरदार सरबजीत सिंह बमराह, गुरजीत सिंह, रजनीश चोपड़ा, संदीप मल्होत्रा, ए. के. सहगल, अशोक खन्ना, अशोक शर्मा, राकेश कोहली सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों, समाज सेवियों एवं जन प्रतिनिधियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई तथा नोएडा पंजाबी समाज द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की सराहना की।

अंत में संगत के कल्याण एवं विश्व शांति की अरदास के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सेक्टर-20 पुलिस ने तीन शातिर चोरों को दबोचा, चोरी की बाइक और अवैध चाकू बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना सेक्टर-20 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की एक मोटरसाइकिल तथा एक अवैध चाकू बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार सेक्टर-28 नोएडा क्षेत्र से गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान अरबाज पुत्र इमरान, मयंक पुत्र दिगंबर सिंह तथा मनीष पुत्र मदनलाल अनुरागी के रूप में हुई है। बरामद मोटरसाइकिल ग्राम अट्टा क्षेत्र से चोरी की गई थी, जिसका पंजीकरण नंबर DL2SR3455 है। गिरफ्तार अभियुक्त अरबाज ग्राम छलैरा, थाना सेक्टर-39 का निवासी है, जबकि मयंक बरौला, थाना सेक्टर-49 का रहने वाला है। तीसरा अभियुक्त मनीष सदरपुर, सेक्टर-45 का निवासी बताया गया है। पुलिस के अनुसार तीनों की उम्र 18 से 20 वर्ष के बीच है।

तलाशी के दौरान अभियुक्त मनीष के कब्जे से एक अवैध चाकू भी बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल और चाकू को कब्जे में लेते हुए आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।थाना सेक्टर-20 पुलिस ने बताया कि तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 317(5) बीएनएस तथा 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

पत्नी की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या करने वाला पति गिरफ्तार

समाज जागरण संवाददाता

दादरी/गौतमबुद्धनगर। थाना दादरी पुलिस ने अपनी पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दुपट्टा भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहित पुत्र अनूप, निवासी ग्राम चिटहैरा, थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर को नवीन मंडी के पास से गिरफ्तार किया गया। आरोपी पर अपनी पत्नी कविता की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या करने का आरोप है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह शराब पीने का आदी है, जिसके चलते उसका पत्नी के साथ अक्सर विवाद और झगड़ा होता रहता था। घटना वाले दिन भी दोनों के बीच कहासुनी हुई थी। आरोपी के अनुसार खाना न बनाने और न देने की बात को लेकर हुए विवाद के दौरान उसने गुस्से में आकर दुपट्टे से पत्नी का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त दुपट्टा बरामद कर लिया है। थाना दादरी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 103(1) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है तथा घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

थाना इकोटेक-3 पुलिस ने तीन चोरों को दबोचा, चोरी के बिजली के तार, नकदी और वाहन बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। थाना इकोटेक-3 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी की घटनाओं में शामिल तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से बड़ी मात्रा में चोरी किए गए बिजली के तार, कॉपर वायर, नकदी तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी और मोटरसाइकिल बरामद की है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान वसीम पुत्र इश्तियाक, शाहरुख पुत्र यामीन उर्फ बेनामी तथा रिहान पुत्र रईस के रूप में हुई है। तीनों को थाना क्षेत्र में एक निजी कंपनी के पास सर्विस रोड से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि उन्होंने 10 जून और 16 जून 2026 को अलग-अलग कंपनियों से बिजली के तार और अन्य सामान चोरी किया था। इन घटनाओं के संबंध में थाना इकोटेक-3 में पहले से मुकदमा दर्ज है। गिरफ्तार अभियुक्तों में वसीम (23 वर्ष) उत्तरांचल विहार, बेहटा हाजीपुर, थाना लोनी बॉर्डर, गाजियाबाद का निवासी है। शाहरुख (24 वर्ष) पुराना कठेरा मोड़, दादरी का रहने वाला है, जबकि रिहान (20 वर्ष) मेवाती मोहल्ला, दादरी का निवासी है।

पुलिस ने अभियुक्तों के कब्जे से 27 बंडल सामान्य बिजली के तार, चार बंडल मोटे बिजली के तार, छह प्लास्टिक कट्टों में कटे हुए बिजली के तार, खोखले तार, 4 किलो 100 ग्राम कॉपर तार और 9,500 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा चोरी की वारदात में इस्तेमाल की गई एक स्कूटी और बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही इनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

फेस-1 पुलिस ने ई-रिक्शा चोर को दबोचा, चोरी का वाहन बरामद

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। थाना फेस-1 पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस और गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चोरी के ई-रिक्शा के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया ई-रिक्शा बरामद कर लिया है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान रामअवतार पुत्र मोहर सिंह के रूप में हुई है। उसे सेक्टर-14 स्थित गंदे नाले की पटरी के पास से गिरफ्तार किया गया। जांच के दौरान उसके कब्जे से चोरी का ई-रिक्शा बरामद हुआ, जो थाना फेस-1 में दर्ज मुकदमा संख्या 293/2026 से संबंधित है।

पुलिस ने बताया कि आरोपी मूल रूप से ग्राम टंडोली जानखा, थाना पाली, जनपद अलीगढ़ का निवासी है। वर्तमान में वह न्यू अशोक नगर, दिल्ली में रह रहा था। उसकी उम्र लगभग 38 वर्ष बताई गई है।

थाना फेस-1 पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। बरामद ई-रिक्शे को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है और मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह पहले भी ऐसी घटनाओं में शामिल रहा है या नहीं।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की सीबीआई जांच की मांग, हिन्दू महासभा ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र

समाज जागरण संवाददाता

नोएडा। अखिल भारत हिन्दू महासभा ने अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में कथित वित्तीय अनियमितताओं और गबन के आरोपों की सीबीआई जांच कराने की मांग उठाई है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने इस संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

डॉ. शर्मा ने अपने पत्र में कहा है कि विभिन्न मीडिया रिपोर्टों में ट्रस्ट में चढ़ावे की राशि के कथित गबन और दुरुपयोग की खबरें सामने आई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मामले में ट्रस्ट के कुछ कर्मचारियों की भूमिका सामने आ रही है और कुछ ट्रस्टियों की संलिप्तता की भी जांच होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि यदि इस प्रकार की अनियमितताएं हुई हैं तो यह न केवल आर्थिक अपराध है, बल्कि करोड़ों रामभक्तों की आस्था से भी जुड़ा गंभीर विषय है। इस घटना से देशभर के हिंदुओं की भावनाएं आहत हुई हैं और धार्मिक विश्वास को ठेस पहुंची है।

अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री से मांग की कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित हो। डॉ. शर्मा ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन की भी मांग करते हुए कहा कि यदि जांच में किसी ट्रस्टी की भूमिका सामने आती है तो ऐसे लोगों को तत्काल हटाकर ट्रस्ट का पुनर्गठन किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि करोड़ों लोगों की श्रद्धा और विश्वास का केंद्र है, इसलिए उससे जुड़े किसी भी मामले में पारदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

हज यात्रा-2027 के इच्छुक आवेदक समय रहते पासपोर्ट की वैधता सुनिश्चित करे

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुम्बई द्वारा जारी सर्कुलर-1 दिनांक 02 जून 2026 के अनुसार हज यात्रा वर्ष 2027 की आधिकारिक घोषणा शीघ्र की जाएगी। हज यात्रा के इच्छुक आवेदकों को अभी से आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लेने की सलाह दी गई है।

उन्होंने बताया कि हज-2027 हेतु आवेदन करने के लिए मशीन पठित पासपोर्ट होना अनिवार्य है। हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नहीं होगा। साथ ही आवेदन के लिए पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2027 तक होना आवश्यक है। नए पासपोर्ट बनवाते समय यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पासपोर्ट में सरनेम/लास्ट नेम का कॉलम रिक्त न रहे।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद के सभी इच्छुक हज यात्रियों से अपील की है कि वे अपना मूल अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट तैयार रखें। जिन आवेदकों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट उपलब्ध है, वे हज-2027 के आवेदन हेतु तैयार रहें। जिनका पासपोर्ट उक्त तिथि तक वैध नहीं है अथवा जिनके पास पासपोर्ट नहीं है, वे तत्काल पासपोर्ट कार्यालय में आवेदन कर नया पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया प्रारंभ करें।

उन्होंने कहा कि हज-2027 की घोषणा के बाद ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होते ही केवल पात्र एवं आवश्यक दस्तावेजों से युक्त आवेदक ही समय पर आवेदन कर सकेंगे। इसलिए सभी इच्छुक हज यात्री समय रहते अपनी पासपोर्ट संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण कर लें, ताकि आवेदन के समय किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

घायल गोवंश को पहुचाया सबलगढ़ गौशाला

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर नजीबाबाद पिछले दो हफ्तों से नजीबाबाद की गौशाला में एक गोवंश जिसकी कुल्हे की हड्डी टूटी हुई थी। और वह अपनी पैरो पर खड़ा नहीं हो पा रहा था। सही इलाज न मिलने के कारण गौशाला में पडा तड़प रहा था। जिसकी सूचना गौ सेवकों द्वारा जो गौशाला में सेवा करने के लिए आते हैं उनके द्वारा ओम श्री महाकाल सेवा ट्रस्ट के संस्थापक अनुज कुमार शर्मा को दी गई मामले को गंभीरता से लेते हुए तुरंत गौशाला पहुंचकर गोवंश का हाल-चाल जाना और तुरंत पशुओं के डॉक्टर समंत मनोहर जी से संपर्क किया गया और गोवंश की स्थिति बताई गई जिस पर उनका कहना था कि इस गोवा वंश की कूल्हे की हड्डी टूटी हुई है और इसकी स्थिति बहुत खराब है इसको जो उपचार हमारे द्वारा दिया जा सकता था दे दिया गया है लेकिन कहने पर उन्होंने अपनी डॉक्टरो की टीम गौशाला भेजी। जिन्होंने वहां पहुंचकर गोवंश के इंजेक्शन लगाए लेकिन उसका टेंपरेचर चेक नहीं किया फिर प्राइवेट डॉक्टर को बुलाकर गोवंश का टेंपरेचर चेक कराया गया तो गोवंश को 104 बुखार निकला। जिसका निजी डॉक्टर द्वारा उपचार किया गया लेकिन गो वंश की स्थिति बहुत खराब थी इसलिए अनुज कुमार शर्मा ने सबलगढ़ की गौशाला में बात की और पूरी स्थिति के बारे में बताया उन्होंने गोवंश को वहां लाने के लिए अपनी सहमति दी लेकिन सबसे बड़ा टास्क गोवंश को सबलगढ़ की गोशाला में पहुंचने का था जिसके लिए कोई भी तैयार नहीं था

गोवंश को सबलगढ़ गौशाला में पहुंचाने में नीतिका अग्रवाल का रहा महत्वपूर्ण योगदान।

उसके बाद गुरुवार को गौ सेवा दल की सदस्य नीतिका अग्रवाल से संपर्क किया गया और उन्हें पूरी स्थिति से अवगत कराया उन्होंने देर न करते हुए नगर पालिका नजीबाबाद में बात करते हुए गोवंश को सबल गढ़ की गौशाला में नगर पालिका के वाहन से पहुंचाने की बात की। जिस पर नगरपालिका नजीबाबाद ने सहमति देते हुए तुरंत गाड़ी और कर्मचारियों की व्यवस्था कराई इसके बाद गो वंश को सबलगढ़ के कर्मचारियों से बात कर सबलगढ़ की गौशाला में पहुंचाया गया जिससे कि वहां उस गोवंश को सही इलाज मिल सके और एक नया जीवन मिल सके।

अवैध खनन की सूचना पर की बड़ी कार्रवाई, पांच वाहन सीज, चार गिरफ्तार

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर धामपुर। थाना धामपुर पुलिस ने अवैध खनन की सूचना पर कार्रवाई करते हुए पांच वाहनों को सीज कर चार लोगों को गिरफ्तार किया है।पुलिस द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार 17 जून को ग्राम हकीमपुर चांदन क्षेत्र में कुछ व्यक्तियों के ट्रैक्टर एवं लोडर से खनन कार्य किए जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर कार्रवाई करते हुए दो महिंद्रा ट्रैक्टर, दो सोनालिका ट्रैक्टर तथा एक जॉन डियर लोडर को नियमानुसार सीज कर थाना धामपुर लाया। प्रेस नोट के अनुसार इस मामले में मनीष पुत्र बलजीत, आलोक पुत्र बलजीत निवासीगण ग्राम जमालपुर बांगर थाना नगीना तथा अंकुश पुत्र लाखन एवं हिमांशु पुत्र राजपाल निवासी कस्बा कोठरा थाना नगीना को बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने सभी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया। पुलिस के अनुसार मामले में अग्रिम आवश्यक विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

योगी सरकार में ओबीसी परिवारों के लिए संबल बनी सामूहिक विवाह योजना

समाज जागरण

लखनऊ, 18 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ किसी भेदभाव के बिना समाज के सभी वर्गों तक पहुंच रहा है। योगी सरकार की प्राथमिकता है कि पात्रता के आधार पर प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचे। इसी सोच का परिणाम है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग और अल्पसंख्यक समुदाय के गरीब परिवारों के लिए सहारा बनी है। अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के परिवारों की बात करें तो योगी सरकार के नौ वर्षों में 1,80,017 जोड़ों का विवाह इस योजना के माध्यम से संपन्न कराया गया है। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 26,286 ओबीसी जोड़े योजना से लाभान्वित हुए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार की योजनाएं समाज के हर वर्ग तक समान रूप से पहुंच रही हैं और पात्र लोगों को उनका अधिकार मिल रहा है।

पात्रता के आधार पर मिल रहा योजनाओं का लाभ

योगी सरकार ने योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही को प्राथमिकता दी है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना इसका प्रमुख उदाहरण है, जहां किसी वर्ग विशेष के बजाय सभी पात्र परिवारों को लाभ दिया जा रहा है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के सम्मानजनक विवाह के उद्देश्य से शुरू की गई यह योजना लाखों परिवारों के जीवन में खुशियां लेकर आई है।

समाज कल्याण विभाग निभा रहा सक्रिय भूमिका

समाज कल्याण विभाग योजना के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विभाग की ओर से लाभार्थियों का सत्यापन कर सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किए जाते हैं। विवाह की संपूर्ण व्यवस्था प्रशासनिक स्तर पर सुनिश्चित की जाती है। समारोह में खान-पान, पंडाल, सजावट सहित अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं, ताकि लाभार्थी परिवारों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

आर्थिक सहायता से मिल रहा सामाजिक संबल

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत प्रत्येक जोड़े को एक लाख रुपये की सहायता प्रदान की जा रही है। इसमें 60 हजार रुपये वधू के बैंक खाते में सीधे हस्तांतरित किए जाते हैं, 25 हजार रुपये के उपहार एवं गृहस्थी के सामान दिए जाते हैं, जबकि 15 हजार रुपये विवाह आयोजन पर खर्च किए जाते हैं। इससे गरीब परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होता है और बेटियों का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न हो पाता है।

योग सप्ताह के चतुर्थ दिवस जिला कारागार बिजनौर में आयोजित हुआ योगाभ्यास कार्यक्रम

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर 12वेंश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जनपद बिजनौर में आयोजित योग सप्ताह के चतुर्थ दिवस के अवसर पर आज प्रातः 6:00 बजे जिला कारागार बिजनौर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षक डॉ. नरेंद्र एवं श्री गजेंद्र कुमार द्वारा भारत सरकार के निर्धारित योग प्रोटोकॉल के अनुसार उपस्थित प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया गया तथा नियमित योग के महत्व एवं स्वास्थ्य लाभों के संबंध में जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. रश्मी भास्कर एवं डॉ. अनुभव द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास में सहभागिता करते हुए स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. राकेश कुमार, जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. आरती गुप्ता, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री सुरेश कुमार, विश्व आयुर्वेद परिषद के जिला संयोजक डॉ. शेखर सोलंकी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त योगेंद्र पाल सिंह योगी, सुनील राजपूत तथा अन्य योग साधकों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

योग सप्ताह के सफल आयोजन में क्रीड़ा भारती, गोविंदा मॉर्निंग क्लब, गायत्री परिवार, आईएनओ एवं अन्य योग संस्थाओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. रश्मी भास्कर एवं डॉ. अनुभव ने सभी प्रतिभागियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त करते हुए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने का आह्वान किया।

घर में घुसकर हमला और लाखों की डकैती करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

धारदार हथियारों से लैस होकर परिवार पर किया था जानलेवा हमला, पांच लाख नकदी, 14 तोले सोना और सीसीटीवी डीवीआर लूटकर हुए थे फरार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर थाना चांदपुर पुलिस ने घर में घुसकर जानलेवा हमला करने और लाखों रुपये की नकदी व आभूषण लूटने के मामले में तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जा रहा है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस के अनुसार 14 जून को उमरी पीर निवासी डॉ. हारुन पुत्र मोहम्मद इब्राहिम ने थाने में तहरीर देकर कई नामजद और 10-15 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि आरोपी धारदार हथियारों से लैस होकर उनके घर में घुस आए और परिवार के सदस्यों पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले में डॉ. हारुन, उनके पिता मोहम्मद इब्राहिम, माता मुसर्रत, बहन सोनम तथा भाई अजीम और जहांगीर घायल हो गए थे।

पीड़ित पक्ष का आरोप था कि हमलावर घर में रखी करीब पांच लाख रुपये की नकदी, लगभग 14 तोले सोने के आभूषण लूट ले गए। इतना ही नहीं, सबूत मिटाने के उद्देश्य से घर में लगे सीसीटीवी कैमरों को क्षतिग्रस्त कर उनका डीवीआर भी साथ ले गए।

घटना के बाद थाना चांदपुर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी हुई थी। बुधवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने डम्बलपुरी फाटक से करीब 200 मीटर आगे चांदपुर की ओर घेराबंदी कर तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हामिद हसन निवासी ग्राम मसीत थाना हीमपुर दीपा, जुनैद निवासी फजलपुर ढाकी थाना हल्दौर तथा मोहम्मद अंसार निवासी नसीरपुरशेख थाना हीमपुर दीपा के रूप में हुई है।

पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि वारदात में शामिल अन्य फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें लगातार प्रयास कर रही हैं और जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक शादाब, कांस्टेबल चरन यादव, कांस्टेबल शावेज तथा कांस्टेबल शिवम मलिक शामिल रहे।

कानपुर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्राकृतिक खेती को बताया स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान

समाज जागरण सुनील बाजपेई

कानपुर। आज यहां गुरुवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करने के बाद कहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और पेस्टीसाइड के बढ़ते प्रयोग ने धरती की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचाया है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाला है।

इसअवसर पर किसानों को सम्मानित करने के साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि, 12 सालों में हमने बदलते भारत को देखा जो बिना रुके थके, चल रहा है। अपने विरासत व विकास को आगे बढ़ा रहा है भारत।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता और विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उन्होंनेकहा कि प्राकृतिक खेती केवल कृषि पद्धति नहीं, बल्कि स्वस्थ समाज और समृद्ध राष्ट्र का अभियान है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों और पेस्टीसाइड के बढ़ते प्रयोग ने धरती की उर्वरा शक्ति को नुकसान पहुंचाया है और लोगों के स्वास्थ्य पर भी असर डाला है।

सीएसए परिसर में आयोजित प्राकृतिक खेती कार्यशाला को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय लोग हैंडपंप और तालाब का पानी पी लेते थे, लेकिन आज किडनी, लीवर और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके पीछे खानपान और रसायनयुक्त कृषि का प्रभाव भी एक कारण है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था अन्न के नाम पर जहर परोसने का काम नहीं कर सकती, इसलिए प्राकृतिक खेती की ओर लौटना समय की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने गोसंरक्षण को प्राकृतिक खेती से जोड़ते हुए कहा कि हम सभी गोमाता की पूजा करते हैं। गोआधारित खेती से गोवंश की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

उन्होंने कहा कि शार्टकट के रास्ते अपनाने के कारण आज कई समस्याएं सामने आई हैं। यदि किसान गाय को परिवार का हिस्सा बनाएंगे तो खेती भी मजबूत होगी और गोवंश भी सुरक्षित रहेगा। वहीं मुख्यमंत्री के आगमन के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम भी रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान भी मौजूद रहे।

अयोध्या में धर्म, संस्कृति और विकास का संगम, सीएम योगी करेंगे कई परियोजनाओं का लोकार्पण

समाज जागरण

लखनऊ, 18 जून। रामनगरी अयोध्या शुक्रवार को एक साथ धार्मिक, सांस्कृतिक और विकासात्मक गतिविधियों की साक्षी बनेगी। 19 जून को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए अयोध्या पहुंचेंगे। उनके कार्यक्रमों में श्री ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव, महंत नृत्य गोपालदास जी का जन्मोत्सव समारोह, रामायण वैक्स म्यूजियम का लोकार्पण तथा नगर निगम अयोध्या की विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास शामिल है।

जैन समाज के लिए विशेष महत्व का दिन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर करीब 3:30 बजे श्री ऋषभ देव दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में शामिल होंगे। जैन धर्म में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का विशेष महत्व है। यह आयोजन तीर्थंकरों के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख कल्याणकों, गर्भ, जन्म, तप, केवलज्ञान और मोक्ष की स्मृति में मनाया जाता है। इस अवसर पर देश के विभिन्न हिस्सों से आए जैन श्रद्धालु, संत और धमाचार्य मौजूद रहेंगे। अयोध्या का जैन धर्म से भी गहरा संबंध माना जाता है। सीएम योगी योगी की उपस्थिति इस कार्यक्रम को और अधिक महत्वपूर्ण बनाएगी।

महंत नृत्य गोपालदास के जन्मोत्सव में सीएम योगी समेत अनेक गणमान्य होगें शामिल

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शाम करीब 4:20 बजे महंत नृत्य गोपालदास जी के जन्मोत्सव समारोह में शामिल होंगे। महंत नृत्य गोपालदास रामजन्मभूमि आंदोलन और सनातन परंपरा के प्रमुख संतों में माने जाते हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। इस जन्मोत्सव कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, संत-महंत समेत तमाम गणमान्य शामिल होंगे।

हज यात्रा-2027 के इच्छुक आवेदक समय रहते पासपोर्ट की वैधता सुनिश्चित करे

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुम्बई द्वारा जारी सर्कुलर-1 दिनांक 02 जून 2026 के अनुसार हज यात्रा वर्ष 2027 की आधिकारिक घोषणा शीघ्र की जाएगी। हज यात्रा के इच्छुक आवेदकों को अभी से आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर लेने की सलाह दी गई है

उन्होंने बताया कि हज-2027 हेतु आवेदन करने के लिए मशीन पठित (Machine Readable) पासपोर्ट होना अनिवार्य है। हस्तलिखित पासपोर्ट मान्य नहीं होगा। साथ ही आवेदन के लिए पासपोर्ट की वैधता 31 दिसंबर 2027 तक होना आवश्यक है। नए पासपोर्ट बनवाते समय यह भी सुनिश्चित किया जाए कि पासपोर्ट में सरनेम/लास्ट नेम का कॉलम रिक्त न रहे।

जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने जनपद के सभी इच्छुक हज यात्रियों से अपील की है कि वे अपना मूल अंतर्राष्ट्रीय पासपोर्ट तैयार रखें। जिन आवेदकों के पास 31 दिसंबर 2027 तक वैध पासपोर्ट उपलब्ध है, वे हज-2027 के आवेदन हेतु तैयार रहें। जिनका पासपोर्ट उक्त तिथि तक वैध नहीं है अथवा जिनके पास पासपोर्ट नहीं है, वे तत्काल पासपोर्ट कार्यालय में आवेदन कर नया पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया प्रारंभ करें।

उन्होंने कहा कि हज-2027 की घोषणा के बाद ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ होते ही केवल पात्र एवं आवश्यक दस्तावेजों से युक्त आवेदक ही समय पर आवेदन कर सकेंगे। इसलिए सभी इच्छुक हज यात्री समय रहते अपनी पासपोर्ट संबंधी औपचारिकताएं पूर्ण कर लें, ताकि आवेदन के समय किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

उप निबन्धक कार्यालय नजीबाबाद में निजीकरण के विरोध में दूसरे दिन भी जारी रहा कार्य बहिष्कार

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नजीबाबाद। उप निबंधक कार्यालय में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा फ्रंट ऑफिस खोलने तथा रजिस्ट्री के निजीकरण किये जाने के विरोध में उप निबन्धक कार्यालय नजीबाबाद में दस्तावेज लेखकगण अधिवक्ता गण तथा स्टाम्प विक्रेतागणों ने सरकार के फैसले का विरोध मैं कार्य बहिष्कार और अनिश्चितकालीन धरना दूसरे दिन भी जारी रहा । बृहस्पतिवार को रजिस्ट्री ऑफिस नजीबाबाद के सभी दस्तावेज लेखकगण अधिवक्ताओं तथा स्टांप विक्रेताओं ने पूर्ण रूप से कार्य का बहिष्कार किया तथा अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ रहे जिसके चलते निबंधन विभाग के उप निबन्धक कार्यालय नजीबाबाद में एक भी रजिस्ट्री नहीं हुई जिससे सरकार को लाखों रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष मोहम्मद असलम ने बताया की जब तक सरकार द्वारा फैसले को वापस लेने तक कार्य बहिष्कार और धरना चलता रहेगा सचिव सौरभ कश्यप ने कहा की सरकार तक हम अपनी मांगे पहुंचा कर रहेंगे तथा जब तक सरकार हमारी मांगे नहीं मानती अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। इस हड़ताल में मोहम्मद असलम सौरभ कुमार शशिकांत अब्दुल रब अनवर शरीक मुकुल शर्मा शहजाद आलम एडवोकेट जीशान अख्तर गोविंद सिंह रूचिन तोमर एडवोकेट मेघनाथ अमित सिंघल एडवोकेट ओजेश राजपूत रणधीर सिंह भानु प्रकाश गौरव कुमार कश्यप एडवोकेट बहार आलम एडवोकेट पंकज अग्रवाल एडवोकेट फुरकान अहमद तेजपाल सिंह मोहम्मद कासिफ सुनील भटनागर सरताज अहमद अनवर शादाब राजीव शर्मा फहीम उल हसन सोम कुमार हरिओम सिंघल तरुणवीर हेमराज राहुल कश्यप मोहम्मद अहसान स्टांप विक्रेता मोहम्मद असगर रविराज मोहम्मद आसिफ रवि राज कश्यप आदि सम्मिलित रहे।

सब रजिस्ट्रार ऑफिस व अधिवक्ताओं के बस्ते पड़े सुने

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर नगीना। सरकार की प्रस्तावित ई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में तहसील के रेवेन्यू बार ऐसोसिएशन के अधिवक्ताओं व दस्तावेज लेखकों की अनिश्चित कालीन हड़ताल गुरुवार को चौथे दिन जारी रही। हड़ताल के चलते सब रजिस्ट्रार ऑफिस वह अधिवक्ताओं के बस्ते बेरोनक रहे।

ई रजिस्ट्री व्यवस्था पर रोक लगाकर वर्तमान पंजीकरण व्यवस्था को यथावत बनाए रखने की मांग को लेकर रेवेन्यू बार ऐसोसिएशन अधिवक्ता चौथे दिन गुरुवार को भी कलम बंद हड़ताल पर रहे, रैवेन्यू बार ऐसोसिएशन के अध्यक्ष सरदार हरदयाल सोढ़ी के नेतृत्व में हड़ताली अधिवक्ताओं, लेखकों व स्टांप बैंडरो ने ई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में तहसील परिसर के गेट पर विरोध प्रदर्शन किया वे सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुये ई रजिस्ट्री व्यवस्था का विरोध कर इसे वापस लेने की मांग क। रेवेन्यू बार अध्यक्ष सरदार हरदयाल सोढी ने कहा कि इस आंदोलन में रेवेन्यू बार के सभी अधिवक्ता एकजुट हैं, और रेवेन्यू बार मुस्तदी के साथ आंदोलन कर रही है जो आर पार की जंग है। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू बार के इस आंदोलन का असर फोटो स्टेट दुकानों, पान, बीड़ी, सिकरेट, छोटे बड़े रोटी के ढाबो, और टाइपीसटो, चाय, की दकानों पर असर पढ़ रहा है जो बंद होने की कगार पर हैं।

विरोध प्रदर्शन में रैवेन्यू बार के महावीर सिंह सैनी एडवोकेट शहजाद अहमद एडवोकेट जगदीश कुमार एड, सुनील बिश्नोई एड, सलीमुद्दीन एड, अनिल बिश्नोई एड मुकेश सैनी एड, मुकेश चौहान एड, अधिवक्ता ,दस्तावेज लेखक , स्टांप विक्रेता व लिपिक शामिल रहे, उल्लेखनीय है कि सरकार की ई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में तहसील के रेवेन्यू बार के अधिवक्ता ,दस्तावेज लेखक व स्टांप बिक्रेता 16 जून से अनिश्चित कालीन हड़ताल पर हैं अधिवक्ताओं की हड़ताल से निबंधन कार्यालय में रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित हो रहा है उप निबंधक कार्यालय के सब रजिस्ट्रार दिनेश कुमार ने बताया कि हड़ताल से रजिस्ट्री का कार्य प्रभावित हुआ है।

जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों को प्राथमिकता देते हुए शीघ्र तैयार की जाए कार्ययोजना: मुख्यमंत्री

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कानपुर मंडल में की लोकनिर्माण विभाग की समीक्षा

- कानपुर मंडल के छह जनपदों से 11,724 करोड़ रुपये की 1,374 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत

- जनहित से जुड़ीं परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर प्रदान की जाए स्वीकृतिः सीएम योगी

समाज जागरण

कानपुर, 18 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एचबीटीयू परिसर में संयुक्त आयुक्त कार्यालय के उद्योग सभागार में लोक निर्माण विभाग की बैठक ली। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना की समीक्षा की तथा कानपुर मंडल के जनप्रतिनिधियों से विकास संबंधी प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। बैठक में कानपुर नगर, कानपुर देहात, कन्नौज, इटावा, औरैया तथा फरुर्खाबाद जनपदों के जनप्रतिनिधियों ने अपने-अपने क्षेत्रों की विकास आवश्यकताओं से संबंधित प्रस्ताव प्रस्तुत किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनप्रतिनिधियों को अपने क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक एवं विकासगत आवश्यकताओं की गहन जानकारी होती है। ऐसे में उनके सुझावों एवं प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर संकलित कर शासन को शीघ्र कार्ययोजना प्रेषित की जाए, जिससे आवश्यक स्वीकृतियां प्रदान कर समयबद्ध रूप से कार्य प्रारंभ कराया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग की सड़कों को क्षति पहुंचाने वाले व्यक्तियों अथवा संस्थाओं से नियमानुसार क्षतिपूर्ति की वसूली सुनिश्चित की जाए। सड़कों की गुणवत्ता एवं उपयोगिता बनाए रखने के लिए प्रभावी कार्रवाई की जाए। उन्होंने जनहित से जुड़ीं परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकृति प्रदान करने तथा समयबद्ध ढंग से क्रियान्वित करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना, राज्य राजमार्गों, दीर्घ एवं लघु सेतु, आरओबी/आरयूबी, धार्मिक स्थलों को जोड़ने वाले संपर्क मार्गों, फ्लाईओवर तथा सड़क सुरक्षा से संबंधित प्रस्तावों पर जनप्रतिनिधियों द्वारा निर्धारित वरीयता क्रम के अनुसार त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर समयबद्ध, समन्वित एवं पारदर्शी कार्रवाई की जाए। विकास परियोजनाओं के भूमि पूजन एवं शिलान्यास कार्यक्रमों में संबंधित जनप्रतिनिधियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की देरी अथवा शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी तथा प्रत्येक परियोजना को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण किया जाए।

बैठक में मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि कानपुर नगर से 5,523 करोड़ रुपये लागत की 344 परियोजनाओं, कन्नौज से 2,058 करोड़ रुपये की 217 परियोजनाओं, फरुर्खाबाद से 2,016 करोड़ रुपये की 339 परियोजनाओं, कानपुर देहात से 1,581 करोड़ रुपये की 387 परियोजनाओं, औरैया से 439 करोड़ रुपये की 33 परियोजनाओं तथा इटावा से 104 करोड़ रुपये की 54 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस प्रकार कानपुर मंडल के छह जनपदों से लगभग 11,724 करोड़ रुपये लागत की 1,374 परियोजनाओं के प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने गत वित्तीय वर्ष में स्वीकृत परियोजनाओं की भी समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी को अवगत कराया गया कि गत वर्ष कानपुर मंडल में 5,497 करोड़ रुपये की लागत की 2,301 परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई थी, जिनमें से 1,242 परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं तथा शेष परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि जिन परियोजनाओं में निविदा प्रक्रिया पूर्ण होने के बावजूद कार्य प्रारंभ नहीं किया गया है, उन मामलों में संबंधित फर्मों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई की जाए। उन्हें ब्लैकलिस्ट करने और एफआईआर दर्ज कराने की प्रक्रिया भी अपनाई जाए।

बैठक में योगी सरकार के मंत्री योगेंद्र उपाध्याय,राकेश सचान, असीम अरुण, अजीत पाल, प्रतिभा शुक्ला, कैलाश सिंह राजपूत, सांसद रमेश अवस्थी, विधायक नीलिमा कटियार, सुरेंद्र मैथानी, अभिजीत सिंह सांगा, महेश त्रिवेदी, राहुल बच्चा सोनकर, सुरभि, सरोज कुरील, अर्चना पांडेय आदि उपस्थित रहे।

धर्म संघ खेकड़ा ने प्रभारी मंत्री जसवंत सैनी को भेंट किए पक्षियों के अन्न -जल पात्र

२५ मई से चल रहा निःशुल्क वितरण अभियान, मंत्री ने सेवा कार्य को बताया पुण्यकारी

समाज जागरण खेकड़ा। अखिल भारतवर्षीय धर्म संघ खेकड़ा के तत्वावधान में बेसहारा पक्षियों की सेवा के लिए चल रहे अभियान को जनपद प्रभारी मंत्री का भी समर्थन मिला। जनपद बागपत आगमन पर धर्म संघ खेकड़ा के महामंत्री चौधरी उमेश शर्मा ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी को पक्षियों की सेवा हेतु अन्न-जल पात्र और तिथि पत्रिका भेंट की। धर्म संघ खेकड़ा 25 मई से पूरे जनपद में निःशुल्क अन्न-जल पात्र वितरण कार्यक्रम चला रहा है। गर्मी में पानी और दाने की किल्लत से जूझ रहे पक्षियों को राहत देने के लिए यह मुहिम शुरू की गई है। इसी क्रम में महामंत्री चौ. उमेश शर्मा ने प्रभारी मंत्री को अन्न-जल पात्र सौंपकर उनसे भी इस सेवा कार्य में सहभागिता की अपील की। अन्न-जल पात्र ग्रहण करने के बाद प्रभारी मंत्री जसवंत सिंह सैनी ने कहा कि धर्म संघ खेकड़ा पवित्र और पुण्यकारी कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशु-पक्षियों की सेवा करना

हमारी संस्कृति का हिस्सा है। इस तरह के सेवा कार्यों से समाज में करुणा और संवेदना बढ़ती है। मंत्री ने समाज के अन्य लोगों से भी प्रेरणा लेकर पक्षियों और पशुओं की सेवा करने की अपील की। उन्होंने धर्म संघ के सभी सदस्यों और सहयोगियों को इस नेक कार्य के लिए बधाई दी और उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष नीरज शर्मा और समाजसेवी अनुज कौशिक भी उपस्थित रहे। सभी ने गर्मी में पक्षियों की रक्षा के लिए घर-घर अन्न-जल पात्र रखने का संकल्प लिया।

जनपद में पहली टायर पेंचर मोबाइल वैन वर्कशॉप का हुआ शुभारम्भ

समाज जागरण बागपत। छपरौली नगर स्थित विश्वकर्मा टायर पेंचर वर्कशॉप द्वारा जनपद बागपत में पहली मोबाइल टायर पेंचर वर्कशॉप प्रारम्भ की गयी। जिसका उद्घाटन समाजसेवी आर आर डी उपाध्याय, रितेश खोखर व रविकुमार एडवोकेट ने संयुक्त रूप से किया। यह मोबाइल वैन टायर पेंचर वर्कशॉप मोटरसाइकिल, कार, ट्रैक्टर, बस, डीसीएम, ट्रक आदि वाहनों को कॉल करने पर आपातकालीन स्थिति में सेवायें प्रदान करेगी। विश्वकर्मा टायर पेंचर वर्कशॉप के संस्थापक बबलू शर्मा ने बताया कि अभी छपरौली से 20 किलोमीटर के दायरे में इस सुविधा का लाभ लिया जा सकता है। मोबाइल वैन के उद्घाटन पर बोलते हुए समाजसेवी आर आर डी उपाध्याय ने कहा बागपत जनपद में यह अनोखा प्रयोग वाहनों का उपयोग

करने वाले व्यक्तियों की परेशानी को कम करेगा तथा आपातकालीन स्थिति में यह सुविधा किसी वरदान से कम नही होगी। विश्वकर्मा टायर पेंचर वर्कशॉप की यह दूरदर्शिता अन्य लोगो को प्रेरित करेगी। रितेश कुमार खोखर ने कहा कि क्षेत्र के व्यक्ति इस सुविधा का भरपूर लाभ लेगे। रवि कुमार एडवोकेट ने कहा वाहनों की बढ़ती हुई संख्या आधुनिक युग में इस प्रकार के प्रयोग विकसित भारतवर्ष की ओर अग्रसर करते है। इस अवसर पर रितेश खोखर, रविकुमार एडवोकेट, चन्द्र पाल पांचाल, बब्लू शर्मा, कवरपाल, दिनेश बंसल, सोनू,

सत्यवान, बीरेन्द्र, संजीव, अमित, हाशिम, शाहिद टायर्स, नदीम आदि उपस्थित रहे।

खेकड़ा के दो युवा इंफ्लुएंसर्स नितिन धामा और हर्ष शर्मा का फ्लिपकार्ट ग्लैम अप 2026 में चयन

दिल्ली में होगा प्रतिष्ठित कार्यक्रम, देशभर के चुनिंदा कंटेंट क्रिएटर्स होंगे शामिल ; खेकड़ा क्षेत्र में खुशी की लहर

समाज जागरण खेकड़ा।

नगर के दो युवा सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर नितिन धामा और हर्ष शर्मा एडवोकेट का चयन फ्लिपकार्ट द्वारा आयोजित ग्लैम अप 2026 कार्य क्रम के लिए हुआ है। दिल्ली में होने वाले इस कार्यक्रम में दोनों अपनी प्रतिभा दिखाएंगे। पट्टी गिरधरपुर निवासी वीरेंद्र सिंह धामा के पुत्र नितिन धामा सोशल मीडिया पर अपने रचनात्मक कंटेंट से पहचान बना चुके हैं।
उनका इंस्टाग्राम अकाउंट @nitindh ama111 तथा यूट्यूब चैनल @ nitindhamavlogs है। वहीं शाह गार्डन कॉलोनी निवासी मुकेश शर्मा के पुत्र हर्ष शर्मा एडवोकेट सोशल मीडिया के साथ सामाजिक क्षेत्र में भी सक्रिय हैं। वे पर्यावरण प्रेमी,

समाजसेवी और खेकड़ा नगर पालिका के नामित सभासद हैं। उनका इंस्टाग्राम @ advh arshcid तथा फेसबुक
पेज @harshsharmacid है। फ्लिपकार्ट ग्लैम अप 2026 में देशभर से प्रतिभाशाली इंफ्लुएंसर्स और कंटेंट क्रिएटर्स को आमंत्रित किया गया है। खेकड़ा के दोनों युवाओं के चयन से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने दोनों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नितिन धामा ने सफलता का श्रेय परिवार, मित्रों और दर्शकों को दिया। हर्ष शर्मा ने कहा कि यह अवसर नई संभावनाओं के द्वार खोलेगा। दोनों ने भविष्य में बेहतर और सकारात्मक कंटेंट से क्षेत्र का नाम रोशन करने की बात कही।

नौकरी के नाम पर 2.80 लाख की ठगी, आरोपी दे रहे मुकदमा वापस लेने की धमकी

कोर्ट के आदेश पर दर्ज हुआ था मुकदमा, पीड़ित ने एसपी से सुरक्षा और गिरफ्तारी की गुहार लगाई

समाज जागरण बागपत। सिसाना गांव के एक युवक से जल निगम में नौकरी लगवाने के नाम पर 2.80 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। ठगी के आरोपियों के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर मुकदमा तो दर्ज हो गया, लेकिन अब आरोपी पीड़ित पर फैसला करने और मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं। पीड़ित ने एसपी कार्यालय पहुंचकर आरोपियों की गिरफ्तारी और जान-माल की सुरक्षा की मांग की है।
सिसाना गांव निवासी नितिन चौहान पुत्र स्वर्गीय बीर सिंह ने बताया कि चार लोगों ने जल निगम में नौकरी लगवाने का झांसा देकर उससे 2.80 लाख रुपये ठग लिए थे। पैसे लेने के बाद न नौकरी मिली और न ही रुपये वापस किए गए। नितिन ने पहले कोतवाली में शिकायत दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। थक-हारकर नितिन ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट के आदेश पर 14 जून को चारों आरोपियों के खिलाफ बागपत कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया। मुकदमा दर्ज हुए चार दिन बीत गए, लेकिन पुलिस ने अभी तक किसी आरोपी को गिरफ्तार नहीं किया है। पीड़ित नितिन का आरोप है कि मुख्य आरोपी सतेंद्र अपने साथ अज्ञात लोगों को लेकर उसके घर पहुंच रहा है। वह मुकदमा वापस लेने और पंचायत में फैसला करने की धमकी दे रहा है। लगातार धमकियों से नितिन और उसका परिवार भयभीत है। बृहस्पतिवार को नितिन ने एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत दी।

उसने एसपी से आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही अपने और परिवार की सुरक्षा की गुहार भी लगाई।

बड़ौत में सर्व समाज सम्मेलन, अशिक्षा-दहेज जैसी बुराइयों को जड़ से मिटाने का संकल्प

चौधरी शमीम कस्सार को धोबी समाज का अध्यक्ष बनने पर सम्मानित, पगड़ी बांधकर किया स्वागत

समाज जागरण बड़ौत। चौ. सलीम फार्म हाउस में सर्व समाज के चौधरियों का सम्मान सम्मेलन आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुस्लिम धोबी संगठन ऑल इंडिया जमीअतुल कस्सार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. खुर्शीद आलम कस्सार की मौजूदगी में अशिक्षा, दहेज प्रथा और बेरोजगारी जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने पर जोर दिया गया। डॉ. खुर्शीद आलम कस्सार ने कहा कि समाज में फैली बुराइयों जैसे अशिक्षा, दहेज प्रथा, बेरोजगारी को खत्म करना जरूरी है। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को शिक्षित बनाने पर ध्यान दें। लड़कियों को डॉक्टर-इंजीनियर बनाकर समाज की सेवा के लिए आगे लाएं। बिना दहेज की शादी करें और सरकारी योजनाओं का लाभ लेकर रोजगार के नए अवसर पैदा करें, ताकि बेरोजगारी दूर हो सके। इस अवसर पर शमीम कस्सार चौधरी को धोबी कस्सार समाज का अध्यक्ष बनने पर पगड़ी बांधकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्राह्मण समाज के चौधरी सुभाष शर्मा ने की, जबकि संचालन मा. ओंकार शर्मा ने किया। लोहार-

बढ़ई मुल्तानी बिरादरी के सहायक चौधरी हारून अली मनव्वर ने चौधरी शमीम कस्सार को नोटों की माला व पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। साथ ही नवाब अहमद हमीद, सुभाष चौधरी, हलीम चौधरी, इरफान मलिक, लियाकत चौधरी सहित 36 बिरादरी के चौधरियों को सम्मानित कर समाज में फैली बुराइयों को दूर करने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस प्रदेश महासचिव नवाब अहमद हमीद, सपा प्रदेश सचिव राजपाल शर्मा, सपा नेता चौधरी मेहरदीन कस्सार, अमजद कस्सार डाहर, जिलाध्यक्ष कासिम शरीफ कस्सार, मास्टर शमशाद, अकरम मजीद, अय्यूब कस्सार, अकिल कस्सार, सुनील कस्सार, कारी शमीम, कालू जबरदीन, शौकीन कस्सार, इमरान मजीद, हाजी इरफान कस्सार, नाज़िम कस्सार सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

नगर पालिका की टीम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान, दुकानदारों ने किया विरोध

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग) कस्बे के बाईपास मार्ग पर दुकानों के बाहर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन ने गुरुवार को कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटवाया। कार्रवाई के दौरान कुछ दुकानदारों ने विरोध जताया, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में अभियान को पूरा कराया गया।कस्बे के लोगों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी कि बाईपास मार्ग पर दुकानदारों द्वारा नालों पर अतिक्रमण कर लिया गया है। इसके चलते नालों की सफाई नहीं हो पा रही है और आगामी बरसात में जल निकासी की समस्या उत्पन्न होने की आशंका है गुरुवार को एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार सतीश कुमार यादव, अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह और नगर पालिका की टीम जेसीबी मशीन के साथ मौके पर

पहुंची। टीम ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की तो कुछ दुकानदारों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि एक व्यक्ति की शिकायत पर की गई कार्रवाई से उनका रोजगार प्रभावित हो गया है और उन्हें पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।सूचना मिलने पर पालिका अध्यक्ष नजमुल इस्लाम भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने उपजिलाधिकारी से फोन पर वार्ता कर अभियान रोकने की अपील की।अधिशासी अधिकारी पूर्णिमा सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर प्राप्त शिकायत के आधार पर कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि कस्बे को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बागपत जनपद के 2 ईट भट्टों पर एसआईबी ने की जांच

समाज जागरण बागपत। जनपद बागपत में राज्य कर विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) राज्य कर, रेंज-बी मेरठ द्वारा जनपद बागपत के 2 ईट भट्टो वैष्णों ब्रिक फील्ड सिसाना एवं गणेश ब्रिक फील्ड सिसाना की जॉच शिकायत के आधार पर की गयी। सहायक आयुक्त राज्य कर बागपत शशि प्रकाश ने बताया कि जॉच के दौरान फर्मों के अभिलेखों, कर विवरणियों एवं व्यापारिक लेन-देन

से संबंधित दस्तावेजों का परीक्षण किया गया। प्रारंभिक जॉच में कुछ कर संबंधी विसंगतिया, अनियमितताएं परिलक्षित हुई है, जिनका विस्तृत परीक्षण कर अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। जॉच टीम में उपायुक्त सर्वेश आर्य, सहायक आयुक्त अखिलेश दुबे, सहायक आयुक्त शशि प्रकाश एवं अन्य टीम के सदस्यो द्वारा जॉच की गयी।

रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से प्रेरणा ले सभी : सोनू चंदेल

समाज जागरण बागपत। जिलेभर में 1857 की क्रांति की महान वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस मनाया गया। सभी ने उनके चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस मौके पर सुप्रसिद्ध सोशल वर्कर, सिंगर एवं ट्रिपल एस स्टूडियो के संचालक सोनू चंदेल ने रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर प्रकाश डाला और देश व समाज के लिए उनके द्वारा किए गए कार्य गिनाये। सोनू चंदेल ने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई का जीवन शुरू से ही काफी कष्ट में बीता। बचपन में ही उनके

सिर से मां का साया उठ गया था। इसके अलावा देश की आजादी के लिए उन्हें अपने पति, पिता व पुत्र का भी बलिदान देना पड़ा। उन्होंने जीवन में कभी भी सिर पर मुकुट धारण नहीं किया। सोनू चंदेल ने बताया कि वे जीवन भर देश को आजाद कराने के लिए लगी रही और अपना सब कुछ इस देश की खातिर न्यौछावर कर दिया, जिससे सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। अंत में सभी ने उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।

अस्पताल संचालिका के साथ मारपीट, रंगदारी मांगने के मामले में तीन पर मुकदमा दर्ज

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग) कांधला निवासी एक अस्पताल संचालिका ने तीन नामजद समेत छह-सात अज्ञात लोगों के खिलाफ रंगदारी मांगने, मारपीट करने, जान से मारने का प्रयास करने और सोने की चेन छीनने के आरोप में कोतवाली शामली में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कांधला निवासी सुधा तोमर पत्नी सोहनवीर सिंह तोमर ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि कुछ लोग लंबे समय से उन पर दबाव बना रहे थे तथा फर्जी समाचार और प्रचार के माध्यम से उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रहे थे। आरोप है कि उनसे पांच लाख रुपये की मांग की गई और बाद में प्रति माह 50 हजार रुपये देने के लिए कहा गया। रकम नहीं देने पर अस्पताल बंद कराने और परेशान करने की धमकी दी गई। आरोप है कि 17 जून को आरोपियों ने समझौते और वार्ता के बहाने उन्हें शहर के मोहल्ला बड़ीयाल क्षेत्र स्थित एक परिचित के घर बुलाया। वह अपने दामाद साहिल तरार के साथ वहां पहुंचीं। आरोप है कि बातचीत के दौरान दोबारा रुपये की मांग की गई। विरोध करने पर आरोपी भड़क गए और अभद्रता करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि जब वह और उनके दामाद वहां से वापस लौटने लगे तो आरोपियों और उनके साथ मौजूद अन्य लोगों ने उन्हें पकड़कर नीचे गिरा दिया तथा मारपीट शुरू कर दी। दामाद का गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया और ईंट, पत्थर व डंडों से हमला किया गया। इस दौरान उनके दामाद के गले की सोने की चेन भी टूटकर गिर गई। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर दोनों को बचाया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कबाड़ बन रहे करोड़ों के जब्त वाहन, नीलामी में देरी से राजस्व को हो रहा नुकसान

समाज जागरण कांधला।(फुरकान जंग) कस्बे के कैराना मार्ग स्थित थाने के बाहर विभिन्न मुकदमों में जब्त किए गए दर्जनों वाहन वर्षों से लावारिस अवस्था में खड़े-खड़े कबाड़ में तब्दील हो रहे हैं। करोड़ों रुपये कीमत के इन वाहनों की लगातार हो रही दुर्दशा जिम्मेदारो की लापरवाही की पोल खोल रही है। कस्बे के थाना परिसर के बाहर सड़क किनारे खड़े दोपहिया, चारपहिया समेत अन्य वाहन विभिन्न आपराधिक मामलों और दुर्घटना संबंधी मुकदमों में पकड़े गए थे। समय पर इन वाहनों की नीलामी अथवा उचित निस्तारण नहीं होने के कारण अब अधिकांश वाहन जंग खाकर खराब होने की कगार पर पहुंच गए हैं।आसपास के लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इन वाहनों की नीलामी कर दी जाती तो सरकार को लाखों रुपये का राजस्व प्राप्त हो सकता था, लेकिन लापर वाही और प्रक्रिया में देरी के चलते

सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।थाने के बाहर बड़ी संख्या में वाहन खड़े होने से कैराना मार्ग पर रास्ता संकरा हो गया है। इससे आवागमन प्रभावित हो रहा है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।क्षेत्रवासियों ने पुलिस प्रशासन और संबंधित अधिकारियों से मांग की है कि थाने में लंबे समय से खड़े लावारिस व जब्त वाहनों की जांच कर उनकी जल्द से जल्द नीलामी अथवा नियमानुसार निस्तारण कराया जाए, ताकि सड़क पर होने वाली परेशानी दूर होने के साथ-साथ सरकार को होने वाले राजस्व नुकसान को भी रोका जा सके।

पिकअप खरीद में धोखाधड़ी का आरोप, महिला ने थाने में दी तहरीर

समाज जागरण कांधला।

कस्बे की एक महिला ने पिकअप गाड़ी खरीद के मामले में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता ने आरोप लगाया कि गाड़ी विक्रेता ने धोखे से वाहन वापस लेकर कहीं और बेच दिया और अब न तो गाड़ी लौटा रहा है और न ही उसके पैसे वापस कर रहा है। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है।कस्बे के बिजली घर रोड निवासी महिला मुशीर्दा पत्नी याकिब ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसने अपने मोहल्ले के ही हारून पुत्र सकूर निवासी बिजली घर रोड से पिकअप गाड़ी संख्या UP-19-0749 को एक लाख 40 हजार रुपये में खरीदी था। आरोप है कि कुछ समय बाद हारून ने उसके पति से धोखे से गाड़ी वापस ले ली और उसे कहीं अन्य स्थान पर बेच दिया।पीड़िता का आरोप है कि जब वह अपने रुपये या गाड़ी की मांग करती है तो आरोपी गाली-गलौज कर मारपीट पर उतारू हो जाता है तथा चोरी के झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है।महिला ने पुलिस से मामले की जांच कर आरोपी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। वहीं पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

पूर्वी यमुना नहर पटरी से मिट्टी चोरी, बने गहरे गड्ढों से राहगीर परेशान

समाज जागरण कांधला। कस्बा क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर की पटरी से अज्ञात लोगों द्वारा मिट्टी उठाए जाने का मामला सामने आया है। मिट्टी उठाने के कारण पटरी के दोनों ओर बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं, जिससे वहां से गुजरने वाले वाहनों चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों ने मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थाना क्षेत्र में सिंचाई विभाग द्वारा पूर्वी यमुना नहर पटरी का निर्माण कराया गया था। पटरी के किनारों पर भी मिट्टी डलवाई गई थी, ताकि सड़क की चौड़ाई बढ़ सके और छोटे-बड़े वाहनों का आवागमन सुरक्षित तरीके से हो सके। लेकिन अज्ञात लोगों ने रात के अंधेरे में पटरी के किनारों से मिट्टी उठाकर ले ली, जिसके चलते कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गए हैं।लोगों का कहना है कि गड्ढों के कारण वाहन चालकों को रास्ता पार करने में दिक्कत हो रही है। खासकर रात के समय हादसे की आशंका बनी रहती है। यदि समय रहते गड्ढों को नहीं भरा गया तो कोई बड़ा हादसा हो सकता है।मामले में सिंचाई विभाग के एक्सईएन विवेक कुमार ने बताया कि अभी तक उनके संज्ञान में यह मामला नहीं आया था। सूचना मिलने के बाद मौके पर विभागीय टीम को भेजकर जांच कराई जाएगी। जांच में यदि मिट्टी चोरी की पुष्टि होती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ नियमा नुसार कार्रवाई की जाएगी।

राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने भारत मंडपम में ऐतिहासिक एशियाई सीनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों की समीक्षा की।

चैम्पियनशिप खेलो भारत नीति 2025 की परिकल्पना और वैश्विक खेल गंतव्य के रूप में भारत के उदय को दशार्ती है युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में प्रतिष्ठित एशियाई सीनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 की तैयारियों की समीक्षा की। यह चैंपियनशिप 19 से 24 जून 2026 तक आयोजित होने वाली है। चैंपियनशिप का आधिकारिक शुभारंभ 19 जून 2026 को शाम 6:00 बजे से भारत मंडपम (प्रगति मैदान), नई दिल्ली के हॉल नंबर 2-3 में भव्य उद्घाटन समारोह के साथ होगा। "एक सपना `एक तलवार` एक गौरव" विषय पर आधारित यह समारोह फेंसिंग की भावना, खेल उत्कृष्टता
और अंतर्राष्ट्रीय एकता का जश्न मनाएगा। उद्घाटन समारोह में भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय के मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया मुख्य अतिथि होंगे। इस आयोजन में कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय खेल जगत की हस्तियां भी उपस्थित रहेंगी, जिनमें फेडरेशन इंटरनेशनल डी'एस्क्रीम (एफआईई) के कार्य वाहक अध्यक्ष श्री अब्देलमोनीम अल हुसैनी, फेंसिंग कन्फेडरेशन ऑफ एशिया (एफसीए) के अध्यक्ष महामहिम इंजीनियर शेख सलेम बिन सुल्तान अल कासिमी और पैन अमेरिकन फेंसिंग कन्फेडरेशन (पीएएफसी) के अध्यक्ष श्री विटाली लोगविन ग्रेचुहिन शामिल हैं।
यात्रा के दौरान श्रीमती खडसे के साथ फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष श्री सतेज पाटिल और फेंसिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया के महासचिव श्री राजीव मेहता भी थे। उन्होंने प्रतियोगिता के बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के लिए सुविधाओं, प्रौद्योगिकी-आधारित रेफरी प्रणालियों और चैंपियनशिप के सफल संचालन के लिए की जा रही अन्य व्यवस्थाओं की समीक्षा की।
मंत्री ने आयोजन के लिए उपयोग की जा रही उन्नत खेल प्रौद्योगिकियों और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे का भी जायजा लिया। उन्होंने पाया कि प्रशिक्षण, प्रदर्शन विश्लेषण और प्रतियोगिता प्रबंधन में आधुनिक प्रौद्योगिकी का समावेश खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने और उन्हें उच्चतम अंतरराष्ट्रीय मानकों पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। एशियाई सीनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 एक ऐतिहासिक उपलब्धि है क्योंकि भारत पहली बार इस प्रतिष्ठित महाद्वीपीय चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। इस आयोजन में 36 देशों के खिलाड़ी भाग लेंगे, जिनमें कुल 787 मान्यता प्राप्त प्रतिभागी शामिल हैं, जैसे कि 406 एथलीट, 75 कोच, 9 प्रबंधक, 13 सहायक कर्मचारी, 40 प्रतिनिधि, 28 स्वयंसेवक और 151 स्थानीय आयोजन समिति (एलओसी) के कर्मचारी।

इस अवसर पर श्रीमती खडसे ने कहा,

"प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत तेजी से एक वैश्विक खेल राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। खेलो भारत नीति 2025 खेल अवसंरचना को मजबूत करने, खिलाड़ियों का समर्थन करने, उभरते खेलों को बढ़ावा देने और प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करने की भारत की क्षमता को बढ़ाने के लिए एक व्यापक रोडमैप प्रदान करती है। एशियाई सीनियर फेंसिंग चैंपियनशिप 2026 इसी दृष्टिकोण को दशार्ती है और वैश्विक खेल मंच पर भारत की बढ़ती क्षमताओं को प्रदर्शित करती है।" उन्होंने आगे कहा कि इस स्तर की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएं खिलाड़ियों को बहुमूल्य अवसर प्रदान करती हैं, खेल उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करती हैं और एक जीवंत एवं भविष्य के लिए तैयार खेल पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। श्रीमती खडसे ने कहा कि चैंपियनशिप का सफल आयोजन खेलो भारत नीति 2025 के उद्देश्यों के अनुरूप है, जो खिलाड़ी-केंद्रित विकास, खेल विज्ञान, प्रौद्योगिकी एकीकरण, बुनियादी ढांचे के विस्तार और अधिक अंतरराष्ट्रीय भागीदारी पर जोर देती है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन वैश्विक खेल प्रतियोगि ताओं के लिए भारत को एक पसंदीदा गंतव्य के रूप में मजबूत करते हैं, साथ ही भारतीय खिलाड़ियों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के नए अवसर प्रदान करते हैं। मंत्री ने चैंपियनशिप की तैयारियों पर विश्वास व्यक्त किया और भारतीय फेंसिंग एसोसिएशन, तकनीकी अधिकारियों और आयोजन में शामिल सभी हितधारकों के प्रयासों की सराहना की।

दस्तावेज लेखकों का धरना निरंतर जारी

समाज जागरण

कैराना। ई–रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में दस्तावेज लेखकों का धरना निरंतर जारी है। गुरवार को सब रजिस्ट्रार कार्यालय परिसर में दस्तावेज लेखकों ने तीसरे दिन भी धरना प्रदर्शन किया। दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष चौधरी जतन सिंह ने बताया कि अधिवक्ता, स्टांप वेंडर व टाइपिस्ट भी धरनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने सब रजिस्ट्रार को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया कि ई–रजिस्ट्री व्यवस्था लागू होने से वे बेरोजगार हो जाएंगे और परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा। उन्होंने सरकार से ई–रजिस्ट्री व्यवस्था पर पुनर्विचार करने की मांग की है।

चौकी क्षेत्र में पहले भी हो चुकी है चोरी

समाज जागरण

ऊंचागांव में हुई चोरी के बाद ग्रामीणों ने पुलिस की रात की निगरानी व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आबादी वाले क्षेत्रों में नियमित गश्त और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जाए तो इस प्रकार घटनाओं पर रोक लग सकती है। ग्रामीणों ने बताया कि तितरवाड़ा चौकी क्षेत्र में पहले भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। झाड़खेड़ी गांव में हुई चोरी के मामले में बदमाश लाखों रुपये के जेवरात, नकदी और लाइसेंसी राइफल चोरी कर ले गए थे। राइफल आज तक बरामद नहीं हो पाई। उन्होंने पुलिस गश्त बढ़ाए जाने की मांग की है।

मोहर्रम की दो तारीख को मजलिसों का आयोजन

समाज जागरण

कैराना।(फुरकान जंग) मोहर्रम की दो तारीख पर इमामबारगाह और अजाखाने में शहीदे आजम इमाम हुसैन (अ) की याद में मजलिसों का आयोजन किया गया। नगर में छोटे व बड़े इमामबारगाहों के साथ ही मोहल्ला कलालान में नवाब रजा अली खां व सिदरयान पर सरदार हुसैन के अजाखानों पर मजलिसों को उलमा ने संबोधन किया। मौलाना इमरान गदीरी ने कहा कि दो मोहर्रम को इमाम हुसैन का काफिला करबला पहुंचा। जहां यजीदी फौज ने जुल्मों सितम किए। मौलाना आमिर काजमी ने सरदार हुसैन की अजाखाने पर मजलिस को खिताब करते हुए कहा कि दो मोहर्रम को इमाम हुसैन का काफिला नाना रसूल के मदीने से चलकर करबला पहुंचा और इमाम हुसैन ने करबला की जमीन खरीद कर खेमे लगाए। जबकि यजीदी फौज खेमें हटाना चाहती थी। मौलाना ने इमाम हुसैन व दिगर शोहदाये करबला के मसायब बयान किए, जिनको सुनकर लोग भावुक हो गए। मजलिस में वसी हैदर साकी, मुदस्सिर जैदी, हुसैन हैदर, आसिफ अली आदि ने मर्सिया ख्वानी की। कुर्त्तउलऐन मेहंदी, गुल जार अली, फैसल अली, मोहम्मद आगाज, एम अफजल ने नोहाख्वानी की।

जमीयत उलेमा ए हिन्द के पदाधिकारियों ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) जमीयत उलेमा-ए-हिन्द जनपद शामली के पदाधिकारियों ने गुरूवार को डीएम को ज्ञापन सौंपकर ऐसे फुटबॉलों की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की है, जिन पर इस्लामिक कलमा अथवा अन्य धार्मिक शब्द अंकित किए गए है। उन्होने डीएम आलोक यादव को दिए ज्ञापन में बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि शहर के कबाड़ी बाजार स्थित फव्वारा चौक के निकट एक दुकान पर ऐसे फुटबॉल बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिन पर धार्मिक शब्द अंकित हैं। उनका कहना है कि फुटबॉल खेल के दौरान पैरों से मारी जाती है, ऐसे में किसी भी धर्म के पवित्र शब्दों अथवा धार्मिक प्रतीकों का खेल सामग्री पर अंकित होना संबंधित समुदाय की धार्मिक भावनाओं को आहत कर सकता है। ज्ञापन में प्रशासन से मामले की जांच कराने तथा यदि फुटबॉल पर धार्मिक शब्द या प्रतीक अंकित पाए जाएं तो उनकी बिक्री पर नियमानुसार रोक लगाने की मांग की गई है। साथ ही संबंधित विक्रेताओं को भविष्य में ऐसी सामग्री का क्रय-विक्रय नहीं करने के निर्देश देने की भी अपील की गई है। जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के जिला सदर मौलाना मुफ्ती साजिद कासमी और जिला महासचिव मौलाना अय्यूब मिफ्ताही ने कहा कि सामाजिक सौहार्द एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए उचित कदम उठाने की मांग की है।

ई रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में तीसरे दिन भी जारी रहा धरना

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) प्रदेश सरकार की प्रस्तावित ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में अधिवक्ताओं, डीड राइटर्स और स्टाम्प वेंडरों का आंदोलन गुरुवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। न्यायिक कार्यों के बहिष्कार के चलते जनपद की तीनों तहसीलों में बैनामा और रजिस्ट्री संबंधी कार्य पूरी तरह ठप रहे, जिससे प्रतिदिन एक करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। गुरुवार को धरने पर बैठे अधिवक्ताओं ने कहा कि प्रस्तावित ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू होने से वकीलों, दस्तावेज लेखकों और स्टाम्प विक्रेताओं के रोजगार पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उनका आरोप है कि सरकार संबंधित पक्षों से व्यापक विचार-विमर्श किए बिना पेपरलेस व्यवस्था लागू करने की तैयारी कर रही है।अधिवक्ताओं ने मांग की कि ई-रजिस्ट्री प्रणाली लागू करने से पहले बार एसोसिएशन, डीड राइटर्स और स्टाम्प वेंडरों के प्रतिनिधियों से चर्चा की जाए तथा उनकी आपत्तियों और सुझावों पर विचार किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। धरना प्रदर्शन में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बिजेंद्र कुमार एडवोकेट, सत्येंद्र कुमार शर्मा, राकेश कुमार शर्मा, प्रदीप पंवार, रामकुमार वर्मा, डीड राइटर्स संघ के अध्यक्ष ब्रह्मपाल सैनी,

राजीव सहरावत, संजीव कुमार, रामगोपाल सहरावत तथा स्टाम्प वेंडर हरपाल सिंह, राजकुमार, राकेश गोयल मौजूद रहे।

पालिका की बोर्ड बैठक में शहर को हाईटेक बनाने के लिए कई प्रस्ताव मंजूर

समाज जागरण

शामली । (फुरकान जंग) नगर पालिका की बोर्ड बैठक में शहर को हाईटेक बनाने की दिशा में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में 1 करोड़ 80 लाख रुपये की लागत से शहर में 250 डिजिटल नाइट विजन कैमरे लगाने तथा प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट स्थापित करने के प्रस्ताव को हरी झंडी दी गई।

गुरुवार को पालिका सभागार में चेयरमैन अरविंद संगल की अध्यक्षता में आयोजित बोर्ड बैठक में 22 सभासद एवं चार नामित सभासद उपस्थित रहे। बैठक का संचालन अधिशासी अधिकारी विनोद कुमार सोलंकी ने किया। बैठक में बताया गया कि 250 डिजिटल नाइट विजन कैमरों की स्थापना से पूरे शहर की निगरानी की जा सकेगी। ये कैमरे रात्रि में भी स्पष्ट दृश्य उपलब्ध कराएंगे और लंबी दूरी तक क्षेत्र को कवर करने में सक्षम होंगे। इसके अलावा नागरिकों की सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल लाइट लगाने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को चौराहों का चिन्हीकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में शिक्षा विभाग द्वारा प्रस्तावित राजकीय पुस्तकालय निर्माण के लिए नगर पालिका की भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई। सदन ने सर्वसम्मति से माजरा रोड स्थित बिग्रेडियर होशियार सिंह इंटर कालेज के निकट पालिका की 500 वर्गगज भूमि पुस्तकालय निर्माण के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव पारित कर दिया। इस संबंध में आगे की कार्रवाई के लिए अध्यक्ष को अधिकृत किया गया। चेयरमैन अरविंद संगल ने बताया कि पुस्तकालय का निर्माण उत्तर प्रदेश जल निगम की कार्यदायी संस्था कंस्ट्रक्शन एंड डिजाइन सर्विसेज द्वारा कराया जाएगा। परियोजना के लिए शासन से प्रथम किश्त के रूप में 90 लाख रुपये प्राप्त हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका का उद्देश्य शहर की सूरत बदलने के साथ-साथ प्रमुख मार्गों, नालों और सार्वजनिक स्थलों का विकास कराना है। शहर के चहुंमुखी विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर ईओ विनोद कुमार सोलंकी, सभासद गुलजार मंसूरी, संदीप कुमार, रोबिन गर्ग, देवानंद गौड, मीना चावला, बॉबी निर्वाल, हसीन अंसारी आदि मौजूद रहे।

21 जून को होगा उत्तर प्रदेश उधोग व्यापार मंडल का शपथ ग्रहण समारोह

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल द्वारा आगामी 21 जून को सायं 6 बजे शहर के सिटी ग्रीन में शपथ ग्रहण समारोह एवं व्यापारी संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में जनपद की विभिन्न व्यापार मंडल इकाइयों के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। जिलाध्यक्ष विशाल गुप्ता ने गुरूवार को जानकारी देते हुए बताया कि आयोजकों के अनुसार कार्यक्रम में व्यापारी कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष एवं राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त सुनील सिंघी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसके अलावा एमएलसी वीरेन्द्र सिंह, सदर विधायक प्रसन्न चौधरी, पूर्व मंत्री सुरेश राणा तथा पूर्व विधायक तेजेन्द्र निर्वाल विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। समारोह के दौरान शामली जिला, शामली नगर, शामली युवा, कैराना नगर, कैराना युवा, कांधला नगर तथा थाना भवन नगर इकाइयों के पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराया जाएगा। कार्यक्रम में जिले भर के व्यापारी, उद्योगपति एवं उद्यमी बड़ी संख्या में सहभागिता करेंगे। इसके साथ ही व्यापार, उद्योग और स्थानीय विकास से जुड़े विषयों पर व्यापारी संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा, जिसमें व्यापारियों की समस्याओं एवं उनके समाधान पर विचार-विमर्श होगा। समारोह में समाज एवं व्यापार जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिष्ठित व्यापारियों और उद्यमियों को सम्मानित भी किया जाएगा। इस अवसर पर सुरेन्द्र बंसल, संजीव मलिक, मानव ऐरन, संजय अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

हास्य योग के साथ स्वास्थ्य संबंधी जानकारियां की साझा

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर के वीवी इंटर कॉलेज में चल रहे योग शिविर के चौथे दिन पतंजलि परिवार के सदस्यों एवं अन्य साधक-साधिकाओं ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया। शिविर में विभिन्न योग क्रियाओं एवं प्राणायाम के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में करण सिंह ने प्रतिभागियों को प्राणायाम का अभ्यास कराया, जबकि कुमुद शर्मा ने योग प्रोटोकॉल के तहत विभिन्न योगासन कराए। मूर्ति देवी ने सूक्ष्म क्रियाओं का अभ्यास कराया तथा सतीश तायल ने हास्य योग के साथ स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इस अवसर पर अनुराग शर्मा ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नियमित योगाभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है। उन्होंने अधिक से अधिक लोगों से योग शिविर में शामिल होकर इसका लाभ उठाने की अपील की। शिविर में करण सिंह, कुमुद शर्मा, मुकेश वर्मा, मूर्ति देवी, अनुज खंडेलवाल, अजय गर्ग, सोमपाल, जयप्रकाश छाबड़ा, अमित कुमार, सतीश तायल, रुद्र, रश्मि, नित्या, मुकुंद आदि मौजूद रहे। वही दूसरी ओर शामली नगर पालिका में दिव्य योग संस्थान द्वारा योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के चौथे दिन साधकों को विभिन्न योग क्रियाऐं कराई गई। अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा ने साधकों को स्वास्थ्य शरीर के लिए योग को अपने दैनिक जीवन में ग्रहण करने के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान साधकों ने योगाचार्य जितेन्द्र शर्मा व उनकी पत्नी शिक्षा शर्मा को सम्मानित भी किया गया।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पदाधिकारियों ने गुरुवार को कलक्ट्रेट पहुंचकर प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन डीएम कार्यालय में सौंपा। ज्ञापन में वर्ष 2010 से पूर्व तथा उत्तर प्रदेश में टीईटी लागू होने की तिथि 27 जुलाई 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों के सेवा अधिकारों की सुरक्षा के लिए विधायी एवं नीतिगत हस्तक्षेप की मांग की गई। महासंघ के पदाधिकारियों ने कहा कि 23 अगस्त 2010 को राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को न्यूनतम अर्हता के रूप में अधिसूचित किया गया था। इससे पहले विभिन्न राज्यों में तत्कालीन नियमों और पात्रता मानकों के आधार पर लाखों शिक्षकों की नियुक्तियां की जा चुकी थीं। उनका कहना है कि बाद में लागू किए गए पात्रता मानदंडों को पूर्व नियुक्त शिक्षकों पर लागू करना प्राकृतिक न्याय, समानता और विधिक निश्चितता के सिद्धांतों के अनुरूप नहीं है। ज्ञापन में कहा गया कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक सितंबर 2025 तथा पुनर्विचार याचिका में 29 मई 2026 को दिए गए निर्णय के बाद देशभर के लाखों शिक्षकों में असमंजस और असुरक्षा की भावना उत्पन्न हुई है। ऐसे में केंद्र सरकार और संसद को शिक्षकों के हितों की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने चाहिए। महासंघ ने मांग की कि 23 अगस्त 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों तथा उत्तर प्रदेश में 27 जुलाई 2011 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी रूप से मुक्त किया जाए। साथ ही उनकी सेवा, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य सेवा लाभों को पूर्ण संरक्षण दिया जाए। आवश्यकता पड़ने पर संसद में विधायी संशोधन अथवा विशेष प्रावधान लाकर शिक्षकों को स्थायी राहत प्रदान की जाए। ज्ञापन सौंपने वालों में संरक्षक दीपक तोमर, जिला महामंत्री पीयूष कुच्छल, जिला कोषाध्यक्ष शीशपाल सिंह तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय देशवाल मौजूद रहे।

विवादित जमीन पर निर्माण की शिकायत की

समाज जागरण

कैराना। गांव भूरा निवासी ग्रामीण ने विवादित भूमि पर निर्माण कार्य कराए जाने की आशंका जताते हुए एसडीएम को शिकायती पत्र दिया है। गुरुवार को गांव भूरा निवासी मतलूब ने एसडीएम को दिए पत्र में बताया कि भूमि को लेकर उनका मामला न्यायालय में विचाराधीन है। आरोप है कि इसके बावजूद कुछ लोगों की मिलीभगत से विवादित भूमि पर निर्माण की तैयारी की जा रही है, जहां रेडीमेड दीवार के लिए सामग्री लाई गई है। उन्होंने एसडीएम से निर्माण पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

बदमाशों ने सोलर पैनल किया चोरी, ग्रामीणों में आक्रोश

— ऊंचागांव में अंजाम दी घटना, पुलिस के रात्रि गश्त पर उठे सवाल, खंगाली जा रही सीसीटीवी फुटेज

समाज जागरण

कैराना। ऊंचागांव में रात्रि में बदमाशों ने पेंट की दुकान के पीछे लगे सोलर पैनल को चोरी कर लिया। घटना को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। ग्रामीणों ने रात्रि में पुलिस गश्त पर भी सवाल उठाते हुए शीघ्र घटना के खुलासे की मांग की है। तितरवाड़ा पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम ऊंचागांव निवासी सुमित की कैराना-कांधला मार्ग पर पेंट की दुकान है। दुकान के पीछे खाली स्थान पर उन्होंने तीन किलोवाट क्षमता का सोलर सिस्टम लगवा रखा था। बुधवार रात बदमाशों ने धावा बोल दिया तथा सोलर प्लेटें चोरी कर ले गए। पीड़ित ने बताया कि जब वह गुरुवार को दुकान पर पहुंचे, तो घटना की जानकारी हुई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची तितरवाड़ा चौकी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पीड़ित ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

आईजीआरएस शिकायतों की शासन ने दोबारा मांगी रिपोर्ट

समाज जागरण

कैराना। पिछले वर्ष आइजीआरएस पर की गई शिकायतों के निस्तारण अथवा लंबित मामलों में शासन ने तहसील प्रशासन से दोबारा रिपोर्ट मांगी है। इसके लिए तहसील प्रशासन ने आइजीआरएस शिकायतों की पुनः जांच शुरू कर दी है। कैराना तहसील क्षेत्र में एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक कुल 704 आईजीआरएस पर शिकायत की गई थी। इससे बाद में 188 शिकायतें आइजीआरएस के माध्यम से आई थी। उपजिलाधिकारी शिवाजी यादव ने बताया कि अधिकांश शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया था। शासनादेश मिला है कि सभी शिकायतों की दोबारा जांच करके रिपोर्ट भेजी जाए। जो शिकायत निस्तारित हो गई अथवा निस्तारण के बाद दोबारा विवाद बना हो। इसके अलावा आईजीआरएस शिकायत के निस्तारण के बाद सिविल न्यायालय अथवा राजस्व न्यायालय में वाद चल रहा हो, इनकी रिपोर्ट शासन द्वारा दोबारा मांगी गई है। इसके लिए आइजीआरएस शिकायतों की दोबारा जांच शुरू कर दी गई है।

जैन धर्मशाला में मोटापा रोग निवारण शिविर का आयोजन

समाज जागरण शामली।

भारतीय योग संस्थान द्वारा जैन धर्मशाला में मोटापा रोग निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में इंदु जैन ने ओम ध्वनि एवं गायत्री मंत्र के भावार्थ की जानकारी दी, जबकि अलका जैन ने मंडूकासन तथा शांति पाठ कराया। सुषमा मित्तल ने कमर चक्रासन एवं अमरीश कौशिक ने विभिन्न योगासन कराए। कृष्णपाल ने हंसी व्यायाम, अशोक गोयल ने सिंह गर्जना आसन तथा जयराम ने योग गीत के माध्यम से उपस्थित लोगों को योग के प्रति प्रेरित किया। मुख्य अतिथि रविंद्र चौहान ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए योग के साथ-साथ संतुलित खानपान भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मोटापे को नियंत्रित करने के लिए खानपान संबंधी सावधानियां अपनानी चाहिए। योग का पूरा लाभ तभी मिलता है जब जीवनशैली और भोजन दोनों संतुलित हों। उन्होंने सभी साधक-साधिकाओं से नियमित रूप से योग करने तथा योग साहित्य पढ़ने का भी आग्रह किया। इस अवसर पर शिमला, जुली, निशा, विजयलक्ष्मी, रीना, सुनीता, पूनम, रितु, रजनी, रीता, अंजू, अंशु, क्षमा, शालू, कृष्णपाल सिंह, गौरी शंकर जिंदल, परवीन, संजय, वीरेंद्र, श्याम सिंह मौजूद रहे।

भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री के एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण शामली।(फुरकान जंग)

भारतीय मजदूर संघ के पदाधिकारियों ने गुरुवार को कलक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित 22 सूत्रीय मांगपत्र एसडीएम न्यायिक को सौंपा। ज्ञापन में कर्मचारियों, श्रमिकों, संविदा कर्मियों, आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, आशा बहनों तथा असंगठित क्षेत्र के कामगारों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया कि बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी उपेक्षा के कारण मजदूर एवं कर्मचारी वर्ग गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। संगठन ने आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को निर्धारित मानदेय नहीं मिल रहा है, जबकि आशा और आशा संगिनी कार्यकताओं के साथ भी अन्याय हो रहा है। संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिल पाता और नौकरी की असुरक्षा बनी रहती है। भारतीय मजदूर संघ ने मांग की कि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशें एक जनवरी 2026 से लागू की जाएं तथा न्यूनतम वेतनमान 72 हजार रुपये निर्धारित किया जाए। आशा कार्यकताओं का मानदेय 18 हजार और आशा संगिनी का 24 हजार रुपये किया जाए। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं को नियमित कर सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाए। ज्ञापन में परिवहन निगम के संविदा कर्मियों को नियमित करने, एनएचएम कर्मियों की बीमा, वेतन विसंगति और स्थानांतरण संबंधी समस्याओं का समाधान करने, 108 और 102 एंबुलेंस सेवा के बर्खास्त कर्मियों की बहाली तथा ई-रिक्शा एवं ऑटो चालकों के लिए स्टैंड की व्यवस्था करने की मांग भी उठाई गई। इसके अलावा पटरी, रेहड़ी और दुकानदारों के उत्पीड़न पर रोक लगाने, ग्रामीण एवं दिहाड़ी मजदूरों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने, बैंकिंग क्षेत्र में पांच दिवसीय कार्य व्यवस्था लागू करने तथा जिला सहकारी बैंकों के लंबित वेतनमान पुनरीक्षण की मांग भी की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि श्रमिकों एवं कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान किया जाना आवश्यक है। उन्होंने मुख्यमंत्री से मांगों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर रमेशचंद शर्मा, जितेन्द्र कुमार, विमल शर्मा आदि मौजूद रहे।

प्राइवेट अस्पताल में शव लेकर पहुंचे परिजन, चिकित्सक पर लापरवाही का आरोप

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग)शहर के दिल्ली रोड स्थित एक प्राईवेट हॉस्पिटल में शव लेकर पहुंचे परिजनों ने चिकित्सक पर लापरवाही कर आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। उन्होने हॉस्पिटल में तोडफोड करते हुए चिकित्सक के साथ भी हाथापाई की। सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने हंगामा कर रहे ग्रामीणों को समझा बुझाकर शांत किया। बाद में दोनों पक्षों में फैसला हो गया। कैराना क्षेत्र के गांव गोगवान निवासी 29 वर्षीय रोहित पुत्र राकेश को गत 9 जून को पित की थैली के ऑपरेशन के लिए शामली के दिल्ली रोड स्थित अंसार नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया था। जहां चिकित्सक ने युवक का ऑपरेशन करते हुए उनको अगले दिन छुटटी दे दी थी, लेकिन युवक की हालत बिगडने पर परिजनों ने उसको 12 जून को दोबारा हॉस्पिटल में दिखाया। आरोप है कि चिकित्सक ने पेट साफ न होने पर मीठा दूध और गन्ने का रस पिलाने की बात करते हुए उसको वापस भेज दिया, लेकिन अगले दिन उसको दोबारा हालत बिगड गई और उसको उल्टियां होने लगी। जिस पर परिजनों ने रोहित को फिर से अस्पताल में दिखाया, लेकिन चिकित्सक ने बिना किसी रिपोर्ट को दिए मरीज को करनाल के लिए रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत में सुधार नही हुआ तो परिजनों ने पानीपत के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत में कोई सुधार न होने पर गुरूवार सवेरे रोहित की मौत हो गई। जिसके बाद परिजनों ने ऑपरेशन के दौरान चिकित्सक पर लापरवाही बरते जाने का आरोप

लगाते हुए शव को शामली के अंसारी नर्सिंग होम लेकर पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। गुस्साऐं परिजनों ने हॉस्पिटल परिसर में तोडफोड भी की और चिकित्सक से हाथापाई की। सूचना पाकर सीओ सिटी जितेन्द्र कुमार, कोतवाली प्रभारी सचिन शर्मा फोर्स को लेकर मौके पर पहुंचे और परिजनों को समझा बुझाकर शांत किया। काफी जददो जहद के बाद गणमान्य लोगों ने दोनों पक्षों में फैसला करा दिया, जिसके बाद परिजन शव को अपने साथ लेकर चले गए। कोतवाली प्रभारी सचिन शर्मा का कहना है कि मामले में कोई तहरीर नही दी गई और परिजन शव को अपने साथ ले गए।

हरियाणा के किसानों के लिए बड़ी सौगातः सीएससी केंद्रों पर शुरू हुई फार्मर रजिस्ट्री, बनेगी डिजिटल पहचान

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली 18 जून। हरियाणा के किसानों को डिजिटल कृषि व्यवस्था से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत फार्मर रजिस्ट्री (एग्री स्ट्राक) का कार्य अब कॉमन सर्विस सेंटर (CSC) के माध्यम से शुरू कर दिया गया है। ई-जिला प्रबंधक सविता अरोड़ा ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि यह सरकार की महत्वपूर्ण योजना है। जिससे प्रदेश के प्रत्येक किसान को लाभ प्राप्त होगा और उनकी जीवनशैली बहतर होगी' उन्होंने कहा कि इस पहल से प्रदेश के लाखों किसानों को सरकारी योजनाओं, अनुदान, फसल बीमा, कृषि ऋण तथा अन्य सुविधाओं का लाभ अधिक पारदर्शी और सरल तरीके से मिल सकेगा। कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति लाने के उद्देश्य से शुरू की गई। इस व्यवस्था के तहत प्रत्येक किसान की एक विशिष्ट किसान आई-डी तैयार की जाएगी, जो भविष्य में किसान की डिजिटल पहचान के रूप में कार्य करेगी। सरकार का मानना है कि इससे किसानों से जुड़ी सेवाओं की पहुंच तेज और प्रभावी बनेगी। सीएससी (विलई) संचालकों फार्मर पोर्टल पर "Login with CSC विकल्प के माध्यम से किसानों का पंजीकरण करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विशेष बात यह है कि किसानों से पंजीकरण के लिए किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा। वहीं प्रत्येक किसान आई-डी स्वीकृत पर सीएससी संचालकों को 15 रुपये का प्रोत्साहन भी प्रदान किया जाएगा। अधिकारियों ने सीएससी संचालकों से अपील की है कि वे अपनी पंचायतों की लंबित सूची प्राप्त कर सरपंचों और ग्राम प्रतिनिधियों के सहयोग से गांवों में जागरूकता अभियान चलाएं तथा अधिक से अधिक किसानों का पंजीकरण सुनिश्चित करें। प्रारंभिक चरण में प्रत्येक केंद्र को कम से कम 15 किसानों की किसान आई-डी बनाने का लक्ष्य दिया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि फार्मर रजिस्ट्री तैयार होने के बाद किसानों का एक सटीक और प्रमाणिक डिजिटल डाटाबेस उपलब्ध होगा, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। साथ ही फजीर्वाड़े पर अंकुश लगेगा और कृषि क्षेत्र में पारदर्शिता बढ़ेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में इस योजना को लेकर उत्साह देखा जा रहा है और उम्मीद जताई जा रही है कि आने वाले समय में किसान आई-डी किसानों के लिए सरकारी सेवाओं का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी।

निस्वार्थ सेवा भाव से निजी खर्च से सड़क की मरम्मत

समाज जागरण

कालांवाली (सुरेश जोरासिया) अनाज मंडी में विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। मंडी के दुकान नंबर 35 के पास स्थित गेट की सड़क, जिसे मार्केट कमेटी द्वारा लगभग दो महीने पहले बनवाया गया था, वह निर्माण के महज 10 से 15 दिनों के भीतर ही टूटकर खस्ता हाल हो गई।

सड़क की बदहाल स्थिति को देखकर व्यापारियों, किसानों और मंडी में आने-जाने वाले लोगों में भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण में निम्न स्तर की घटिया सामग्री का उपयोग किया गया, जिसके कारण नई सड़क ज्यादा समय तक टिक नहीं पाई। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद सड़क का इतनी जल्दी टूट जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर बड़े सवाल खड़े कर रहा है। लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार किया जाता तो सड़क इतनी जल्दी बदहाल नहीं होती। मार्केट कमेटी की इस लापरवाही के बीच कालांवाली के संजय गर्ग और लक्की गर्ग (सुपुत्र स्वर्गीय श्री मदनलाल गर्ग) आगे आए और जनहित को देखते हुए अपने निजी कोष से सड़क की दोबारा मरम्मत का कार्य शुरू करवाया। उनके इस कदम की मंडी के व्यापारियों और आमजन ने जमकर सराहना की है।

एस.एस. जैन सभा कालांवाली के अध्यक्ष सन्दीप जैन ने बताया कि मरम्मत कार्य के चलते दुकान नंबर 35 के पास वाला मंडी गेट दो दिनों तक बंद रहेगा। उन्होंने लोगों से सहयोग की अपील की है।

मंडी निवासियों का कहना है कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस कार्य की जिम्मेदारी सरकारी विभाग की थी, उसे समाजसेवियों को अपने निजी खर्च से करवाना पड़ रहा है। लोगों ने मांग की है कि सड़क निर्माण में हुई कथित अनियमितताओं की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में जनता के पैसे की बबार्दी न हो।

लगभग 100 वर्षों बाद पुनर्जीवित हुआ ऐतिहासिक कादियां- ब्यास रेल परियोजना : रवनीत सिंह बिट्टू

३९.६८ किलोमीटर लंबी नई ब्रॉडगेज रेल लाइन पर लगभग ₹१,४०० करोड़ की लागत आएगी

(पंजाब जैतो रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो,18 जून : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा वीरवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि पंजाब के माझा क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में भारत सरकार ने लंबे समय से लंबित कादियां- ब्यास नई रेल लाइन परियोजना को पुनर्जीवित कर दिया है। आज रेल भवन में मीडिया को संबोधित करते हुए रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्य मंत्री श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी तथा माननीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पंजाब में रेलवे अवसंरचना को सुदृढ़ करने तथा क्षेत्रीय विकास को गति देने के लिए केंद्र सरकार निरंतर प्रतिबद्ध है।कादियांझब्यास रेल लिंक के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने बताया कि प्रस्तावित रेल लाइन गुरदासपुर जिले के कादियां को अमृतसर जिले के ब्यास से जोड़ेगी। लगभग 39.68 किलोमीटर लंबी इस ब्रॉडगेज रेल लाइन की अनुमानित लागत करीब ₹1,400 करोड़ है। इस परियोजना का क्रियान्वयन उत्तरी रेलवे द्वारा किया जाएगा। प्रस्तावित रेल मार्ग कादियां, धपाई, घुमान, बुटाला, सठियाला और ब्यास जैसे महत्वपूर्ण कस्बों एवं गांवों से होकर गुजरेगा। इससे माझा क्षेत्र के अनेक इलाकों को पहली बार रेल नेटवर्क से सीधा जुड़ाव मिलेगा तथा स्थानीय लोगों की आवाजाही और परिवहन सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा। परियोजना के अंतर्गत अत्याधुनिक रेलवे अवसंरचना विकसित की जाएगी, जिसमें घुमान और बुटाला में दो क्रॉसिंग स्टेशन, 11 प्रमुख पुल, 121 लघु पुल, 54 रोड अंडर ब्रिज , आधुनिक सिग्नलिंग एवं दूरसंचार प्रणाली तथा भारत की स्वदेशी ट्रेन टक्कर-रोधी प्रणाली कवच का प्रावधान शामिल है। परियोजना के इतिहास का उल्लेख करते हुए श्री बिट्टू ने कहा कि कादियां-ब्यास रेल लिंक की परिकल्पना ब्रिटिश काल में की गई थी। वर्ष 1928-29 में तत्कालीन नॉर्थ-वेस्टर्न रेलवे द्वारा इस परियोजना को स्वीकृति दी गई थी तथा 1930 के दशक के प्रारंभ तक निर्माण कार्य का एक बड़ा हिस्सा पूरा भी कर लिया गया था। हालांकि बाद में बदलती परिस्थितियों और विकास प्राथमिकताओं के कारण यह परियोजना बंद कर दी गई। उन्होंने बताया कि परियोजना के रणनीतिक एवं विकासात्मक महत्व को देखते हुए इसे बाद में सामाजिक रूप से वांछनीय रेल संपर्क परियोजना के रूप में पुनर्जीवित किया गया तथा वर्ष 2010-11 के पूरक रेल बजट में शामिल किया गया। विभिन्न कारणों और प्रक्रियागत बाधाओं के चलते परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी, लेकिन अब इसे पुनः गति प्रदान की गई है तथा लगभग ₹1,400 करोड़ की संशोधित विस्तृत अनुमान रिपोर्ट तैयार की गई है।श्री बिट्टू ने कहा कि यह रेल लाइन केवल क्षेत्रीय संपर्क को ही मजबूत नहीं करेगी, बल्कि आपातकालीन परिस्थितियों में अमृतसरझपठानकोट रेलखंड के वैकल्पिक मार्ग के रूप में भी कार्य करेगी, जिससे उत्तरी भारत में रेलवे संचालन की मजबूती और लचीलापन बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को व्यापक लाभ मिलेगा। किसानों को अपनी कृषि उपज के लिए बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे, परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स सुविधाएं सुदृढ़ होंगी, व्यापार, वाणिज्य एवं लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा तथा निर्माण और संचालन चरणों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इसके अतिरिक्त माझा क्षेत्र में निवेश और आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह परियोजना कई प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक स्थलों तक पहुंच को भी आसान बनाएगी, जिनमें अहमदिया मुस्लिम समुदाय के जन्मस्थल कादियां, डेरा बाबा जैमल सिंह, ब्यास, श्री दरबार साहिब डेरा बाबा नानक, गुरुद्वारा अचल साहिब, गुरुद्वारा भक्त नामदेव जी (घुमान), गुरुद्वारा साहिब पातशाही पंजवीं (बुर्ज साहिब), गुरुद्वारा बाबा राजा राम जी, पंडोरी धाम, राम शरणम मंदिर तथा शिरडी साईं मंदिर (गुरदासपुर) प्रमुख हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल संपर्क से धार्मिक पर्यटन को उल्लेखनीय बढ़ावा मिलेगा तथा देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की यात्रा अधिक सुगम होगी।अंत में श्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कादियां, ब्यास, घुमान, बुटाला, सठियाला तथा पूरे माझा क्षेत्र के लोगों को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और आश्वस्त किया कि केंद्र सरकार परियोजना से संबंधित सभी आवश्यक स्वीकृतियां शीघ्र प्राप्त कर इसके समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

5 माह में फिरोजपुर मंडल में 271 अनापेक्षित रेल घटनाएँ, 234 लोगों की मृत्यु

(रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

पंजाब/फिरोजपुर,18 जून : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा आज जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि रेलवे सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण फिरोजपुर मंडल में अनापेक्षित रेल घटनाओं की संख्या चिंता का विषय बनी हुई है। रेलवे सुरक्षा बल , फिरोजपुर मंडल द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़ों के अनुसार, दिनांक 01 जनवरी 2026 से 31 मई 2026 तक मंडल क्षेत्र में कुल 271 अनापेक्षित रेल घटनाएँ दर्ज की गईं, जिनमें 234 व्यक्तियों की मृत्यु हुई तथा 40 व्यक्ति घायल हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अधिकांश घटनाएँ रेलवे ट्रैक को अनधिकृत रूप से पार करने, रेलवे लाइन पर चलने, चलती ट्रेन में चढ़ने अथवा उतरने के प्रयास तथा रेलवे सुरक्षा नियमों की अनदेखी के कारण हुईं। ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए रेलवे सुरक्षा बल द्वारा मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, रेलवे फाटकों, शैक्षणिक संस्थानों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में नियमित रूप से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, जन -जागरूकता कार्यक्रमों एवं विशेष अभियानों के माध्यम से यात्रियों तथा आम नागरिकों को रेलवे सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। रेलवे सुरक्षा बल ने आम जनता से अपील की है कि रेलवे ट्रैक को शॉर्टकट के रूप में प्रयोग न करें तथा रेलवे लाइन पार करने के लिए केवल फुट ओवर ब्रिज, सब-वे अथवा अधिकृत रेलवे क्रॉसिंग का ही उपयोग करें। चलती ट्रेन में चढ़ने या उतरने का प्रयास तथा मोबाइल फोन अथवा ईयरफोन का उपयोग करते हुए रेलवे ट्रैक पार करना जानलेवा साबित हो सकता है रेलवे सुरक्षा बल, फिरोजपुर मंडल ने नागरिकों से रेलवे सुरक्षा नियमों का पालन करने तथा सुरक्षित रेल संचालन में सहयोग देने की अपील की है, ताकि ऐसी दुखद घटनाओं में कमी लाई जा सके।

शिरोमणि कमेटी ने पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी का शहीदी दिवस श्रद्धा के साथ मनाया

लाखों लोग गुरुद्वारा साहिब में हुए नतमस्तक

(पंजाब जैतो रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो, 18 जून : शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी का शहीदी दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया। गुरुद्वारा श्री रामसर साहिब में श्री अखंड पाठ साहिब के बाद, हजूरी रागी भाई करमजीत सिंह और भाई बलराज सिंह के जत्थे ने इलाही बाणी का कीर्तन किया। अरदास के बाद, सचखंड श्री हरमंदिर साहिब के ग्रंथी ज्ञानी बलविंदर सिंह ने श्री गुरु अर्जन देव जी की शहादत के इतिहास से जुड़ी कथा सुनाई और संगत से गुरु साहिब जी के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस मौके पर आयोजित गुरमति कार्यक्रम में कथावाचक भाई विशाल सिंह ने कथा सुनाई। विभिन्न जत्थों ने गुरबानी कीर्तन से संगत को निहाल किया। कार्यक्रम के दौरान ढाडी, कविशर और प्रचारक सिंहों ने संगत को गुरु-इतिहास से अवगत कराया। श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी दिवस पर श्रद्धालुओं ने सचखंड श्री हरमंदिर साहिब और गुरुद्वारा श्री रामसर साहिब के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक नतमस्तक हुए। इस दौरान सचखंड श्री हरमंदिर साहिब और गुरुद्वारा श्री रामसर साहिब में ठंडे पानी की छबीलें भी लगाई गईं। इस अवसर पर शिरोमणि समिति सदस्य श्री सुरजीत सिंह भिट्टेवड, प्रबंधक एस. नरेंद्र सिंह, जतिंदरपाल सिंह, अतिरिक्त प्रबंधक गुरिंदर सिंह देविदासपुरा, मुख्य प्रचारक भाई जगदेव सिंह, प्रचारक व ओवरसियर भाई बलवंत सिंह और भारी संख्या में संगत मौजूद थी।

विरासत से आशा तकः उभरते फिल्म निमार्ताओं ने 19वें मुंबई महोत्सव में भारत के अनेक पहलुओं को चित्रित किया

युवा फिल्म निमार्ता MIFF में संस्कृति, समुदाय और परिवर्तन की कहानियों के माध्यम से भारत के बहुआयामी स्वरूपों को चित्रित करते हैं

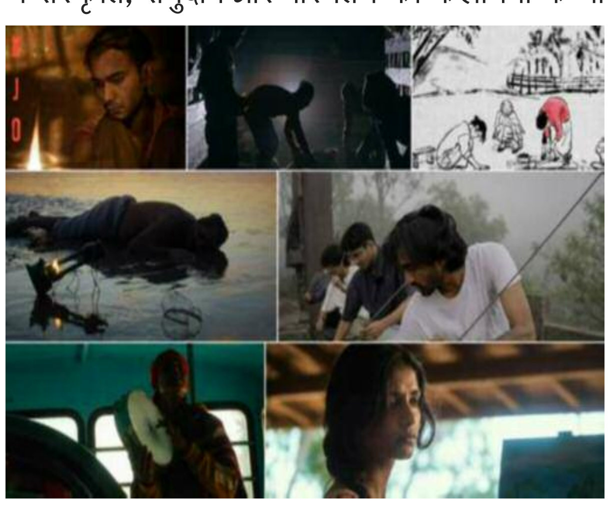

19वें MIFF के "इमर्जिंग वॉइसेसः फिल्म स्कूल एडिशन" खंड में दर्शकों को युवा फिल्म निमार्ताओं के नजरिए से दुनिया को देखने का मौका मिल रहा है। फ्रांस और जर्मनी के जाने-माने फिल्म स्कूलों की फिल्मों के साथ-साथ, इस खंड में पूर्वोत्तर सहित पूरे भारत के फिल्म संस्थानों की 27 फिल्में शामिल हैं। ये सभी फिल्में भारत के लोगों, संस्कृतियों और अनुभवों की समृद्ध विविधता को दशार्ती हैं। ये फिल्में पहचान, संस्कृति, परिवार, सामाजिक मुद्दे, आशा, लचीलापन और मानवीय संबंधों जैसे विभिन्न विषयों पर आधारित हैं। इन फिल्मों का प्रदर्शन पूरे महोत्सव के दौरान किया जा रहा है। इस खंड में पुणे स्थित भारतीय फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (FTII) की चार फिल्में; कोलकाता स्थित सत्यजीत रे फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (SRFTI) की तीन फिल्में; तमिलनाडु स्थित ऑरोविल फिल्म संस्थान की चार फिल्में; कटक स्थित बीजू पटनायक फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की एक फिल्म; असम स्थित डॉ. भूपेन हजारिका क्षेत्रीय सरकारी फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान की दो फिल्में; अहमदाबाद स्थित राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (NID) की तीन फिल्में; कर्नाटक स्थित आरवी विश्वविद्यालय की चार फिल्में; रोहतक स्थित दादा लक्ष्मीचंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय की तीन फिल्में; और मुंबई स्थित व्हिसलिंग वुड्स इंटरनेशनल की तीन फिल्में शामिल हैं। ये सभी फिल्में मिलकर देशभर के विभिन्न क्षेत्रों और कथा कहने की परंपराओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। कुछ प्रमुख फिल्में स्थानीय परंपराओं, संस्कृति और पीढ़ियों से चली आ रहे ज्ञान को संरक्षित करने के महत्व पर केंद्रित हैं। FTII की फिल्म In Search Of Stone प्राचीन स्थलों से लोगों के जुड़ाव को दशार्ती है और उनके संरक्षण से संबंधित प्रश्न उठाती है। FTII की फिल्म "Black Clay" (Khiew Ramew) पारंपरिक शिल्पकला और भविष्य के लिए उनके संरक्षण के महत्व को उजागर करती है।

कुछ फिल्में रोजमर्रा की जिंदगी की चुनौतियों को दशार्ती हैं। SRFTII की फिल्म " दुर्जोग" दिखाती है कि कैसे आर्थिक तंगी लोगों को कठिन परिस्थितियों और मुश्किल फैसलों में धकेल सकती है। " द लास्ट हर्ड" (मोइशाल) एक प्राकृतिक आपदा के बाद लोगों के जीवन को फिर से संवारने की कहानी बयां करती है, जिसमें नुकसान और संघर्ष दोनों शामिल हैं।

पारिवारिक और व्यक्तिगत संबंध भी महत्वपूर्ण विषय हैं। " केप ऑफ गुड होप" प्रियजनों की देखभाल की जिम्मेदारियों और इन जिम्मेदारियों के परिवारों पर पड़ने वाले प्रभावों पर प्रकाश डालती है। नगालैंड, "ए विजुअल पोएम इक्स्प्लोर लव" प्रेम, स्मृति और उन स्थानों के साथ लोगों के मजबूत बंधन को दशार्ती है जिन्हें वे अपना घर कहते हैं।

एल-लर्न(ताल-मेल) फिल्म में युवाओं के सपनों और संघर्षों को दशार्या गया है। युवा संगीतकारों के जीवन के माध्यम से यह फिल्म दिखाती है कि कैसे कला कठिन समय में भी आत्मविश्वास, उद्देश्य और आशा प्रदान कर सकती है।

"इमर्जिंग वॉइसेसः फिल्म स्कूल एडिशन" खंड में शामिल फिल्में भारत और दुनिया के विभिन्न हिस्सों की कहानियां बयां करती हैं। स्थानीय समुदायों और वास्तविक जीवन के अनुभवों पर आधारित ये फिल्में युवा फिल्म निमार्ताओं की रचनात्मकता को उजागर करती हैं और लोगों, संस्कृति और समाज पर गहन चिंतन प्रस्तुत करती हैं।

रामेश्वरम हमसफर व स्वर्ण जयंती शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त कोच लगाने का निर्णय

(रघुनंदन पराशर/दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो,18 जून : उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक बसंत कुमार ने वीरवार को बताया कि रेलयात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समर सीजन के दौरान रेलवे ने विशेष व्यवस्था की है। यात्रियों को राहत देने के उद्देश्य से रेलवे ने निम्नलिखित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने का निर्णय लिया है।ट्रेन संख्या 20498 (फिरोजपुर कैंट-रामेश्वरम हमसफर एक्सप्रेस) में 20 जून 2026 को वातानुकूलित 3 टियर का एक अतिरिक्त कोच जोड़ा जाएगा । जबकि ट्रेन संख्या 12030 (अमृतसर-नई दिल्ली स्वर्ण जयंती शताब्दी एक्सप्रेस) में वातानुकूलित चेयर कार का एक अतिरिक्त कोच 20, 21 और 22 जून 2026 को जोड़ा जाएगा।फिरोजपुर मंडल रेलयात्रियों की सुविधा और बेहतर सफर के लिए लगातार प्रयासरत है। अतिरिक्त कोच लगाने से ट्रेनों में ज्यादा यात्री सफर कर सकेंगे और यात्रा आसान होगी।

यात्रियों से अनुरोध है कि वे रेल मदद संख्या 139 या नैशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम से अपडेट जानकारी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

19वां एमआईएफएफ 2026: वेव्स डॉक बाजार पुरस्कार समारोह के द्वितीय संस्करण की झलकियाँ

19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ 2026) में आज स्वतंत्र फिल्म निमार्ताओं को एक ऐतिहासिक क्षण देखने को मिला, जब वेव्स डॉक बाजार के द्वितीय संस्करण का बहुप्रतीक्षित पुरस्कार समारोह संपन्न हुआ। गैर-फिक्शन और लघु फिल्म प्रारूपों को महत्वपूर्ण प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से आयोजित इस डॉक बाजार के तहत उत्कृष्ट सिनेमाई परियोजनाओं को पोस्ट-प्रोडक्शन सहायता, सिनेमाघरों में प्रदर्शन हेतु सहयोग तथा नकद अनुदान प्रदान किए गए।प्रसाद लैब्स, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज(आईआईसीटी), रीबॉर्न इंडिया फिल्म्स तथा राष्ट्रीय फिल्म विकास निगम (एनएफडीसी) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा स्थापित इन पुरस्कारों का उद्देश्य देशभर के स्वतंत्र फिल्मकारों की सशक्त और प्रभावशाली कहानी कहने की कला को प्रोत्साहित करना है।

जेबी हॉल में 8 जून 2026 को आयोजित इस वर्ष के डॉक बाजार पुरस्कार समारोह की प्रमुख झलकियाँ प्रस्तुत हैं।

प्रसाद लैब्स पुरस्कार

प्रसाद लैब्स के महाप्रबंधक श्री. नितिन पिंगले 18 जून, 2026 को जेबी हॉल में 19वें मुंबई अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ 2026) के दौरान वेव्स डॉक बाजार के दूसरे संस्करण में फिल्म निमार्ता करिश्मा राव को उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'ऑन ए गुड नोट' के लिए प्रसाद लैब पोस्ट प्रोडक्शन अवार्ड पुरस्कार (प्रसाद लैब्स, चेन्नई में 50 घंटे तक मुफ्त 4के डीआई सेवाओं की पेशकश) प्रदान किया। प्रसाद लैब्स के महाप्रबंधक श्री नितिन पिंगले ने 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ 2026) के दौरान आयोजित वेव्स डॉक बाजार के द्वितीय संस्करण में फिल्म निमार्ता इंद्रजीत मोरे को उनकी फीचर डॉक्यूमेंट्री फिल्म इट टेक्स ए विलेज के लिए प्रसाद लैब्स पोस्ट-प्रोडक्शन पुरस्कार प्रदान किया। इस पुरस्कार के अंतर्गत प्रसाद लैब्स द्वारा अधिकतम 50 घंटे तक डिजिटल इंटरमीडिएट (डीआई) सेवाओं पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह समारोह 18 जून 2026 को जेबी हॉल में आयोजित किया गया।

आईआईसीटी पोस्ट-प्रोडक्शन पुरस्कार

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (आईआईसीटी) के निदेशक-शैक्षणिक श्री सतीश नारायणन ने 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ 2026) के दौरान आयोजित वेव्स डॉक बाजार के द्वितीय संस्करण में फिल्म निमार्ता नंदन सक्सेना और कविता बहल को उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म अदियू दिल्ली के लिए आईआईसीटी पोस्ट-प्रोडक्शन पुरस्कार प्रदान किया। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिएटिव टेक्नोलॉजीज (आईआईसीटी) के निदेशक- शैक्षणिक श्री सतीश नारायणन ने 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ 2026) के दौरान आयोजित वेव्स डॉक बाजार के द्वितीय संस्करण में फिल्म निमार्ता सान्या आनंद को उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म दो चार दिन के लिए आईआईसीटी पोस्ट-प्रोडक्शन पुरस्कार प्रदान किया। इस पुरस्कार के अंतर्गत 4के डिजिटल इंटरमीडिएट (डीआई) की 50 घंटे की सेवाओं पर 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। यह पुरस्कार समारोह 18 जून 2026 को जेबी हॉल में आयोजित किया गया।

रीबॉर्न इंडिया फिल्म्स वितरण पुरस्कार

रीबॉर्न इंडिया फिल्म्स के श्री राहुल अग्रवाल और श्री रोहित अग्रवाल ने 19वें मुंबई अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (एमआईएफएफ 2026) के दौरान आयोजित वेव्स डॉक बाजार के द्वितीय संस्करण में फिल्म निमार्ता करिश्मा राव को उनकी डॉक्यूमेंट्री फिल्म ऑन अ गुड नोट के लिए रीबॉर्न इंडिया फिल्म्स वितरण पुरस्कार प्रदान किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति कवरेज में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति नामांकन में ऐतिहासिक बढ़ोतरी मैट्रिक-पश्चात छात्रवृत्ति के तहत 6,208 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वितरण, जबकि मैट्रिक-पूर्व नामांकन में 143 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अपनी मैट्रिक-पूर्व और मैट्रिक-पश्चात छात्रवृत्ति योजनाओं के तहत पात्र अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति लाभों के कवरेज और वितरण में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए 2021-22 में मैट्रिक-पश्चात छात्रवृत्ति योजना और अनुसूचित जाति एवं अन्य के लिए 2022-23 में मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना के तहत प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) व्यवस्था शुरू होने के बाद से केंद्र सरकार की सहायता और लाभार्थियों की संख्या में लगातार वृद्धि देखी गई है। डीबीटी ढांचे ने लाभार्थियों के आधार-लिंक्ड बैंक खातों में सीधे धनराशि का हस्तांतरण सुनिश्चित करके छात्रवृत्ति वितरण में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता को मजबूत किया है। अनुसूचित जाति एवं अन्य वर्ग के लिए मैट्रिक-पूर्व छात्रवृत्ति योजना के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा 562.36 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई, जिससे डीबीटी के माध्यम से 26.79 लाख विद्यार्थियों को लाभ हुआ। यह 2022-23 में डीबीटी की शुरूआत के बाद से इस योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई अब तक की सबसे बड़ी राशि है।

इसी प्रकार, अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के लिए मैट्रिक-पश्चात छात्रवृत्ति योजना के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान केंद्र सरकार द्वारा 6,208.08 करोड़ रुपये की राशि वितरित की गई, जिससे डीबीटी के माध्यम से 47.53 लाख विद्यार्थियों को लाभ हुआ। यह 2021-22 में डीबीटी को अपनाने के बाद से इस योजना के तहत केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई अब तक की सबसे बड़ी राशि है। चालू वित्तीय वर्ष में लाभार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। अनुसूचित जाति एवं अन्य वर्ग के लिए

शिएट महाविद्यालय की छात्रा प्रिया पटेल का किया गया सम्मान

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। सरस्वती उच्च शिक्षा एवं तकनीकी स्नातकोत्तर महाविद्यालय गहनी आयर वाराणसी की स्नातकोत्तर (प्राचीन इतिहास) की छात्रा प्रिया पटेल के बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उत्तर प्रदेश बी.एड. संयुक्त प्रवेश परीक्षा - 2026-28 में प्रदेश में चतुर्थ स्थान (341.99 अंक) हासिल करने पर महाविद्यालय के उप-प्रबंधक नवीन कुमार सिंह और प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह ने स्मृति चिह्न और अंगवस्त्र देकर सम्मानित कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना दी।

उप-प्रबंधक नवीन कुमार सिंह ने कहा कि ये महाविद्यालय के लिए गौरव का क्षण है कि हमारे महाविद्यालय की छात्राएं प्रदेश स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रही हैं' उन्होंने कहा कि प्रिया पटेल अगर

महाविद्यालय से बी.एड. में प्रवेश लेती हैं तो उनकी पढ़ाई का पूरा खर्च महाविद्यालय (सरस्वती ट्रस्ट) वहन करेगी ' प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार सिंह ने प्रिया पटेल की उपलब्धि को सराहते हुए उनके मंगल भविष्य के लिए ढेर सारी शुभकामनाएं दीं और कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी समय - समय पर अकादमिक और खेल के माध्यम से देश और प्रदेश स्तर पर महाविद्यालय का नाम रौशन करते रहे हैं और भविष्य में ऐसे और भी मेधावी विद्यार्थियों को वैश्विक और देश-प्रदेश के पटल पर लाने के लिए महाविद्यालय प्रतिबद्ध है '
इस अवसर पर महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के प्राध्यापक/ प्राध्यापिका उपस्थित थे।

नशामुक्त समाज के निर्माण में परिवार की अहम भूमिका।

नुक्कड़ नाटक "मैकू" के माध्यम से नशा मुक्ति का संदेश दिया गया।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी जन कल्याण सोशल सोसाइटी के तत्वावधान में प्रेरणा कला मंच द्वारा कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की प्रसिद्ध नाट्यकथा मैकू पर आधारित नुक्कड़ नाटक का मंचन ग्राम पंचायत शिवरामपुर (अम्मापर), अहिरौली तथा आयर की दलित बस्तियों में किया गया।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से ग्रामीणों एवं बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशा मुक्ति के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान जन कल्याण सोशल सोसाइटी के समन्वयक उपस्थित अभिभावकों से अपील किया कि वे अपने बच्चों को किसी भी प्रकार के नशे से दूर रखें तथा नशे से संबंधित सामग्री के उपयोग को प्रोत्साहित न करें। उन्होंने कहा

कि नशामुक्त समाज के निर्माण में परिवार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

प्रेरणा कला मंच के कप्तान सुजीत कुमार के नेतृत्व में टीम के सदस्य अजीत गौरव, रणजीत कुमार, गणेश गौतम, विजय प्रकाश, अजय पटेल एवं कृष्णा आदि कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय एवं प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से दर्शकों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया।

ग्रामीणों ने कलाकारों की प्रस्तुति की सराहना करते हुए ऐसे जनजागरूकता कार्यक्रमों को समाज के लिए उपयोगी बताया।

शादी हुई मारपीट ताऊ को गोली लगने से मौत

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी। जयमाला के दौरान दूल्हा और दुल्हन पक्ष के बीच मारपीट हो गई। बीच-बचाव करने पहुंचे दूल्हे के पड़ोस के ताऊ की गोली लगने से मौत हो गई। आरोप है कि दुल्हन का भाई इस शादी से खुश नहीं था। उसने अपने साथियों के साथ समारोह में पहुंचकर हंगामा और मारपीट की।इसी दौरान दूल्हे के ताऊ ने बीच-बचाव करने की कोशिश की। परिजनों का आरोप है कि एक युवक ने तमंचा निकलाकर फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वह ताऊ बहादुर राम जमीन पर गिर पड़े। आनन-फानन में लोग उसे अस्तपाल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई।
घटना के बाद शादी की सभी रस्में रोक दी गईं और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने दूल्हा-दुल्हन को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घटना बुधवार रात राजातालाब थाना क्षेत्र के बगहा मिजार्पुर गांव में हुई।जयमाला के बाद समारोह में मारपीट शुरू हुई।
जयमाला के बाद समारोह में मारपीट शुरू हुई।

दुल्हन का भाई शादी से नाराज था

राजातालाब थाना क्षेत्र के मरूई गांव के रहने वाले हिमांशु राम की शादी बगहा मिजापुर गांव के रहने वाली रेखा देवी से हो रही थी। रेखा देवी के माता-पिता का निधन हो चुका है। रेखा का हिमांशु के साथ अफेयर चल रहा था। पिछले 2-3 महीने से रेखा हिमांशु के घर पर ही रह रही थी।
दुल्हन का भाई इस शादी से नाराज था। वह बहन की शादी हिमांशु से नहीं कराना चाहता था, ऐसे में विवाह का पूरा कार्यक्रम हिमांशु राम के घर पर ही हो रहा था। जयमाल की रस्म के बाद अन्य वैवाहिक कार्यक्रम चल रहे थे, तभी शादी से नाराज दुल्हन का भाई वहां पहुंच गया। वह विवाह का विरोध करने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे वहां से भगा दिया।
आरोप है कि कुछ देर बाद वह करीब 6 लोगों के साथ वापस लौटा। सभी वहां मौजूद लोगों के साथ मारपीट करने लगे। दूल्हे के ताऊ बहादुर राम (52) ने इसका विरोध किया। इस दौरान एक युवक ने तमंचा निकालकर फायरिंग कर दी।

निर्वाचन अधिकारियो का प्रशिक्षण संपन्न

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। प्राथमिक सहकारी समितियो का निर्वाचन कार्यक्रम 22 जून से प्रारंभ हो रहा है।
उक्त के क्रम मे चुनाव मे लगाये गए निर्वाचन अधिकारियो का प्रशिक्षण

सहायक आयुक्त कार्यक्रम विकास भवन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण मे लालजी एडीसीओ, अवधेशसिंह एडीसीओ ,विजय एडीसीओ ,बृजेश पटेल सीओ ने निर्वाचन के बारे मे निर्वाचन अधिकारियो को विस्तार से बताया।
संगीता वर्मा एडीसीओ ने आपत्तियाँ मिलने की दशा मे संयम रखते हुए नियमानुसार आपत्ति निस्तारण की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम मे प्रदीप मौर्य ,शैलेश श्रीवास्तव पुष्पा मौर्य मृत्युंजय आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर में बाइक सवार मामा-भांजा गंभीर रूप से घायल, तिलक से लौटते समय हुआ हादसा

समाज जागरण

मीरजापुर /लालगंज थाना क्षेत्र के हलिया लालगंज मार्ग रजई बाण सागर नहर पर बुधवार की रात्रि में ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर होने से बाइक सवार मामा भांजा गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने दोनों घायलों को एम्बुलेंस 108 से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज में भर्ती कराया जंहा पर चिकित्सक द्वारा दोनों की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है हलिया थाना क्षेत्र के बसुहरा से तिलक लेकर विजयपुर गए मामा-भांजा वापस लौटते समय रजई बाण सागर नहर पर ट्रैक्टर से टकरा गए। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए।घायलों में सुनील बिंद 22 वर्ष पुत्र लालजी बिंद निवासी बसुहरा और सुबाव गांव निवासी उनका मामा शामिल हैं। दोनों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में कच्चे मकान में लगी आग, एक लाख रुपए नकद सहित गृहस्थी का सामान जलकर राख

समाज जागरण

मीरजापुर /ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के लहुरियादह गांव में बुधवार की देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में खपरैल के मकान में आग लग गई। संयोग था कि घर के भीतर दो बच्चों के साथ सो रही गृहस्वामी की पत्नी की अचानक नींद खुल गई नही तो बच्चों सहित आग की चपेट में आने से बड़ा हादसा हो सकता था। लहुरियादह गांव निवासी पन्नालाल धइकार के खपरैल के मकान में देर रात एक बजे के करीब अज्ञात कारणों से आग लग गई। घटना के समय पन्ना लाल की पत्नी सोनू देवी अपने दो बच्चों के साथ घर के भीतर सो रही थी। घर में आग की लपटे उठने पर अचानक नींद खुली तो देखा कि घर धू धू कर जल रहा है।आनन फानन में दोनों बच्चों को जगाकर घर से बाहर निकालकर उनकी जान बचाई।आग बुझाने के लिए शोरगुल मचाने लगी। महिला की पुकार सुनकर डिब्बा बाल्टी में पानी लेकर ग्रामीण आग बुझाने के लिए दौड़े लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड कर्मी सोहनलाल,वेद प्रकाश, राजेश कुमार, सुभाष कुमार ने आग पर काबू पाया लेकिन तब तक घर के भीतर रखा एक लाख रुपए नकद सहित गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया। सूचना पर पहुंचे प्रभारी निरीक्षक ड्रमंडगंज राजेश कुमार ने घटना की जांच की। गृहस्वामी की पत्नी सोनू देवी ने बताया कि पति रोजगार के लिए बाहर गए हुए हैं। पति ने घर की छत बनवाने के लिए एक लाख रुपए दिया था जिसे अटैची में रखा था आग की चपेट में आने से घर बनाने के लिए रखा एक लाख रुपए जलकर राख हो गया। बताया कि घर के भीतर रखा खाद्य सामग्री,सोने चांदी के आभूषण,कूलर, मोबाइल फोन चारपाई, कपड़े आदि जलकर नष्ट हो गए। पीड़िता सोनू देवी ने तहसील प्रशासन से मुआवजे की मांग की है।

नवागत एसीपी पिंडरा का स्वागत, पूर्व की भावभीनी विदाई

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। पिंडरा तहसील परिसर मे आयोजित एक सम्मान समारोह में स्थानांतरित हुए एसीपी प्रतीक चौहान को भावभीनी विदाई दी गई, वहीं नवागत एसीपी प्रशांत सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।
कार्यक्रम में अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकताओं, पूर्व पुलिस कर्मियो और एसीपी कार्यालय के कर्मचारियो ने दोनों अधिकारियों के प्रति सम्मान व्यक्त किया।समारोह के दौरान पूर्व महामंत्री सुधीर कुमार सिंह ने एसीपी प्रतीक चौहान को अंगवस्त्रम और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। वही एडवोकेट पंधारी यादव ने नवागत एसीपी प्रशांत सिंह का अंग वस्त्र देकर स्वागत किया।

वक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंन कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाने, आमजन की समस्याओं के समाधान और पुलिस-जन संवाद को बेहतर बनाने मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उपस्थित लोगों ने उनके सरल व्यवहार, कार्यकुशलता और

जनसरोकारों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण की प्रशंसा की।

इस अवसर पर नवागत एसीपी प्रशांत सिंह का स्वागत करते हुए सभी ने उनके सफल कार्यकाल की कामना की और क्षेत्र के विकास तथा कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने मे सहयोग का भरोसा दिलाया। प्रशांत सिंह ने भी सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता की सुरक्षा, पारदर्शी कार्यशैली और बेहतर पुलिसिंग उनकी प्राथमिकता होगी।
कार्यक्रम मे पूर्व महामंत्री सुधीर कुमार सिंह, शिवपूजन सिंह एडवोकेट, पंधारी यादव एडवोकेट, गुड्डू खान एडवोकेट, जवाहरलाल वर्मा एडवोकेट, अजय गुप्ता एडवोकेट, संतलाल, संतोष सिंह, श्याम सुंदर पटेल, आलोक कुमार एडवोकेट, दीपक सैनी, पुष्पेंद्र कुमार एडवोकेट सहित फूलपुर थाना के स्टाफ और एसीपी कार्यालय के दीपक यादव, जितेंद्र यादव, बजरंगी व समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।
समारोह सौहार्दपूर्ण माहौल मे संपन्न हुआ, जहा एक ओर प्रतीक चौहान की सेवाओं को याद किया गया, वहीं दूसरी ओर प्रशांत सिंह के स्वागत के साथ नई जिम्मेदारियो और अपेक्षाओं की शुरूआत का संदेश भी दिया गया।

मीरजापुर में रफ्तार पकड़ रहा औद्योगिक विकास, 80 इकाइयों ने शुरू किया उत्पादन मुख्यमंत्री योगी की विकासवादी सोच से बदल रही मीरजापुर की तस्वीर

5 हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से मिला रोजगार निमार्णाधीन 20 औद्योगिक ईकाइयां भी जल्द शुरू करेंगी उत्पादन

समाज जागरण

मीरजापुर/ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की विकासवादी सोच से पिछड़े जिलों में शुमार मीरजापुर में औद्योगिक विकास अब रफ्तार पकड़ने लगा है। पारदर्शी प्रक्रिया के चलते जनपद में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से निवेश करने वाली 80 कंपनियों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है। इन 80 कंपनियों ने 1734 करोड़ रुपये की लागत से जनपद के विभिन्न स्थानों में ईकाइयां स्थापित की हैं, जहां पर पांच हजार से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्राप्त होने के साथ ही लगभग 10 हजार से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है। यह औद्योगिक विकास युवाओं के पलायन को रोकने में सहायक होने के साथ-साथ प्रदेश की अर्थव्यवस्था में मीरजापुर को भी मजबूत स्थान प्रदान करेगा।
जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र (डीआईसी) के उपायुक्त संदीप कुमार जनपद में औद्योगिक विकास को सुनिश्चित करने के लिए तेजी से कार्य किया जा रहा है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से जनपद में निवेश के लिए प्राप्त हुए प्रस्तावों में 104 प्रस्तावों को ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी) के लिए चिन्हित किया गया था। जिनमें से 80 ईकाइयों ने कार्य भी शुरू कर दिया है, जिससे 5238 युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिला है, जबकि एक अनुमान के मुताबिक 10 हजार से अधिक लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से

रोजगार की प्राप्ति हुई है। उन्होंने बताया कि 20 औद्योगिक ईकाइयां अभी निर्माण की अवस्था में हैं, जिनके जल्द संचालन को लेकर तेजी से कार्य किया जा रहा है। बताया कि मड़िहान में अडानी समूह द्वारा 18,300 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित किया जा रहा थर्मल पावर प्लांट भी जल्द ही शुरू होने की संभावना है। यह परियोजना मीरजापुर के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। इससे भारी मात्रा में युवाओं को रोजागार प्राप्त होने के साथ ही देश-प्रदेश की ऊर्जा जरूरत भी काफी हद तक पूरी होगी। बताया कि शेष 4 ईकाइयों की स्थापना को लेकर समस्त प्रक्रिया पूर्ण चुकी हैं। जल्द ही यह कंपनियों भी निर्माणकार्य शुरू करेंगी। बताया कि सभी 104 ईकाइयों के शुरू होने पर लगभग 13822 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा।

युद्ध स्तर पर किया जा रहा निवेशकों की समस्या का निस्तारण

इन्वेस्ट यूपी के रिलेशनशिप मैनेजर अखिलेश कुमार तिवारी ने बताया कि उत्पादन शुरू करने वाली प्रमुख ईकाइयों में 250 करोड़ की लागत से लालगंज में मेसर्स ब्रजदेव इथेनॉल प्रा.लि. द्वारा लगाया गया इथेनॉल का प्लांट है। इसके अलावा 325 करोड़ रुपये की लागत से मेसर्स अपेक्स वेलकेयर ट्रस्ट द्वारा आधुनिक सुविधायुक्त अस्पताल स्थापित किया गया है। अपोलो पाइप लिमिटेड द्वारा चुनार में पीवीसी पाइप बनाने का कारखाना स्थापित किया गया है। महामाया इस्पात द्वारा चुनार के दोहा में 151 करोड़ रुपये की लागत से स्टील मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित किया गया है। इसी तरह 50 करोड़ की लागत से चुनार के दोहा में ही ब्रिंजल ग्रीन एनर्जी द्वारा कंप्रेस्ड बायो गैस का प्लांट शुरू किया गया है व सगरा में मां अन्नपूर्णा एग्रो द्वारा स्थापित कारखाने से धान की भूसी से तेल का उत्पादन शुरू हो गया है। बताया कि औद्योगिक विकास को रफ्तार देने के लिए प्रशासन द्वारा निवेशकों की समस्या का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा रहा है जिससे जल्द से जल्द सभी औद्योगिक ईकाइयों से उत्पादन शुरू हो ताकि जनपदवासियों का तेजी से विकास सुनिश्वित हो सके।

चाकू के साथ एक व्यक्ति को पुलिस ने किया गिरफ्तार मुकदमा दर्ज

समाज जागरण

मीरजापुर /हलिया थाना क्षेत्र के हथेड़ा गांव स्थित पुरानी पानी टंकी के पास से बुधवार की रात्रि में पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति को चाकू के साथ गिरफ्तार कर व्यक्ति के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर व्यक्ति को निजी मुचलके पर छोड़ दिया है एसआई चरण सिंह मय हमराह हेड कांस्टेबल मंगला प्रसाद व अजीत मौर्य के साथ हथेड़ा गुलाब तिराहा पर मौजूद थे की मुखबिर ने सूचना दिया की एक व्यक्ति पुरानी पानी टंकी हथेड़ा के पास खड़ा है जिसके पास एक चाकू है जिस पर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर हथेड़ा गांव स्थित पानी टंकी के पास पहुंचकर राजपुर गांव निवासी असलम को चाकू के साथ गिरफ्तार कर व्यक्ति के विरुद्ध 4/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर व्यक्ति को निजी मुचलके पर छोड़ दिया है इस संबंध में थानाध्यक्ष राजीव कुमार श्रीवास्तव ने बताया की मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति को चाकू के साथ गिरफ्तार कर 4/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार व्यक्ति को निजी मुचलके पर छोड़ दिया गया है मामले की जांच पड़ताल किया जा रहा है

35 वर्षो से जलजमाव की मार झेल रहे मंगई क्षेत्र के किसान

किसान दिवस पर सीडीओ से लगाई न्याय की गुहार

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर
दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर। किसान दिवस के अवसर पर मंगई नदी से जुड़ी दशकों पुरानी और हजारों किसानों के जीवन को प्रभावित करने वाली गंभीर समस्या एक बार फिर प्रशासन के समक्ष उठाई गई। सामाजिक कार्यकर्ता एवं किसान हितैषी मृत्युंजय राय निवासी (राजापुर) ने मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर मंगई नदी में शारदा सहायक नहर का पानी छोड़े जाने से उत्पन्न हो रही जलजमाव की समस्या, किसानों को हो रहे आर्थिक नुकसान तथा अवैध मत्स्य गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की।
ज्ञापन में बताया गया कि पिछले लगभग 35 वर्षों से मंगई नदी में शारदा सहायक नहर का पानी छोड़े जाने के कारण गाजीपुर जनपद की मोहम्मदाबाद विधानसभा (378), जहूराबाद विधानसभा (377) तथा बलिया जनपद की फेफना विधानसभा (360) के अंतर्गत आने वाले करईल क्षेत्र की हजारों हेक्टेयर उपजाऊ कृषि भूमि रबी फसलों की बुवाई के समय तक जलमग्न रहती है। यह स्थिति किसानों के लिए किसी मानव निर्मित आपदा से कम नहीं है।
मृत्युंजय राय ने कहा कि देश की बड़ी-बड़ी नदियां बरसात के बाद अपने प्राकृतिक प्रवाह क्षेत्र में लौट जाती हैं, लेकिन मंगई नदी में कृत्रिम रूप से छोड़ा जाने वाला पानी अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर तक खेतों में जलभराव की स्थिति बनाए रखता है। परिणामस्वरूप किसान समय से गेहूं, चना, मसूर, सरसों एवं अन्य रबी फसलों की बुवाई नहीं कर पाते। विलंब से की गई बुवाई के कारण फसलों को पर्याप्त विकास अवधि नहीं मिलती और बदलते मौसम तथा बढ़ते तापमान के चलते उत्पादन बुरी तरह प्रभावित होता है।। उन्होंने बताया कि देर से बोई गई फसलों में फूल आने के समय अत्यधिक तापमान पड़ने से फूल झड़ जाते हैं, फलियों में दाना नहीं बनता तथा किसानों की लागत बार-बार डूब जाती है। इससे क्षेत्र के किसान आर्थिक संकट में फंसते जा रहे हैं।

लगातार नुकसान झेलने के कारण किसान कर्ज के बोझ तले दब रहे हैं, युवाओं का पलायन बढ़ रहा है और खेती से मोहभंग की स्थिति पैदा हो रही है।
ज्ञापन में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई कि किसानों द्वारा वर्षों से समस्या उठाए जाने के बावजूद आज तक इसका कोई स्थायी एवं वैज्ञानिक समाधान नहीं किया गया। कई बार प्रशासन द्वारा राहत एवं बचाव कार्यों का दावा किया जाता है, लेकिन वास्तविक रूप से प्रभावित किसानों को न तो पर्याप्त मुआवजा मिल पाता है और न ही फसल क्षति का समुचित आकलन किया जाता है। यहां तक कि विलंबित बुवाई एवं फसल नुकसान के बावजूद अनेक किसान सरकारी सहायता से वंचित रह जाते हैं।
मृत्युंजय राय ने प्रशासन का ध्यान इस ओर भी आकर्षित किया कि बरसात के दौरान मंगई नदी में बढ़े जलस्तर का फायदा उठाकर कुछ मत्स्य माफिया नदी के प्राकृतिक बहाव को अवरुद्ध कर अवैध रूप से मछली पकड़ने का कार्य करते हैं। नदी में अवैध बांधन और जाल लगाने से जलनिकासी प्रभावित होती है, जिससे खेतों में जलभराव की समस्या और गंभीर हो जाती है। उन्होंने ऐसे तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध समय रहते धारा 107/116 के तहत पाबंद किए जाने तथा नियमों के उल्लंघन पर कठोर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन से मांग की गई कि मंगई नदी एवं उससे प्रभावित क्षेत्रों का व्यापक सर्वेक्षण कराया जाए, जलजमाव के वास्तविक कारणों का वैज्ञानिक अध्ययन कराया जाए, किसानों को हुए नुकसान का आकलन कर उचित क्षतिपूर्ति दिलाई जाए तथा नदी की जलनिकासी व्यवस्था को सुदृढ़ कर समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।
किसान दिवस पर उठाई गई इस मांग को क्षेत्र के किसानों की वर्षों पुरानी पीड़ा और संघर्ष की आवाज बताते हुए किसान मृत्युंजय राय ने कहा कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में कृषि उत्पादन, किसानों की आर्थिक स्थिति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर इसका और गंभीर प्रभाव पड़ेगा।
मुख्य विकास अधिकारी आलोक प्रसाद ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित विभागों से मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया।

खेती बचाओ अभियान के अन्तर्गत प्राकृतिक खेती कार्यशाला का किया गया आयोजन

समाज जागरण

मीरजापुर / खेती बचाओ अभियान के अन्तर्गत प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन राजीव गांधी दक्षिणी परिसर, न्यू लेक्चर हाल, काशी हिन्दू विश्व विद्यालय, बरकछा, मीरजापुर में श्री दया शंकर मिश्र दयालु, मा0 आयुष राज्य मंत्री, उ0प्र0 सरकार की अध्यक्षता में किया गया।
दया शंकर मिश्र ह्यदयालुह्न, आयुष राज्य मंत्री, उ0प्र0 सरकार द्वारा बताया गया कि अन्धाधुन्ध एवं असंतुलित उर्वरकों के प्रयोग से प्राप्त अनाजों के सेवन से मानव जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है एवं साथ ही साथ मृदा की उर्वरता स्तर एवं मृदा स्वास्थ्य में निरन्तर गिरावट हो रही है। जिसको बचाने हेतु कृषक भाई प्राकृतिक खेती एक अच्छा विकल्प होगा। इस विद्या में मृदा स्वास्थ्य बढ़ोत्तरी के साथ पर्यावरण की गुणवत्ता भी लम्बे समय तक संरक्षित रहती है। प्राकृतिक खेती की शुरूआत करने हेतु देशी नस्ल के गाय एवं देशी बीज की आवश्यकता होती है।
सोहन लाल श्रीमाली, उपाध्यक्ष, राज्य, पिछड़ा वर्ग, आयोग उ0प्र0 सरकार द्वारा कृषकों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि किसान भाई अपनी अगली संतति को यदि रोग मुक्त करना चाहते है तो आज समय की मांग है कि फिर से गौ आधारित खेती की तरफ लौटे। किसान भाई खेती के साथ में कम से कम एक गौ का पालन करें, गौ से प्राप्त दुग्ध को बेचकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते है।
रत्नाकर मिश्र, विधायक नगर द्वारा कार्यक्रम में कृषकों को सम्बोधित करते हुए बताया गया कि भारत वर्ष एक कृषि प्रधान देश है। भारत वर्ष में वैदिक काल से ही खेती में देशी गाय के गोबर का बड़ा ही महत्व रहा है। हरित क्रान्ति के बाद अन्धाधुन्ध उत्पादन प्राप्त करने हेतु मिट्टी के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। अब वक्त आ गया है कि मिट्टी, पर्यावरण एवं मानव स्वास्थ्य को उत्तम टिकाऊ बनाने के लिए प्राकृतिक खेती एक अच्छा विकल्प है। इसमें देशी गाय के गोबर, गोमूत्र इत्यादि का प्रयोग करके खेती की

जाती है। जिससे मिट्टी के अन्दर लाभदायक जीवाणु की वृद्धि होती है।
अनुराग सिंह, विधायक चुनार द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित कृषकों को बताया गया कि कृषक भाई अब समय की मांग है प्राकृतिक खेती के साथ श्रीअन्न फसलों का उत्पादन किया जाए जिससे सुपर अलनीनो के प्रभाव के कारण सम्भावित सूखा के भी स्थिति में अच्छा उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।
श्याम सुन्दर केशरी, नगर पालिका अध्यक्ष, मीरजापुर द्वारा उपस्थित कृषकों को बताया गया कि कृषक भाई प्राकृतिक खेती अपनाकर अपने जीवन को स्वास्थ्य पूर्ण कर सकते है। साथ ही इससे प्राप्त उत्पाद को अच्छे दाम पर बेचकर अच्छी आमदनी प्राप्त कर सकते है। अब खेती, खेती को उद्योग के तरह करके अपनी आय को दोगुना वृद्धि कर सकते है।
रिंकी कोल, विधायक छानबे द्वारा कृषकों को सम्बोधित करते हुए कहा गया कि किसान भाई प्राकृतिक खेती अपनाकर अपने जीवन में सुधार लाए एवं उनके उत्पाद से अच्छी आमदनी प्राप्त कर अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते है।
सुचिस्मिता मौर्या, विधायक मझवां द्वारा बताया गया कि खेती के साथ बागवानी, पशुपालन, मौन पालन एवं सब्जी उत्पादन करके कृषक भाई अपनी आय में वृद्धि कर सकते है।
लोक भारती प्रयागराज से आये उदित नरायण शुक्ला द्वारा कृषकों को बताया गया कि प्राकृतिक खेती, जैविक खेती से निकला हुआ एक विद्या है जिसमें केवल एक देशी गाय से एक एकड़ खेती प्राकृतिक रूप से किया जा सकता है। इस खेती पद्धति में श्री शुक्ला ने बीजामृत, जीवामृत आच्छादन एवं वापसा पर विस्तृत चर्चा कृषकों के बीच किया एवं उसके प्रयोग के बारे में विस्तार से बताया गया।
कृषि विज्ञान केन्द्र के अध्यक्ष डा0 श्रीराम सिंह द्वारा बताया गया कि प्राकृतिक खेती में देशी गाय एवं देशी बीज का समावेश आवश्यक है। देशी गाय के गोबर एवं गौमूत्र से बीजामृत, जीवामृत एवं घनजीवामृत पर चर्चा के साथ ही साथ गाजर के घास पर नियंत्रण हेतु विस्तार से बताया गया।
उप कृषि निदेशक श्री विकेश कुमार द्वारा उपस्थित कृषकों को कृषि विभाग द्वारा चलायी जा रही योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।
प्राकृतिक खेती कार्यशाला में कृषि विभाग, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, फसल बीमा, रेशम, एनआरएलएम एवं अन्य विभागों द्वारा स्टाल लगाया गया। कार्यशाला में लगभग 800 कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्री विशाल कुमार भी उपस्थित रहें। कार्यक्रम की समाप्ति डा0 अवधेश कुमार यादव, जिला कृषि अधिकारी, मीरजापुर द्वारा उपस्थित अतिथि व कृषकों को धन्यवाद देकर किया गया।

जनसुनवाई या केवल औपचारिकता ? बसखला में उठे कई सवाल

समाज जागरण अनूपपुर।

अनूपपुर जिले के बसखला में आयोजित अदानी समूह की पर्यावरणीय जनसुनवाई समाप्त होने के बाद भी विवादों में घिरी हुई है। ग्रामीणों के बीच कथित लिफाफा संस्कृति, बिचौलियों की सक्रियता और बड़ी संख्या में बाउंसरों की मौजूदगी को लेकर चचाएं जारी हैं।

हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस क्षेत्र में खनन प्रस्तावित है, वहां जनसुनवाई कराने के बजाय लगभग 10 किलोमीटर दूर सुनसान स्थान का चयन क्यों किया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रभावित गांवों तक जनसुनवाई की जानकारी पर्याप्त रूप से नहीं पहुंचाई गई, जिससे कई लोग प्रक्रिया से वंचित रह गए।

जनसुनवाई के दौरान कुछ लोगों ने आरोप लगाया कि उन्हें अपनी बात पूरी तरह रखने का अवसर नहीं मिला और कई महत्वपूर्ण सवालों के स्पष्ट जवाब भी नहीं दिए गए।

किसानों में भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर भी असमंजस बना हुआ है।

करीब तीन दर्जन बाउंसरों की मौजूदगी ने भी लोगों के बीच सवाल खड़े किए हैं।

वहीं, लिखित आपत्तियों और आवेदनों की रिसी विंग देने में कथित अनियमित ताओं की चर्चा ने प्रक्रिया की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं।

पाली स्वास्थ्य केंद्र पर उठे सवाल भाजपा मंडल अध्यक्ष के पत्र क्या रंग लायेगा

समाज जागरण

उमरिया --- उमरिया जिले के पाली तहसील में स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पाली में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर जन सामान्य को हो रही असुविधाओं को लेकर पाली मंडल अध्यक्ष श्रीमती राधा विजय तिवारी ने विरोध के श्वर मुखर कर दिया है। इस मामले को लेकर उमरिया जिले के प्रभारी मंत्री एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के मंत्री नागर सिंह चौहान को पाली दौरे के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली की स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर महत्वपूर्ण ज्ञापन सौंपा है । ज्ञापन में खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुट्टू लाल सागर की अकुशल कार्य शैली के चलते उनका स्थानांतरण कर एक कार्य कुशल मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी की पद स्थापना की मांग की है ।बताया जाता है कि जब से उक्त चिकित्सा अधिकारी पाली में पदस्थ हुये हैं,तब से पाली का स्वास्थ्य महकमा सदा ही सवालों के घेरे में बना रहा है,जिससे कतिपय अधिकारियों की कार्य शैली से भारतीय जनता पार्टी की छबि खराब हो रही है। मंडल अध्यक्ष ने खंड चिकित्सा अधिकारी के कार्य काल की विस्तृत जांच इनको हटाते हुए करने की मांग की हैं।

सरकार की छबि पर लग रहा धब्बा

मध्यप्रदेश की यशस्वी सरकार जन जन तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का अनवरत प्रयास कर रही है, फिर भी पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की स्वास्थ्य सेवाएं लंबे समय से अव्यवस्थाओं का शिकार हैं, जिससे क्षेत्र के मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंडल अध्यक्ष ने कहा कि अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर लगातार नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, लेकिन हालात में अपेक्षित सुधार देखने को नहीं मिला है। ज्ञापन के अनुसार खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुट्टू लाल सागर नियमित रूप से अस्पताल में उपस्थित नहीं रहते और कार्यस्थल के बजाय वह शहडोल में निवास करते हैं। जिससे कभी भी समय पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपलब्ध नहीं रहते हैं। यद्यपि उनके इस निरकुंशता पर कभी विभागीय अधिकारियों के व्दारा सवाल खड़े नही किये जाते अगर कोई इससे इतर प्रशासनिक अधिकारी सवाल कर ही लिये तो क्षेत्र का दौरा बताकर बच निकलते हैं ,जिससे मरीजों को समय पर चिकित्सा सुविधा नहीं मिल पाती। कई बार अस्पताल में चिकित्सकों की अनुपलब्धता के कारण मरीजों को बिना उपचार लौटना पड़ता है, जबकि आवश्यक दवाओं के अभाव में उन्हें बाजार से दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ता है। स्वास्थ्य केंद्र की आधारभूत सुविधाओं को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि अस्पताल परिसर में स्वच्छ पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है तथा साफ-सफाई की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। इतना ही नहीं, टिटनेस इंजेक्शन जैसी बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता पर भी समय-समय पर प्रश्न खड़े होते रहे हैं।

ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि पूर्व में कुछ मरीजों को निजी पैथोलॉजी केंद्रों में जांच कराने की सलाह दिए जाने की शिकायतें सामने आई थीं, जिनकी खबरें समाचार पत्रों में भी प्रकाशित हो चुकी हैं। इससे सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर सवाल उठे हैं।

भाजपा मंडल अध्यक्ष राधा विजय तिवारी ने प्रभारी मंत्री से मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाली का औचक निरीक्षण कराया जाए और संपूर्ण कार्यप्रणाली की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही जनहित को ध्यान में रखते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुट्टू लाल सागर का स्थानांतरण अन्यत्र किया जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर और सुचारू स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकें।

ज्ञापन सौंपे जाने के बाद पाली क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अब लोगों की निगाहें प्रशासन और शासन की आगामी कार्रवाई पर टिकी हुई हैं की भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष ने जो क्षेत्र की जनता के हित में मांग की है वह पत्र क्या रंग बिखेरेगा।

तीन दिनों से पानी की एक-एक बूंद को तरसे लहसुई कैंप के परिवार

पेयजल संकट के समाधान के लिए श्रमिक संगठनों और एसईसीएल प्रबंधन ने संभाला मोर्चा, जल्द व्यवस्था बहाल करने के प्रयास तेज

समाज जागरण

जमुना कोतमा। एसईसीएल क्षेत्र अंतर्गत लहसुई कैंप में पिछले तीन दिनों से गहराए पेयजल संकट ने स्थानीय रहवासियों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। भीषण गर्मी के बीच पानी की आपूर्ति ठप होने से श्रमिक परिवारों को दैनिक जरूरतों के लिए भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। घरों में पेयजल उपलब्ध नहीं होने से महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को दूर-दराज के स्थानों से पानी की व्यवस्था करनी पड़ रही है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए श्रमिक संगठनों ने तत्काल हस्तक्षेप करते हुए एसईसीएल प्रबंधन से चर्चा की और समस्या के स्थायी समाधान की मांग उठाई। श्रमिक नेताओं ने कहा कि पेयजल जैसी मूलभूत आवश यकता में लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है और प्रभावित परिवारों को जल्द राहत मिलनी चाहिए। मामले की जानकारी मिलते ही एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारी भी सक्रिय हुए और तकनीकी टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया। जल आपूर्ति व्यवस्था में आई खराबी को दूर करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य प्रारंभ किया गया। अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण कर नियमित जलापूर्ति बहाल की जाएगी। श्रमिक संगठनों और प्रबंधन के संयुक्त प्रयास से प्रभावित क्षेत्र में वैकल्पिक जल व्यवस्था करने के साथ-साथ स्थायी समाधान के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। स्थानीय नागरिकों ने उम्मीद जताई है कि लंबे समय से चली आ रही इस समस्या का समाधान जल्द होगा और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न नहीं होगी। लहसुई कैंप में उत्पन्न यह संकट एक बार फिर यह सोचने को मजबूर करता है कि श्रमिक बस्तियों में मूलभूत सुविधाओं की नियमित निगरानी और मजबूत व्यवस्था कितनी आवश्यक है।

समय रहते समस्या का समाधान कर श्रमिक परिवारों को राहत प्रदान करना प्रबंधन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

नितिन नवीन की नई टीम में होगी शहडोल की धमक भाजपा राष्ट्रीय सचिव बन सकती हैं सांसद हिमाद्री सिंह- नए आदिवासी चेहरे को संगठन में भागीदारी मिलने की प्रबल संभावना।

समाज जागरण उमरिया

युवा बेदाग महिला सांसद बनेंगी राष्ट्रीय पटल पर आदिवासीयों की आवाज भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय क्षितिज पर सांगठनिक पुनर्गठन की सुगबुगाहट के बीच विंध्य और महाकौशल के केंद्र शहडोल के लिए एक गौरवमयी खबर छनकर आ रही है। उच्च पदस्थ सूत्रों की मानें तो भाजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की आगामी केंद्रीय टीम में शहडोल की लोकप्रिय सांसद हिमाद्री सिंह को एक महत्वपूर्ण और बड़ी सांगठनिक जिम्मेदारी मिलना लगभग तय माना जा रहा है। नितिन नवीन की इस नई और ऊजार्वान टीम में शहडोल की यह एंट्री न केवल इस जनजातीय बहुल क्षेत्र के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को एक नया आयाम देगी, बल्कि राष्ट्रीय पटल पर शहडोल के हक और हिस्सेदारी को भी मजबूती से रेखांकित करेगी।

केंद्रीय राजनीति के गलियारों में इस चर्चा ने शहडोल से लेकर भोपाल तक के सियासी तापमान और जन-उत्साह को बढ़ा दिया है ।हिमाद्री सिंह का इस शीर्ष पद के लिए चयन अकारण नहीं है, बल्कि यह उनके अथक परिश्रम और जन-आकांक्षाओं पर लगातार खरे उतरने का प्रतिफल है। संसदीय चुनावों में लगातार दो बार रिकॉर्ड मतों के विशाल अंतर से विजय पताका फहराकर उन्होंने साबित किया है कि जनता के दिलों में उनका स्थान कितना गहरा है। अपनी बेदाग, निष्कलंक और साफ-सुथरी छवि के लिए पहचानी जाने वाली हिमाद्री सिंह ने अपने क्षेत्र में विकासशील नेतृत्व की एक ऐसी नई मिसाल पेश की है, जहां राजनीति सत्ता का माध्यम नहीं बल्कि जनसेवा का अनुष्ठान बन जाती है। उनकी

सौम्यता, दूरदर्शिता और क्षेत्र के चहुंमुखी विकास के प्रति अटूट कर्मठता ने ही आज उन्हें केंद्रीय नेतृत्व की पहली पसंद बना दिया है ।वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यदि मध्य प्रदेश से संसद के भीतर अपनी प्रखर मेधा, वैचारिक स्पष्टता और विजन रखने वाली महिला जनप्रतिनिधियों की बात की जाए, तो हिमाद्री सिंह का नाम निश्चित रूप से प्रथम पंक्ति में सबसे ऊपर आता है। उच्च शिक्षित, सुसंस्कृत और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रव्यापी दृष्टिकोण को पूरी प्रखरता के साथ देश के सर्वोच्च सदन में रखने वाली हिमाद्री सिंह आज देश में एक सशक्त आदिवासी युवा चेहरा और महिला सशक्तीकरण की जीवंत प्रतिमूर्ति बन चुकी हैं लोक-कल्याण और जनजातीय अस्मिता के मुद्दों पर उनकी तार्किक और ओजस्वी प्रस्तुति ने न केवल अपनी एक अमिट छाप छोड़ी है, बल्कि भाजपा के मूल मंत्र 'अंत्योदय' को भी धरातल पर जीवंत किया है। नितिन नवीन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में हिमाद्री सिंह के इस संभावित समावेशन को शहडोल संभाग के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि के रूप में देखा जा रहा है। वर्षों से राष्ट्रीय मुख्यधारा की राजनीति से दूर रहे इस वनांचल की आवाज अब सीधे देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल के नीति-निर्धारक मंच पर गूंजेगी। यह निर्णय इस बात का भी परिचायक होगा कि भाजपा का शीर्ष नेतृत्व अब देश के सुदूर अंचलों में छिपी योग्य

और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय फलक सौंपने के लिए पूरी तरह संकल्पित है। हिमाद्री सिंह के इस बढ़ते कद से निश्चित तौर पर शहडोल के विकास को नए पंख लगेंगे और क्षेत्र का हर नागरिक खुद को इस राष्ट्रीय गौरव का हिस्सा महसूस करेगा ।सत्ता नहीं संगठन में भागीदारी-

जन कल्याण शिविर से हितग्राहियों को मिला लाभ

खंड स्तरीय जन कल्याण शिविर में पांच हजार से अधिक हुए लाभान्वित

समाज जागरण

बिरसिंहपुर पाली --- खंड स्तरीय त्रिदिवसीय जन कल्याण शिविर का सफल आयोजन उमरिया जिले के पाली विकास खंड के अमिलिहा ग्राम पंचायत के सामुदायिक भवन में आज संपन्न हुआ। इस त्रिदिवसीय जन कल्याण शिविर में पाली विकास खंड के सभी ग्राम पंचायतों के पात्र हितग्राहियों ने शिविर में भाग लेकर सरकार की योजनाओं का लाभ उठाया। विदित होवे की इस त्रिदिवसीय जन कल्याण शिविर में 5188 हितग्राहियों ने भाग लिया, जिसमें से 3696 हितग्राहियों को मौके पर लाभ मिला जबकि 1752 पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने की प्रक्रिया धीन है। जनपद पंचायत पाली के मुख्य कार्य पालन अधिकारी कुंअर कन्हाई ने बताया की मध्य प्रदेश शासन के व्दारा समाज के अंतिम छोर के व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का गुरूतर लाभ मिले, पात्र हितग्राहियों को एक ही छत के नीचे सुविधाओं का लाभ दिलाने के लिए खंड स्तरीय जन कल्याण शिविर का आयोजन किया गया था, जिसमें दुरांचल के लोगों ने अधिकाधिक संख्या में भाग लिया है। इस शिविर के माध्यम से अलग अलग विभागों के आवेदन पत्र प्राप्त हुये हैं, जिनका मौके पर निपटारा किया गया है, जो आवेदन प्रक्रिया धीन है उनका भी शीघ्र निपटारा किया गया। जन कल्याण शिविर में सभी विभागों के स्टाल लगाये गये थे, जिसमें सभी विभागों के आवेदन पत्र हासिल कर विधिवत आन लाइन रजिस्टेशन कर उन्हें निराकृत करने का प्रयास किया गया।

इस शिविर के द्वितीय दिवस में जिले के प्रभारी मंत्री ने शिरकत कर इस शिविर को अधिक जनोपयोगी बना दिया। खंड स्तरीय शिविर में मिले सीधे लाभ से नागरिकों में व्यापक खुशी देखी जा रही हैं।

विकसित भारत को लेकर प्रबुद्ध वर्ग एवं व्यापारी सम्मेलन संपन्न

समाज जागरण जिला संवाददाता उदय सिंह लोधी

दमोह - देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र निर्माण के 12 गौरवशाली वर्षों की उपलब्धियों एवं विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रबुद्ध वर्ग एवं व्यापारी सम्मेलन का आयोजन पी.जी. कॉलेज ऑडिटोरियम, दमोह में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले के प्रबुद्ध जन, व्यापारी, उद्योगपति, चिकित्सक, अधिवक्ता, शिक्षाविद् एवं सामाजिक कार्यकताओं की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद राहुल सिंह, कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने की। साथ ही जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीता पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू कटारे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रीति ठाकुर, किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री गोपाल पटेल एवं जिला महामंत्री रामेश्वर चौधरी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सांसद राहुल सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। आज देश की अर्थव्यवस्था विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बना रही है और भारत वैश्विक मंच पर एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं निर्णायक भूमिका निभाने वाला राष्ट्र बन चुका है। केंद्र सरकार की योजनाओं चाहे वह गरीब कल्याण हो, किसानों के उत्थान की योजनाएं हों, महिलाओं के सशक्तिकरण की पहल हो या युवाओं के लिए रोजगार एवं स्टार्टअप के अवसर–सभी ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाने का कार्य किया है। विकसित भारत केवल सरकार का संकल्प नहीं, बल्कि 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक सपना है। इसे साकार करने के लिए प्रबुद्ध वर्ग, व्यापारी समाज और युवाओं की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी से आह्वान किया कि वे सकारात्मक सोच के साथ राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में सक्रिय सहयोग दें और समाज में जागरूकता फैलाएं।

भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि केंद्र सरकार की जनहितकारी नीतियों और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए भारतीय जनता पार्टी सतत कार्य कर रही है। आज देश में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की भावना के साथ कार्य हो रहा है, जिसके परिणामस्वरूप समाज के हर वर्ग में विश्वास और विकास की भावना मजबूत हुई है। प्रबुद्धजनों एवं व्यापारियों से कहा कि सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों एवं नीतियों को आमजन तक पहुंचाने में सेतु की भूमिका निभाएं। साथ ही उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उनके सहयोग से ही विकसित भारत का सपना तेजी से साकार हो सकता है। संगठन निरंतर समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद स्थापित कर रहा है, जिससे विकास की योजनाओं का प्रभाव और अधिक व्यापक रूप से देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम प्रभारी संजय यादव, आभार अमर ठाकुर ने किया। कार्यक्रम का सफल आयोजन जिला उपाध्यक्ष मनीष तिवारी, अनुपम सोनी जिला संयोजक व्यावसायिक प्रकोष्ठ, जुगल अग्रवाल जिला संयोजक व्यापारी प्रकोष्ठ के संयोजन में हुआ।

नगरपालिका के पूर्व सीएमओ पर गंभीर आरोप, 52 महत्वपूर्ण फाइलें वापस नहीं करने से विकास कार्य प्रभावित

समाज जागरण

शहडोल। नगर पालिका परिषद शहडोल के अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल ने तत्कालीन मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) पर कार्यालय की 52 महत्वपूर्ण फाइलें वापस नहीं करने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने कलेक्टर शहडोल को पत्र लिखकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

अध्यक्ष द्वारा 18 जून 2026 को भेजे गए पत्र में बताया गया है कि मध्यप्रदेश शासन के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के आदेश के तहत श्री निशांत सिंह ठाकुर ने 3 जून 2026 को मुख्य नगर पालिका अधिकारी का पदभार ग्रहण किया था। वहीं तत्कालीन सीएमओ श्रीमती आशा मेहरा (भण्डारी) को कार्यमुक्त कर दिया गया था। पत्र के अनुसार, कार्यभार परिवर्तन के दौरान तत्कालीन सीएमओ के पास कार्यालय की 52 महत्वपूर्ण फाइलें लंबित थीं, जिन्हें अब तक वापस नहीं किया गया है। वर्तमान सीएमओ द्वारा 10 जून 2026 को वरिष्ठ कार्यालय को इसकी जानकारी दी गई थी तथा संबंधित अधिकारी को व्हाट्सएप के माध्यम से भी फाइलें उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया, लेकिन अब तक फाइलें प्राप्त नहीं हुई हैं। नगरपालिका अध्यक्ष ने बताया कि इन फाइलों में शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं, सोन वर्षा उद्यान निर्माण, डोर-टू-डोर वेस्ट मैनेजमेंट, विभिन्न निर्माण कार्यों, निविदाओं, सामग्री क्रय तथा अन्य विकास कार्यों से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेज शामिल हैं। फाइलें उपलब्ध न होने के कारण कई विकास कार्यों और कार्यालयीन प्रक्रियाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि संबंधित निर्माण कार्यों से जुड़ी नई निविदाएं जारी करने सहित अन्य प्रशासनिक कार्य भी फाइलों के अभाव में प्रभावित हो रहे हैं। अध्यक्ष ने कलेक्टर से मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल आवश्यक निर्देश जारी कर फाइलें वापस दिलाने और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने हज समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की; हज-2026 के आयोजन की समीक्षा के साथ-साथ उन्होंने हज-2027 की रूपरेखा तैयार की

भारतीय हज मिशन को पहली बार हज के दौरान बेहतर तालमेल एवं संवाद के लिए दो 'लब्बैतुम अवॉर्ड' प्राप्त हुए केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य एवं संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू की अध्यक्षता में अल्प संख्यक कार्य मंत्रालय ने हज-2026 के आयोजन की समीक्षा करने एवं हज-2027 की रूपरेखा तैयार करने के लिए 18 जून 2026 को नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (डीएआईसी) में हज समीक्षा की बैठक हुई।

इस बैठक में डॉ. श्रीवत्स कृष्णा, सचिव, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय; सुश्री श्रीप्रिया रंगनाथन, सचिव (सीपीवी और ओआईए), विदेश मंत्रालय; अल्पसंख्यक कार्य, विदेश मामलों, नागरिक उड्डयन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और गृह मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी; और हज समिति ऑफ इंडिया, बीआईएसएजी-एन और अन्य संबंधित पक्षों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने हज-2026 के सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त किया जिसमें लगभग 1.75 लाख भारतीयों ने हज यात्रा की। उन्होंने इसका श्रेय संबंधित सभी मंत्रालयों और विभागों, हज कमिटी ऑफ इंडिया, राज्य हज कमिटियों, सऊदी अरब में भारतीय हज मिशन और सऊदी अधिकारियों के समर्पण एवं समन्वित प्रयासों को दिया, जिनके सामूहिक योगदान से यह यात्रा सुचारू, सुरक्षित एवं सम्मानजनक रूप से संपन्न हुई।

इतिहास में पहली बार, सऊदी हज एवं उमराह मंत्रालय ने हज के समापन पर आयोजित 'खितामहू मिस्क' समारोह में ह्लसर्वश्रेष्ठ हज समन्वय एवं संचारह्व श्रेणी के अंतर्गत भारतीय हज मिशन को दो 'लब्बैतुम अवॉर्ड' प्रदान किए। यह अवॉर्ड हज-2026 के दौरान भारतीय हज यात्रियों के लिए बेहतरीन सुविधा एवं कल्याणकारी कार्यों को स्वीकृति प्रदान करता है और हज यात्रा सेवा में उत्कृष्टता के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

हज-2026 में हज यात्रियों को सुविधा प्रदान करने के लिए कई कदम उठाए गए। मीना में उन्हें सोफा-कम-बिस्तर की सुविधा प्रदान की गई, जिससे उन्हें हज के सबसे मुश्किल दिनों में आराम मिला; 62,500 हज यात्रियों ने मक्का से मदीना तक हाई-स्पीड ट्रेन से यात्रा की, जिससे यात्रा में बहुत कम समय लगा; और मक्का में होटल में रहने की सुविधा और 20 दिन का 'शॉर्ट हज पैकेज' शुरू किया गया, जिसका लाभ लगभग 10,500 यात्रियों को मिला, जिनमें मुख्य रूप से कामकाजी पेशेवर शामिल थे।

प्रौद्योगिकी-आधारित सुधारों ने पारदर्शिता, सुरक्षा एवं सेवा प्रक्रिया को और बेहतर बनाया, जिसमें सऊदी नुसुक प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण, ऑनलाइन फ्लाइट बुकिंग और एक मजबूत डिजिटल शिकायत निवारण प्रणाली शामिल है। मदीना में सभी भारतीय हज यात्रियों को मार्काज़िया क्षेत्र में रखा गया, जिससे उन्हें बेहतर पहुंच एवं सुविधा प्राप्त हुई।

क्षेत्र की मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बावजूद, इस अभियान को 400 उड़ानों के माध्यम से पूरा किया गया, जिसमें व्यापक परिवहन, संपूर्ण चिकित्सा सुविधाएँ, चिकित्सा एवं प्रशासनिक टीमों की तैनाती, मीना कैंपों में एक समर्पित चिकित्सा टीम और भारतीय हज मिशन द्वारा चौबीसों घंटे सहायता शामिल थी।

इस बैठक में कृत्रिम बुद्धिमत्ता मध्यवर्तनों की एक उभरती भूमिका की समीक्षा की गई ताकि हज यात्रियों के प्रबंधन को शुरू से अंत तक बेहतर बनाया जा सके, जिसमें हिंदी, उर्दू और मुख्य क्षेत्रीय भाषाओं में 247 बहुभाषी वॉइस-आधारित समर्थन प्रणाली, एआई-सहायता प्राप्त अनुप्रयोग एवं दस्तावेज सत्यापन, प्रस्थान बिंदुओं पर उड़ानों के आवंटन के लिए मांग मॉडलिंग और रियल-टाइम शिकायत ट्रैकिंग एवं प्रसार शामिल हैं। सरकार के प्रौद्योगिकी-आधारित हज के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए इन्हें चरणबद्ध तरीके से लागू करने की योजना है। आगे की तैयारियों का अवलोकन करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने सभी संबंधित मंत्रालयों, एजेंसियों, भारतीय हज कमिटी और अन्य हितधारकों को हज-2027 की तैयारियों को प्राथमिकता के आधार पर शुरू करने का निर्देश दिया। इन तैयारियों में कोटा आवंटन, पात्रता एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताएं, हवाई यात्रा की व्यवस्था, आवास, परिवहन, मीना में सुविधाएं, चिकित्सा संबंधी तैयारी और प्रौद्योगिकी का बड़े पैमाने पर उपयोग शामिल है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इसकी सफलता के लिए निर्धारित समय-सीमा के अनुसार सऊदी हज एवं उमराह मंत्रालय के साथ लगातार तालमेल बहुत आवश्यक है जिससे प्रत्येक हज यात्री के लिए बेहतर आराम, सुरक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित हो सके और इसके लिए 07 नवंबर 2026 को भारत और सऊदी अरब के बीच हज-2027 के लिए द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि हज नीति-2027 की घोषणा जल्द ही की जाएगी, जिसके बाद भारतीय हज समिति संभावित हज यात्रियों से आवेदन मंगाएगी, जिससे आवेदन प्रक्रिया जल्दी शुरू हो सकेगी।

पुलिस मुठभेड़ में 50 हजार का इनामी गो-तस्कर समेत तीन गिरफ्तार, 6 गोवंश बरामद

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। जनपद पुलिस ने गो-तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश समेत तीन शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मुठभेड़ के दौरान दो तस्कर घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल लोढ़ी में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे, कारतूस तथा छह गोवंश बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में अपराध एवं गो-तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत रायपुर, पन्नुगंज, रॉबर्ट्सगंज पुलिस तथा एसओजी और सर्विलांस टीम को यह सफलता मिली। पुलिस को देर रात लगभग 1:15 बजे सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप वाहन से गोवंशों को मधुपुर-नौगढ़-चकरघट्टा मार्ग के रास्ते बिहार ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही संयुक्त पुलिस टीम सक्रिय हो गई और थाना रायपुर क्षेत्र के सारसोत के पास बैरियर लगाकर घेराबंदी शुरू कर दी गई। कुछ देर बाद संदिग्ध पिकअप वाहन मौके पर पहुंचा। पुलिस द्वारा वाहन रोकने का प्रयास किए जाने पर चालक ने बैरिकेडिंग तोड़ते हुए भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने वाहन का पीछा किया, लेकिन कुछ दूरी पर वाहन पंचर हो गया। इसके बाद वाहन सवार तस्करों ने गिरफ्तारी से बचने और भागने के

उद्देश्य से पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दो अभियुक्त घायल होकर गिर पड़े। इसके बाद पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों सहित एक अन्य आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान विकास यादव पुत्र बुट्टन यादव निवासी झरिया, थाना चैनपुर, जिला कैमूर (बिहार), मेराज कुरैशी पुत्र अकबर कुरैशी निवासी चैनपुर, जिला कैमूर (बिहार) तथा विजय प्रताप यादव उर्फ वकील यादव पुत्र सीताराम निवासी हथिनी, थाना चकरघट्टा, जनपद चंदौली के रूप में हुई है। विकास यादव पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था। तलाशी के दौरान विकास यादव और मेराज कुरैशी के कब्जे से एक-एक अवैध तमंचा .315 बोर, दो जिंदा कारतूस और चार खोखा कारतूस बरामद किए गए। वहीं पिकअप वाहन से वध के लिए बिहार ले जाए जा रहे छह गोवंश भी बरामद किए गए। अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल ने बताया कि गिरफ्तार विकास यादव के विरुद्ध सात आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें पांच गो-तस्करी से संबंधित हैं। जबकि मेराज कुरैशी पर भी गो-तस्करी के दो मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ बीएनएस, आर्म्स एक्ट तथा उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। घायल अभियुक्तों का उपचार पुलिस अभिरक्षा में कराया जा रहा है।

बघाड़ू वन क्षेत्र में रात भर हो रहा अवैध बालू खनन, जिलाधिकारी से जांच की मांग

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। दुद्धी क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रेणुकूट वन प्रभाग के बघाड़ू वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध बालू खनन व परिवहन किए जाने का मामला प्रकाश में आया हैं। स्थानीय सूत्रों ने बताया कि रात के अंधेरे में ट्रैक्टरों के माध्यम से कनहर नदी से बालू निकाला जा रहा है और सुबह तक परिवहन किया जा रहा है।

सूत्रों का कहना है कि यह अवैध खनन रात लगभग 10 बजे शुरू होता है और सुबह 8 बजे तक लगातार जारी रहता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कुछ फॉरेस्ट अधिकारियों की मिलीभगत के कारण ये गतिविधियाँ खुलेआम हो रही हैं। इन मामलों में संबंधित विभागों और अधिकारियों की चुप्पी लोगों में नाराजगी का कारण बनी है। एक

ओर प्रदेश सरकार अवैध खनन पर सख्त है वही इन दिनों बघाड़ू वन क्षेत्र में अवैध खनन का कार्य फल फूल रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की तुरंत संज्ञान लेकर ट्रैक्टरों के माध्यम से हो रहे अवैध खनन को रोका जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए।शहर के कुछ निवासी कहते हैं कि खनन से वन्य जीवन और नदी का प्राकृतिक सुंदरता प्रभावित हो रहा है तथा नदी तटों पर कटाव और बढ़ते प्रदूषण से स्थानीय किसानों को भी नुकसान हो रहा है।

जब इस मामले पर सेल फोन से वन क्षेत्राधिकारी बघाड़ू से संपर्क किया गया तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

सहज योग से जागी आध्यात्मिक चेतना, कुंडलिनी जागरण से लोगों ने पाया मानसिक शांति व रोगों से राहत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। विकासखंड चतरा अंतर्गत रामगढ़ पुरानी बाजार स्थित शीतला मंदिर परिसर में प्रत्येक बृहस्पतिवार शाम 5:00 बजे सहज योग संध्या का नियमित आयोजन किया जा रहा है। इस आध्यात्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर योग साधना एवं ध्यान के माध्यम से आत्मिक शांति का अनुभव कर रहे हैं। कार्यक्रम में उपस्थित साधकों ने बताया कि परम पूज्य माताजी श्री

निर्मला देवी की असीम कृपा से उन्हें कुंडलिनी जागरण का अद्भुत अनुभव प्राप्त हुआ। इस दिव्य अनुभूति से लोगों को शारीरिक एवं मानसिक शांति मिली, साथ ही अनेक प्रकार के रोगों से राहत का अनुभव भी हुआ। सहज योग साधकों का कहना है कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और विभिन्न बीमारियों से बचने के लिए सहज योग एक सरल, प्रभावी और जीवंत प्रक्रिया है। यह केवल योगाभ्यास नहीं, बल्कि आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक ऊर्जा जागरण का मार्ग है, जिसे हर व्यक्ति को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। इस अवसर पर प्रेमचंद सिंह (रॉबर्ट्सगंज, सहज योग संस्था) ने कहा कि सहज योग मानव जीवन को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है। वहीं प्रीति शर्मा (रामगढ़), मनीषा (रामगढ़) एवं प्रेम प्रकाश (आयुष विभाग) ने भी लोगों से सहज योग से जुड़ने और स्वस्थ, संतुलित जीवन अपनाने की अपील की। आयोजकों ने क्षेत्र वासियों से अनुरोध किया कि अधिक से अधिक संख्या

में प्रत्येक बृहस्पतिवार शीतला मंदिर पहुंचकर इस दिव्य साधना का लाभ उठाएं। कार्यक्रम को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

गौरव नगर नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का रोमांचक समापन, डाला सुपर टीम बनी विजेता

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

चोपन/ सोनभद्र। गौरव नगर चोपन के युवाओं द्वारा आयोजित आठ दिवसीय नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला बुधवार की रात बेहद रोमांचक माहौल में संपन्न हुआ। फाइनल मैच में डाला सुपर टीम और गौरव नगर महादेव टीम आमने-सामने थीं। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः डाला सुपर टीम ने जीत दर्ज कर टूनार्मेंट की ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल मुकाबले में महादेव टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी डाला सुपर टीम ने निर्धारित 12 ओवरों में 6 विकेट खोकर 37 रन बनाए और महादेव टीम के सामने 38 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी महादेव टीम की शुरूआत अच्छी रही, लेकिन डाला सुपर टीम के गेंदबाजों ने सधी हुई गेंदबाजी करते हुए लगातार विकेट चटकाए। महादेव टीम 11 ओवर में 35 रन बनाकर ऑल आउट हो गई और डाला सुपर

टीम ने 2 रनों से रोमांचक जीत हासिल कर ली। टूनार्मेंट के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पंचायत चोपन के अध्यक्ष उस्मान अली उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता डाला सुपर टीम एवं उपविजेता महादेव टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का संदेश देते हैं। ऐसे आयोजनों से क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। कमेंट्री अरवाज खान ने किया। इस अवसर पर सभासद सलीम कुरैशी, भाजपा नेता सत्यप्रकाश तिवारी, मोना सर, जानू, अयान, कृषु, मेराज, वारिस, राज, किट्टू, सैफ, सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। पूरे टूनार्मेंट के दौरान दर्शकों में विशेष उत्साह देखने को मिला। आयोजकों ने सभी अतिथियों, खिलाड़ियों एवं दर्शकों का आभार व्यक्त किया। फाइनल मुकाबले के

रोमांचक प्रदर्शन के लिए दोनों टीमों के खिलाड़ियों को उपस्थित लोगों ने बधाई दी तथा विजेता और उपविजेता टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

जिला कारागार गुरमा मे अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह का हुआ शुभारम्भ

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। सोनभद्र जिला कारागार गुरमा में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत गुरुवार को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह एवं फिट इण्डिया, अभियान के तहत जेल अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र के कुशल नेतृत्व में योग ध्यान शिविर का आयोजन शुरू किया गया। यह कार्यक्रम चार दिवसीय होगा। इस सम्बंध

में जेल अधीक्षक अरुण कुमार मिश्र ने बताया कि योगाभ्यास शिविर में योग गुरु एवं वर्ल्ड रिकार्ड होल्डर आचार्य अजय कुमार पाठक के निर्देशन में प्रतिभागियों बंदियों ,स्टापो को विभिन्न योगासन, प्राणायाम, और ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया गया।जिससे नियमित योगाभ्यास से आत्म विश्वास, अनुशासन, और सकारात्मक सोच का विकास होता है। इसी क्रम में रमेश कुमार सिंह ने बताया कि योग केवल शारिरिक व्यायाम तक समिति नहीं है।बल्कि यह स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने के लिए एक कला है।उन्होंने विश्वास जताया कि इस शिविर में बंदियों के जीवन में तनाव मुक्त सकारात्मक परिवर्तन लाने और उन्हें स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।इस अवसर पर महिला पुरुष बंदियों समेत समस्त स्टाप उपस्थित थे।

वीरांगना दुर्गावती बलिदान दिवस समारोह का आयोजन 24 जून को होना किया गया सुनिश्चित

•~ मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव सिंह गोड़ करेगें शिरकत

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। वीरांगना दुर्गावती स्मारक सेवा समिति सलखन सोनभद्र के तत्वावधान में एक अति आवश्यक बैठक गुरुवार को सलखन स्थित वीरांगना दुर्गावती स्मारक स्थल पर की गयी। बैठक में वीरांगना दुर्गावती के बलिदान दिवस समारोह मनाये जाने के संबंध में

विचार-विमर्श किया गया। वीरांगना दुर्गावती स्मारक सेवा समिति सलखन सोनभद्र के सचिव श्रीराम टेकाम ने बताया कि बैठक में सर्वसम्मति निर्णय लिया गया कि आगामी 24 जून 2026 दिन बुधवार को सलखन ग्राम पंचायत स्थित स्मारक स्थल पर वीरांगना दुर्गावती जी का बलिदान दिवस समारोह मनाया जायेगा। आयोजित

कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से सायं 05 बजे तक सम्पन होगा।कार्यक्रम में बड़ादेव पूजन के साथ वीरांगना जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण, पुष्प अर्पण के साथ ही सभा गोष्ठी व आदिवासी, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी सम्मिलित है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव सिंह गोंड होंगे। निर्धारित कार्यक्रम की वृहद् रुपरेखा तैयारी हेतु स्मारक स्थल पर समिति के पदाधिकारियों, सदस्यों व ग्रामीणों ने बैठक किया। बैठक में मुख्यरूप से चेतनारायन गोंड, अमरेन्द्र कुमार, रामबिलाश, बालकिशुन, बासदेव, अम्बिका प्रसाद आदि लोग मौजूद थे, बैठक की अध्यक्षता रामबचन सिंह "श्याम" ने किया।

पीएम आवास योजना ग्रामीण के तहत केवटा में खुली बैठक, 231 संभावित पात्रों की सूची का हुआ सत्यापन

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास प्लस सर्वेक्षण-2024 की अस्थायी पात्रता सूची तैयार करने के लिए ग्राम पंचायत केवटा में खुली बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र देव पांडेय, ग्राम पंचायत अधिकारी सुजीत कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में लगभग 250 ग्रामीणों ने भाग लेकर पात्रता सूची और योजना से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। बैठक के दौरान अधिकारियों ने आवास प्लस सर्वेक्षण के उद्देश्य, पात्रता मानकों तथा योजना की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन लाभार्थियों के नाम सार्वजनिक रूप से पढ़े गए जिन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिलने की संभावना है। अधिकारियों के अनुसार कुल 231 संभावित पात्र लोगों के नाम सूची में शामिल किए गए हैं।

ग्रामीणों को सूची में दर्ज नामों के संबंध में आपत्ति और सुझाव देने का

अवसर भी प्रदान किया गया। इस दौरान कुछ ग्रामीणों ने शौचालय एवं आवास जैसी सरकारी योजनाओं का लाभ न मिलने पर नाराजगी जताई। इस पर प्रधान प्रतिनिधि सुरेंद्र देव पांडेय ने आश्वासन दिया कि सभी पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास किया जाएगा। ग्राम पंचायत अधिकारी सुजीत कुमार सिंह ने केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए

पारदर्शिता बनाए रखने के लिए खुली बैठक में सूची सत्यापन पर जोर दिया। बैठक शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

दानेदार उर्वरक का एक ही विकल्प नैनो यूरिया और नैनो डीएपी: अनिल मौर्य

•~ मंगुराही किसान भवन मे दो दिवसीय किसान गोष्ठी आयोजित

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। मंगुराही कृषि भवन सोनभद्र के कृषि उपनिदेशक सभागार में दो दिवसीय किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि घोरावल विधायक अनिल मौर्य ने अवनीश पांडेय द्वारा लगाई गई इफको उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा विभिन्न उत्पादों की जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी दानेदार उर्वरकों का प्रभावी विकल्प हैं,जो रासायनिक

उर्वरकों के संतुलित एवं कम उपयोग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। विधायक घोरावल ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा इफको के नवीन उत्पादों का अधिक से अधिक लाभ लेने का आह्वान किया ।कार्यक्रम में अवनीश पांडेय (इफको फर्टिलाइजर) ने भी किसानों को इफको के विभिन्न उत्पादों एवं उनके लाभों की विस्तृत जानकारी दी।

बाइक सवार हुए दुर्घटना के शिकार, चार घायलों में दो की हालात गंभीर

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

गुरमा/ सोनभद्र। चोपन थाना क्षेत्र के सलखन स्थित प्लाजा पेट्रोल पंप के पास गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया जब वाराणसी-शक्तिनगर मुख्य मार्ग पर एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार चार युवक घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। जिसके बाद घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 18 जून 2026 को सुबह करीब 10:10 बजे एक हाईवे ट्रक मारकुंडी की ओर से चोपन की तरफ जा रहा था। इसी दौरान उसके पीछे चल रही बाइक संख्या UP64BE8211 भी चोपन की ओर आ रही थी। सलखन स्थित प्लाजा पेट्रोल पंप के पास बाइक चालक ने ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई, जिससे

बाइक पर सवार चारों युवक सड़क पर गिरकर घायल हो गए। घायलों की पहचान सूरज पुत्र मुन्ना (18 वर्ष) निवासी खैरटिया बिल्ली मारकुंडी, अतुल पुत्र मनोज निवासी खैरटिया बिल्ली मारकुंडी, नंदलाल पुत्र गुलाब (21 वर्ष) निवासी खैरटिया बिल्ली मारकुंडी तथा गोविंद पुत्र मुनीब (18 वर्ष) निवासी बेलछ, थाना चोपन के रूप में हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को संभाला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए राजकीय चिकित्सालय लोढ़ी भिजवाया। बताया जा रहा है कि घायलों में दो की हालत गंभीर है, जबकि अन्य दो को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस ने बताया कि घटना के संबंध में अभी तक किसी पक्ष की ओर से कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है। घटना के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं है और यातायात सामान्य रूप से संचालित हो रहा है।

साइबर ठगी के शिकार ग्रामीण को मिली बड़ी राहत, बीजपुर पुलिस ने वापस कराए 5300 रुपये

समाज जागरण/ अवधेश कुमार गुप्ता

सोनभद्र। साइबर अपराधों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत बीजपुर पुलिस की साइबर टीम ने तत्परता और प्रभावी कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन ठगी के शिकार एक ग्रामीण की पूरी धनराशि वापस कराकर सराहनीय कार्य किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से पीड़ित को राहत मिली है तथा क्षेत्र में साइबर जागरूकता का सकारात्मक संदेश भी गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना बीजपुर क्षेत्र के ग्राम नेमना निवासी चन्द्र प्रकाश पुत्र भोलानाथ के साथ अज्ञात साइबर ठग ने मोबाइल पर स्कैनर भेजकर 5300 रुपये की धोखाधड़ी कर ली थी। ठगी का एहसास होते ही पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल कर ऑन लाइन शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों

के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, क्षेत्राधिकारी दुद्धी के निर्देशन तथा थानाध्यक्ष बीजपुर राजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना बीजपुर की साइबर टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए NCRP पोर्टल पर शिकायत का परीक्षण किया। जांच के दौरान आवश्यक साक्ष्य एकत्र कर संबंधित खाते में गई धनराशि को तत्काल होल्ड कराया गया। इसके उपरांत एम आरएम (MRM) पोर्टल के माध्यम से संबंधित बैंक को रिफंड मनी रिक्वेस्ट भेजी गई। लगातार की गई प्रभावी पैरवी और तकनीकी कार्रवाई के परिणामस्वरूप पीड़ित की सम्पूर्ण 5300 रुपये की धनराशि सफलतापूर्वक उसके मूल बैंक खाते में वापस करा दी गई। धनराशि वापस मिलने पर चन्द्र प्रकाश ने बीजपुर पुलिस एवं साइबर टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा किया। धनराशि वापस कराने वाली टीम में थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक कमलाकान्त पाण्डेय, कांस्टेबल सरोज, अमित कुमार श्रीकृष्ण, साइबर हेल्प डेस्क महिला कांस्टेबल निहारिका पाण्डेय शामिल रहीं। पुलिस ने नागरिकों से अपील किया है कि किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें, नजदीकी थाने में सूचना दें।

गुरु अर्जुन देव के शहादत दिवस पर चना और शर्बत किया गया वितरण

समाज जागरण/ ब्यूरो चीफ विजय कुमार अग्रहरी

सोनभद्र। अनपरा परिक्षेत्र के नेहरू चौक औरीमोड़ के पास सिखों के पांचवें गुरु अर्जुन देव की शहादत दिवस के उपलक्ष्य में शीतल जल, चना और मीठे शर्बत का वितरण किया गया। 15 अप्रैल 1563 में हुआ सिखों के पांचवे गुरु अर्जुन देव सिख इतिहास के पहले शाहिद थे उनका स्वर्ण मंदिर के निर्माण में अतुल्य योगदान दिया इनका जन्म पंजाब गोदावल साहेब में चौथे गुरु रामदास के घर में हुआ उनका बलिदान हमें अन्याय के खिलाफ डटे रहने सत्य और शांति के मार्ग अनुसरण करने की प्रेरणा देता है इस दिन जगह-जगह गुरुद्वारों में विशेष प्रार्थना होती है कीर्तन किए जाते हैं और राहगीरों को ठंडा मीठा पानी चना और शर्बत पिलाकर उनकी सेवा की जाती है गुरु अर्जन देव ने अपना धर्म नहीं बदला तो जहांगीर ने उन्हें मौत की सजा दी भीषण गर्मी में उन्हें उबलते पानी में बिठाया गया सर पर जलती हुई रेट डाली गई अंत में तपते हुए लोहे के तवे पर बैठकर यातनाएं दी गई कष्ट को सहते हुए उन्होंने सत्य और धर्म के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया आज ऑडी मोड में सिख समाज द्वारा छबील लगाकर मीठा पानी और चने का प्रसाद वितरण किया गया इसमें विशेष रूप से सिख समाज के लोगों का अन्य जाति लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया राहगीरों को रोककर हाथ जोड़कर ठंडे पानी की सेवा की गई इसमें केवल सिंह दारा सिंह मोनू सिंह इंद्रजीत सिंह विक्रम सिंह रविजीत कंग अन्य लोगों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

गर्भवती होने पर खुला मामला, नाबालिग से दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार

समाज जागरण/ आदिवासी सुनील त्रिपाठी

ओबरा/ सोनभद्र। स्थानीय पुलिस ने नाबालिग बालिका से दुष्कर्म के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पॉक्सो एक्ट के तहत की गई। अभियुक्त को 18 जून 2026 को पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त भरतलाल पर एक नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म करने और उसे डराने-धमकाने का आरोप है। डर के कारण पीड़िता ने शुरूआत में अपने परिजनों को घटना की जानकारी नहीं दी। बाद में, पीड़िता के गर्भवती होने का पता चलने पर परिजनों ने ओबरा थाने में शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर, 17 जून 2026 को थाना ओबरा में मु.अ.सं. 133/ 2026 के तहत धारा 65(1), 64(2) (एम), 351 (3)

बीएनएस और 5J (2)L/6 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देश पर और मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत यह त्वरित कार्रवाई की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए, ओबरा पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नामजद अभियुक्त भरतलाल (पुत्र रामभरोष, उम्र लगभग 28 वर्ष) को 18 जून 2026 को सुबह करीब 06:05 बजे ग्राम परसोई टोला गाड़ापाथर से गिरफ्तार किया। अभियुक्त बैरपुर टोला सागरदह, पोस्ट कनहरा, थाना ओबरा, जनपद सोनभद्र का निवासी है।

अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक सदानन्द राय, निरीक्षक अपराध शमशेर सिंह यादव और कांस्टेबल प्रवीण कुमार राय शामिल थे।

मुसाबनी प्रखंड कार्यालय के औचक निरीक्षण में उपायुक्त सख्त, योजनाओं में तेजी लाने और कार्यशैली सुधारने के दिए निर्देश

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जादूगोड़ा/मुसाबनी पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त राजीव रंजन ने गुरुवार को मुसाबनी प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली और विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान मुसाबनी की प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) अदिति गुप्ता भी उपस्थित रहीं। उपायुक्त ने प्रखंड कार्यालय परिसर में विभिन्न विभागों की योजनाओं और प्रशासनिक कार्यों की स्थिति का जायजा लिया। समीक्षा बैठक में उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध तरीके से पहुंचना चाहिए। इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त की नजर प्रखंड परिसर में खुले स्थान पर बिना असेंबल किए रखी गई ट्राई साइकिलों पर पड़ी। लाखों रुपये की लागत से उपलब्ध कराई गई इन ट्राई साइकिलों को अव्यवस्थित ढंग से रखा देख उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाते हुए तत्काल इन ट्राई साइकिलों को व्यवस्थित करने तथा जरूरतमंद लाभुकों तक शीघ्र पहुंचाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी संसाधनों का उपयोग समय पर होना चाहिए और किसी भी स्थिति में सामग्री लंबे समय तक अनुपयोगी अवस्था में नहीं रहनी चाहिए।

दौरे के क्रम में उपायुक्त आंगनबाड़ी सेविका कार्यालय भी पहुंचे। वहां उन्होंने विभागीय कार्यों की समीक्षा की और योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी ली। समीक्षा के दौरान कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई। कर्मचारियों द्वारा दिए गए जवाबों से असंतुष्ट होते हुए उपायुक्त ने उन्हें कार्यालय तक सीमित रहने के बजाय क्षेत्र में जाकर नियमित रूप से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर सक्रियता बढ़ाने से ही योजनाओं का वास्तविक लाभ जरूरतमंद लोगों तक पहुंच सकेगा। उपायुक्त राजीव रंजन ने निरीक्षण के दौरान यह भी स्वीकार किया कि बीते लगभग आठ महीनों से मुसाबनी प्रखंड कार्यालय अतिरिक्त प्रभार के सहारे संचालित हो रहा था। इसके कारण कई कार्य प्रभावित हुए और विकास योजनाओं की गति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी। उन्होंने कहा कि अब बीडीओ अदिति गुप्ता अवकाश से वापस लौट चुकी हैं, इसलिए प्रशासनिक कार्यों और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है। उन्होंने अधिकारियों को जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने तथा नियमित निगरानी रखने का निर्देश दिया।

निरीक्षण एवं समीक्षा कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त के साथ उप विकास आयुक्त नागेंद्र पासवान, घाटशिला के अनुमंडल पदाधिकारी अमिताभ भक्त सहित कई अधिकारी मौजूद थे। वहीं प्रखंड कार्यालय की ओर से बड़ा बाबू मंगल हासदा, अमित यादव, अरविंद हेंब्रम तथा विभिन्न विभागों के कर्मचारी उपस्थित रहे। उपायुक्त के इस औचक निरीक्षण से प्रखंड कार्यालय में पूरे दिन प्रशासनिक गतिविधियां तेज रहीं। अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा करने तथा विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर गंभीरता देखने को मिली। प्रशासनिक अधिकारियों का मानना है कि इस निरीक्षण के बाद मुसाबनी प्रखंड क्षेत्र में विकास कार्यों की गति और बेहतर होगी तथा सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सकेगा।

गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस पर हिंद एकता सामाजिक संस्था ने वृद्धाश्रम में बांटी खुशियां

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर सिखों के पांचवें गुरु श्री गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस के अवसर पर हिंद एकता सामाजिक संस्था द्वारा सेवा और मानवता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया गया। संस्था के सदस्यों ने बाराद्वारी स्थित आशीर्वाद ओल्ड एज होम पहुंचकर वहां रह रहे बुजुर्गों के बीच फल, खाद्य सामग्री तथा अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया। इस दौरान संस्था के सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ समय बिताकर उनका हालचाल जाना और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम का नेतृत्व संस्था के अध्यक्ष सिमरन भाटिया ने किया। उनके नेतृत्व में संस्था की पूरी टीम वृद्धाश्रम पहुंची और वहां रह रहे बुजुर्गों की सेवा में जुट गई। संस्था के सदस्यों ने केवल सामग्री वितरण तक ही अपने दायित्व को सीमित नहीं रखा, बल्कि बुजुर्गों के साथ आत्मीय संवाद भी किया। अपनों से दूर रह रहे इन बुजुर्गों के लिए यह पल बेहद भावुक और सुखद रहा। संस्था के सदस्यों के साथ बातचीत कर उनके चेहरे खुशी से खिल उठे और वातावरण में अपनापन महसूस किया गया।

इस अवसर पर अध्यक्ष सिमरन भाटिया ने कहा कि गुरु अर्जन देव जी का जीवन त्याग, सेवा, समर्पण और मानवता की भलाई का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि गुरु साहिब ने समाज को निस्वार्थ सेवा और परोपकार की प्रेरणा दी है। उनके शहादत दिवस पर बुजुर्गों की सेवा करना उनके आदर्शों को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने के समान है। उन्होंने कहा, ह्लगुरु अर्जन देव जी का जीवन हमें सेवा, सुमिरन और मानवता की भलाई का संदेश देता है। उनके शहादत दिवस पर बुजुर्गों की सेवा करने से बेहतर और कोई कार्य नहीं हो सकता था। हमारी संस्था आगे भी इसी प्रकार के सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखेगी और समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाने का प्रयास करेगी।ह्व कार्यक्रम के दौरान वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों ने संस्था के इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के लोग जब उनके बीच पहुंचकर उनका हालचाल पूछते हैं और कुछ समय उनके साथ बिताते हैं, तो उन्हें परिवार जैसा स्नेह और अपनापन महसूस होता है। बुजुर्गों ने हिंद एकता सामाजिक संस्था के सदस्यों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस सेवा कार्यक्रम में सीतारामडेरा थाना प्रभारी आनंद मिश्रा की भी विशेष उपस्थिति रही। उनके अलावा समाजसेवी सतबीर सिंह सोमू, समाजसेवी चंचल भाटिया, समाजसेवी सावन मुखी, संस्था के सक्रिय सदस्य नवनीत सिंह जॉनी, अरब सागर सहित बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य मौजूद रहे। सभी ने सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बुजुर्गों की आवश्यकताओं को समझने का प्रयास किया।

वृद्धाश्रम के प्रबंधकों ने भी हिंद एकता सामाजिक संस्था के इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में संवेदनशीलता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने संस्था द्वारा किए गए सेवा कार्य के लिए आभार व्यक्त किया। गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस पर आयोजित यह सेवा कार्यक्रम समाज में मानवता, करुणा और सेवा की भावना को प्रोत्साहित करने वाला साबित हुआ। संस्था के इस प्रयास ने यह संदेश दिया कि बुजुर्गों का सम्मान और उनकी सेवा ही सच्चे अर्थों में समाज और मानवता की सेवा है।

नबीनगर में चोरी: अज्ञात चोरों ने घर का ताला तोड़ 5 लाख के गहने-नकदी उड़ाए

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नगर पंचायत क्षेत्र नबीनगर के अंबेडकर नगर में बीती रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर लाखों की चोरी की वारदात को अंजाम दिया। पीड़ित गोलू कुमार पिता लालजी गुप्ता ने नबीनगर थाना में आवेदन देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।पीड़ित के अनुसार बीते बुधवार की रात्रि अज्ञात चोर घर में घुस गए। चोरों ने घर में रखे 2 गोदरेज और 4 बक्से तोड़ दिए। घर का सारा सामान बिखेर दिया।गोलू कुमार ने बताया कि चोर घर का सारा आभूषण - सोना और चांदी के जेवरात और 40000 नकद रकम ले गए। कुल नुकसान करीब 5 लाख रुपये आंका गया है। आवेदन में गोलू कुमार ने थाना प्रभारी से नम्र निवेदन किया है कि अज्ञात चोरों का पता लगाकर चोरी गया सामान बरामद करवाया जाए। फिलहाल आवेदन के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। आसपास लगे CCTV कैमरे खंगाले जा रहे हैं। पीड़ित गोलू ने बताया कि इलाज कराने के लिए घर के सदस्य औरंगाबाद गए हुए थे।गुरुवार को जब घर वापस आए तब चोरी की घटना देख दंग रह गया। ऐसा कयास लगाया जा रहा है कि चोर पीछे की रास्ता से छत के ऊपर दाखिल हुआ होगा।

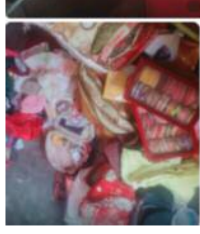

औरंगाबाद के स्कूलों में ग्रीष्मावकाश के बाद पहले दिन "स्वागत समारोह"

समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार)ग्रीष्मावकाश बाद खुलने वाले सभी सरकारी स्कूलों में "स्वागत समारोह" होगा। बिहार शिक्षा परियोजना औरंगाबाद के डीपीओ ने पत्र जारी कर आदेश दिया है। पत्र में दिया गए निर्देश के अनुसार पहले दिन विद्यालय की साफ सफाई "Welcome Back to School" बैनर, नव नामांकित बच्चों का विशेष स्वागत किया जाना है।वही बच्चों के लिए कार्यक्रम गीत-संगीत, कविता, खेलकूद, प्रश्नोत्तरी से प्रेरित किया जाएगा ।"विद्यालय चलो अभियान" चलाकर छूटे बच्चों को स्कूल से जोड़ा जाएगा।कार्यक्रम में मुखिया, वार्ड सदस्य, अभिभावक बुलाए जाएंगे।वहीं स्वच्छता के तहत मध्याह्न भोजन, पानी, शौचालय की जांच की जाएगी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों की स्कूल में रुचि बढ़ाना और नामांकन बढ़ाना है। सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश का पालन करने को कहा गया है।

राज्यसभा चुनाव में धनबल और प्रलोभन के इस्तेमाल की आशंका पर कांग्रेस ने जताई चिंता, निष्पक्ष जांच की मांग

समाज जागरण चांद कुमार लायेक (ब्यूरो चीफ)

जमशेदपुर पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष परविंदर सिंह ने झारखंड में संपन्न राज्यसभा चुनाव को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए चुनाव प्रक्रिया में कथित रूप से धनबल, दबाव और प्रलोभन की राजनीति के इस्तेमाल की आशंकाओं पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी प्रणव झा को अपेक्षित समर्थन नहीं मिलना कई तरह के सवाल खड़े करता है और पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

जारी बयान में परविंदर सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती जनप्रतिनिधियों की स्वतंत्र और निष्पक्ष अभिव्यक्ति पर निर्भर करती है। यदि किसी चुनाव में जनप्रतिनिधियों के मत को प्रभावित करने के लिए धनबल, सत्ता का प्रभाव या अन्य अनैतिक साधनों का उपयोग किया जाता है, तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था और संविधान की मूल भावना के विपरीत है। उन्होंने कहा कि राज्यसभा जैसे महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित सदन के चुनाव में इस प्रकार की आशंकाएं सामने आना अत्यंत चिंताजनक है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान सत्ता और संसाधनों के दुरुपयोग की चचाएं पूरे राज्य में सुनने को मिली हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक हलकों में इस बात की चर्चा है कि कुछ जनप्रतिनिधियों पर प्रभाव डालने का प्रयास किया गया। हालांकि उन्होंने कहा कि इन आरोपों की सत्यता की पुष्टि निष्पक्ष जांच के बाद ही हो सकती है, लेकिन जिस प्रकार के आरोप सामने आए हैं, उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। परविंदर सिंह ने कहा कि लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मूल्यों, नैतिकता और जनविश्वास पर आधारित व्यवस्था है। यदि चुनावी प्रक्रिया में खरीद-फरोख्त या प्रलोभन की संस्कृति को बढ़ावा मिलता है, तो इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि जनता अपने प्रतिनिधियों से पारदर्शिता, ईमानदारी और जनहित में कार्य करने की अपेक्षा रखती है। ऐसे में चुनाव प्रक्रिया पर उठने वाले सवाल लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक मयार्दाओं और पारदर्शी राजनीतिक व्यवस्था की पक्षधर रही है। पार्टी का मानना है कि चुनाव किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की आधारशिला होते हैं और उनकी निष्पक्षता पर कोई आंच नहीं आनी चाहिए। यदि लोकतांत्रिक संस्थाओं में जनता का विश्वास कमजोर होता है तो इसका प्रतिकूल प्रभाव पूरे राजनीतिक तंत्र पर पड़ता है।

जिलाध्यक्ष ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के दौरान सामने आए सभी तथ्यों, आरोपों और आशंकाओं की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच कराई जानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि यदि जांच में किसी भी व्यक्ति, दल या जनप्रतिनिधि की भूमिका अनियमितता, भ्रष्ट आचरण या लोकतांत्रिक मूल्यों के उल्लंघन में पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाए। इससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा और जनता का विश्वास दोनों सुरक्षित रहेंगे।

परविंदर सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह समाज के हर जागरूक नागरिक का दायित्व भी है। उन्होंने कहा कि जनता सब कुछ देख रही है और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने वाले किसी भी प्रयास का समय आने पर उचित जवाब देगी। लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि होती है और अंततः वही तय करती है कि कौन जनहित में काम कर रहा है और कौन लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर करने का प्रयास कर रहा है।

अंत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनादेश की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है तथा भविष्य में भी लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने के लिए संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि धनबल, भ्रष्टाचार और अनैतिक राजनीतिक गतिविधियों के माध्यम से राजनीति को प्रभावित करने के हर प्रयास का कांग्रेस मजबूती से विरोध करेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं की गरिमा बनाए रखने के लिए अपनी आवाज बुलंद करती रहेगी।

बिहार में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, 21 आईएएस अधिकारियों का तबादला

कुंदन कुमार बने पटना के नए डीएम, अलंकृता पाण्डेय को भागलपुर की जिम्मेदारी

समाज जागरण

पटना, 18 जून। बिहार सरकार ने प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से राज्य के 21 भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारियों का तबादला करते हुए नई तैनाती की अधिसूचना जारी कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी आदेश के तहत कई महत्वपूर्ण जिलों के जिलाधिकारियों को बदला गया है, वहीं विभिन्न विभागों में भी वरिष्ठ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

इस व्यापक प्रशासनिक फेरबदल में वर्ष 2012 बैच के आईएएस अधिकारी कुंदन कुमार को राजधानी पटना का नया जिलाधिकारी (डीएम) एवं समाहर्त्ता नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व वे नालंदा (बिहार शरीफ) के जिलाधिकारी के रूप में कार्यरत थे। उनकी प्रशासनिक दक्षता और विकास कार्यों में सक्रिय भूमिका को देखते हुए सरकार ने उन्हें राज्य की राजधानी की जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं पटना के निवर्तमान जिलाधिकारी त्यागराजन एस.एम. को बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही उन्हें स्वास्थ्य विभाग में विशेष सचिव का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है। शिक्षा और प्रशासन दोनों क्षेत्रों में उनके अनुभव का लाभ राज्य को मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। तबादला सूची में एक अन्य महत्वपूर्ण नाम अलंकृता पाण्डेय का है। वर्तमान में जहानाबाद की जिलाधिकारी रहीं अलंकृता पाण्डेय को अब भागलपुर का नया जिलाधिकारी नियुक्त किया गया है। भागलपुर जैसे महत्वपूर्ण जिले की कमान मिलने को उनकी कार्यक्षमता और प्रशासनिक अनुभव का सम्मान माना जा रहा है।

अलंकृता पाण्डेय के स्थान पर स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव छिरिङ वाई. भूटिया को जहानाबाद का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। सरकार ने उन्हें जिले के प्रशासनिक नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपते हुए विकास एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की अपेक्षा जताई है।

इसके अलावा मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन को बिहार चिकित्सा सेवाएं एवं आधारभूत संरचना निगम लिमिटेड (बीएमआईसीएल) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है। उनकी जगह राज्य स्वास्थ्य समिति के अपर कार्यपालक निदेशक कुमार गौरव को मुजफ्फरपुर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है।

सरकार द्वारा जारी इस तबादला आदेश में नालंदा, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, जहानाबाद सहित कई जिलों और विभागों में प्रशासनिक स्तर पर बदलाव किए गए हैं। माना जा रहा है कि आगामी विकास योजनाओं, प्रशासनिक कार्यों की गति बढ़ाने तथा जनसेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से यह बड़ा फेरबदल किया गया है।

राज्य सरकार के इस निर्णय को प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नई जिम्मेदारियां संभालने वाले अधिकारियों से बेहतर प्रशासन, त्वरित जनसेवा और विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की अपेक्षा की जा रही है। प्रशासनिक हलकों में इस तबादला सूची को लेकर व्यापक चर्चा बनी हुई है।

बिहार में आईपीएस अधिकारियों का बड़ा फेरबदल, कई जिलों को मिले नए एसपी

समाज जागरण

पटना, 18 जून। बिहार सरकार ने राज्य की पुलिस व्यवस्था को अधिक प्रभावी और मजबूत बनाने के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारियों का तबादला किया है। गृह विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपी) को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। इस प्रशासनिक फेरबदल को राज्य में कानून-व्यवस्था के बेहतर संचालन और अपराध नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जारी आदेश के अनुसार आईपीएस अधिकारी कुमार गौतम को पश्चिम चंपारण जिले के मुख्यालय बेतिया का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं उपेन्द्र नाथ वर्मा को औरंगाबाद जिले की कमान सौंपी गई है। सरकार ने उन्हें जिले में अपराध नियंत्रण, पुलिसिंग व्यवस्था को सुदृढ़ करने तथा जनता के बीच पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ाने की जिम्मेदारी दी है।

इसी क्रम में अमितेश कुमार को बांका जिले का नया एसपी बनाया गया है। बांका जिले में अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा शुभांक मिश्रा को वैशाली जिले का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वैशाली जैसे महत्वपूर्ण जिले में उनकी तैनाती को प्रशासनिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। सरकार ने भानु प्रताप सिंह को खगड़िया जिले का नया एसपी बनाया है। वहीं श्री हिमांशु को शेखपुरा जिले की कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही राजेश कुमार को बगाहा का नया पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। सभी अधिकारियों के जल्द ही अपने-अपने जिलों में पदभार ग्रहण करने की संभावना है।

राज्य सरकार का कहना है कि समय-समय पर प्रशासनिक आवश्यकताओं और बेहतर पुलिसिंग व्यवस्था के लिए अधिकारियों का स्थानांतरण किया जाता है। नए अधिकारियों की नियुक्ति से विभिन्न जिलों में पुलिस प्रशासन को नई ऊर्जा मिलेगी तथा अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जनसुरक्षा के कार्यों में तेजी आएगी।

पुलिस मुख्यालय के सूत्रों के अनुसार नई तैनाती पाने वाले अधिकारियों को स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप त्वरित कार्रवाई, अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण, लंबित मामलों के निष्पादन और आम जनता के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार में हाल ही में आईएएस अधिकारियों के बड़े फेरबदल के बाद अब आईपीएस अधिकारियों के तबादले को प्रशासनिक स्तर पर व्यापक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है। सरकार का उद्देश्य प्रशासनिक और पुलिस तंत्र को अधिक जवाबदेह, सक्रिय और जनोन्मुख बनाना है, ताकि विकास कार्यों के साथ-साथ कानून-व्यवस्था की स्थिति भी सुदृढ़ बनी रहे।

राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में इस फेरबदल को लेकर चर्चा तेज है। माना जा रहा है कि नए अधिकारियों के नेतृत्व में जिलों में पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकेगा तथा जनता को बेहतर सुरक्षा माहौल उपलब्ध होगा।

बेगूसराय में महिला से सामूहिक दुष्कर्म का आरोप, बर्बरता से सनसनी

समाज जागरण

बेगूसराय, 18 जून। बिहार के बेगूसराय जिले में एक महिला के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म और उसके बाद अमानवीय अत्याचार का मामला सामने आने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पीड़िता की गंभीर हालत को देखते हुए उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है तथा पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, महिला के साथ कथित रूप से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद आरोपियों ने उसके साथ बर्बरता की और उसे गंभीर रूप से घायल अवस्था में छोड़ दिया।

नालंदा में थाना उड़ाने की साजिश का खुलासा, सरकारी शिक्षक समेत 48 गिरफ्तार

समाज जागरण

नालंदा, 18 जून। बिहार के नालंदा जिले के नगरनौसा बाजार में डिग्री कॉलेज स्थानांतरण विवाद के दौरान हुए उपद्रव और पथराव मामले में पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। जांच के दौरान सामने आया है कि प्रदर्शन और

बवाल की आड़ में थाना भवन को बम से उड़ाने की साजिश रची जा रही थी। इस मामले में पुलिस ने अब तक कुल 48 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक सरकारी शिक्षक भी शामिल है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगरनौसा क्षेत्र में डिग्री कॉलेज के स्थानांतरण को लेकर लोगों द्वारा विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था। इसी दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और कुछ लोगों ने पुलिस पर पथराव कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई शुरू की और उपद्रव में शामिल लोगों की पहचान कर गिरफ्तारी अभियान चलाया।

गिरफ्तार आरोपियों में नगरनौसा मध्य विद्यालय के सरकारी शिक्षक सत्यनारायण का नाम भी शामिल है। पुलिस द्वारा शिक्षक के मोबाइल फोन की जांच के दौरान व्हाट्सएप चैट के ऐसे संदेश मिले, जिन्होंने जांच अधिकारियों को चौंका दिया। चैट में कथित रूप से यह योजना बनाई गई थी कि जैसे ही उपद्रव के दौरान थाना परिसर से पुलिसकर्मी और वरिष्ठ अधिकारी बाहर निकलेंगे, उसी समय थाना भवन को बम से उड़ा दिया जाएगा।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मोबाइल से प्राप्त चैट को महत्वपूर्ण साक्ष्य के रूप में सुरक्षित रखा गया है और इसकी तकनीकी जांच कराई जा रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस कथित साजिश में और कौन-कौन लोग शामिल थे तथा इसके पीछे किस स्तर तक योजना बनाई गई थी। हिलसा की अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एएसपी) कुमारी शैलजा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि डिग्री कॉलेज विवाद के दौरान नगरनौसा बाजार में व्यापक उपद्रव और पथराव की घटनाएं हुई थीं। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 48 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार सरकारी शिक्षक का मोबाइल फोन जब्त कर लिया गया है और उससे प्राप्त चैट के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

एएसपी ने कहा कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और साजिश में शामिल अन्य लोगों की पहचान कर उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद नगरनौसा और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस सतर्क है तथा सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की है। इस मामले के सामने आने के बाद पूरे जिले में चर्चा का माहौल है और लोग इस कथित साजिश को लेकर हैरानी जता रहे हैं।

बेलवा काशीपुर की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण मामले में डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण, प्रशासनिक कार्रवाई तेज

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

18 जून। किशनगंज प्रखंड अंतर्गत बेलवा पंचायत के मौजा काशीपुर में बिहार सरकार की भूमि पर कथित अतिक्रमण के मामले में प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। गुरुवार को जिला पदाधिकारी विशाल राज, पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार, अंचल अधिकारी राहुल कुमार सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों ने विवादित भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लिया।

जानकारी के अनुसार, मौजा काशीपुर, थाना संख्या-04, खाता संख्या-174 एवं खेसरा संख्या-808 में दर्ज लगभग 5 एकड़ 12 डिसमिल बिहार सरकार की भूमि को पुलिस एवं प्रशासनिक उपयोग के लिए उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है। प्रशासनिक अभिलेखों में उक्त भूमि पर अवैध रूप से चाय बागान लगाकर अतिक्रमण किए जाने का उल्लेख है।

उल्लेखनीय है कि अपर समाहर्ता, किशनगंज द्वारा जमाबंदी रद्दीकरण वाद संख्या-11/2022-23 में पारित आदेश के आलोक में संबंधित भूमि की जमाबंदी पूर्व में ही रद्द कर दी गई थी। इसके बावजूद भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई अपेक्षित परिणाम तक नहीं पहुंच सकी।

अंचल कार्यालय द्वारा अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किए गए तथा प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्रवाई भी की गई थी। इसके बाद अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत कुमार ने 12 जून 2026 को अतिक्रमण हटाने के लिए दंडाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं 50 महिला तथा 50 पुरुष पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति करते हुए संयुक्त आदेश जारी किया था। हालांकि निर्धारित तिथि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नहीं हो सकी।

गुरुवार को डीएम और एसपी के संयुक्त निरीक्षण के दौरान भूमि की वर्तमान स्थिति, अभिलेखीय तथ्यों एवं अतिक्रमण से संबंधित विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सरकारी भूमि को अतिक्रमणमुक्त कराने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया।

डीएम और एसपी के निरीक्षण के बाद मामले में प्रशासनिक सक्रियता और बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि लंबे समय से विवादित इस सरकारी भूमि को शीघ्र अतिक्रमणमुक्त कराने की दिशा में अब ठोस एवं प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

गांव के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाओं की मजबूत कड़ी बन रहे हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

18 जून। ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। ये केंद्र केवल उपचार तक सीमित नहीं हैं, बल्कि बीमारी की रोकथाम, स्वास्थ्य जागरूकता, नियमित जांच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, पोषण परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं तथा गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग जैसी समग्र स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध करा रहे हैं।

इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए कोचाधामन प्रखंड के बगलबाड़ी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में जन आरोग्य समिति की बैठक का आयोजन अध्यक्ष सह मुखिया साबिस्ता बेगम की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी (सीएचओ) सत्य प्रकाश, एएनएम ललिता कुमारी तथा समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने में जन आरोग्य समिति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह समिति पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की निगरानी, स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान तथा लोगों की समस्याओं को स्वास्थ्य तंत्र तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम है।

बैठक के दौरान हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में उपलब्ध सेवाओं, नियमित ओपीडी संचालन, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, स्वच्छता व्यवस्था, गैर-संचारी रोगों की जांच, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा सामुदायिक सहभागिता बढ़ाने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। सदस्यों ने कहा कि नियमित समीक्षा और स्थानीय निगरानी से स्वास्थ्य सेवाओं में मौजूद कमियों की समय पर पहचान कर उनका समाधान किया जा सकता है।

जिला योजना समन्वयक विश्वजीत कुमार ने कहा कि हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अब ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ बनते जा रहे हैं। यहां लोगों को उपचार के साथ-साथ जीवनशैली सुधार, योग, स्वास्थ्य परामर्श और रोगों की प्रारंभिक पहचान जैसी सुविधाएं भी मिल रही हैं, जिससे दूरस्थ अस्पतालों पर निर्भरता कम हो रही है।

सीएचओ सत्य प्रकाश ने लोगों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की सेवाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि समय पर जांच से कई गंभीर बीमारियों की पहचान शुरूआती अवस्था में ही संभव है, जिससे उपचार अधिक प्रभावी हो जाता है।

मुखिया साबिस्ता बेगम ने कहा कि प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ पहुंचाना सभी की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या की जानकारी समय पर स्वास्थ्य कर्मियों को देने और सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया। बैठक के अंत में समिति के सदस्यों ने पंचायत स्तर पर स्वास्थ्य जागरूकता गतिविधियों को और तेज करने तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की सेवाओं की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का संकल्प लिया। साथ ही नियमित जन आरोग्य समिति बैठकों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा जारी रखने का निर्णय लिया गया, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के प्रत्येक व्यक्ति को समय पर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

महंगाई, बेरोजगारी और नीट अनियमितताओं के खिलाफ 20 जून को कांग्रेस का जन-आंदोलन

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

18 जून। जिला कांग्रेस कार्यालय, किशनगंज में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के निदेर्शानुसार आगामी 20 जून 2026 को प्रातः 10:30 बजे आयोजित होने वाले जन-आंदोलन कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उसकी सफलता को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई।

बैठक में देश में लगातार बढ़ती महंगाई, युवाओं के समक्ष गंभीर होती बेरोजगारी की समस्या, नीट (NEET) परीक्षा में कथित अनियमितताओं तथा पेपर लीक जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। नेताओं ने कहा कि ये जनसरोकार से जुड़े गंभीर विषय हैं, जिनसे आम जनता और देश का युवा वर्ग प्रभावित हो रहा है। इन मुद्दों को लेकर कांग्रेस पार्टी जनता की आवाज बुलंद करेगी और लोकतांत्रिक तरीके से अपना विरोध दर्ज कराएगी। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष शहाबुल अख्तर ने की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव और वार्ड-वार्ड जाकर लोगों को कार्यक्रम की जानकारी दें तथा अधिक से अधिक संख्या में जन-आंदोलन में भागीदारी सुनिश्चित करें।

बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष इमाम अली चिंटू, नगर अध्यक्ष सजल कुमार साहा, जिला उपाध्यक्ष अरुण कुमार एवं तौसिफ अंसारी, जिला महासचिव आदर्श कुमार, जिला सचिव सोमेंद्र बहादुर, प्रखंड अध्यक्ष कमरुल हुदा, नगर उपाध्यक्ष तनवीर आलम, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष शाह आलम, युवा नेता शुभम कुमार, अबू बकर, आसिफ सहित कांग्रेस पार्टी के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बैठक के अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि 20 जून को आयोजित जन-आंदोलन कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने के लिए पार्टी के सभी कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ जुटेंगे।

कोचाधामन में 98.52 लीटर विदेशी शराब बरामद, टेम्पो जब्त, तस्कर गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

18 जून। जिले में शराब तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कोचाधामन थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 98.52 लीटर विदेशी शराब बरामद की है। कार्रवाई के दौरान शराब तस्करी में प्रयुक्त एक टेम्पो को जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार के निर्देशन में जिले भर में शराब एवं अन्य मादक पदार्थों के खिलाफ लगातार वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 17 जून को धनपुरा पुलिस पिकेट की टीम रहमतपाड़ा के समीप वाहनों की सघन जांच कर रही थी। जांच के दौरान किशनगंज की ओर से आ रहा एक टेम्पो चालक पुलिस को देखकर वाहन मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। संदेह होने पर पुलिस ने वाहन को रोककर तलाशी ली।

तलाशी के दौरान टेम्पो संख्या BR11F1405 से पश्चिम बंगाल निर्मित विभिन्न ब्रांडों की कुल 98.52 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई। मौके से चालक सुकेश कुमार (25 वर्ष), पिता मागन मेहता, निवासी चांदी कठवा, थाना मुफ्फसिल रानीपत्रा, जिला पूर्णिया को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शराब, टेम्पो तथा एक मोबाइल फोन को भी जब्त कर लिया।

इस संबंध में कोचाधामन थाना कांड संख्या 332/26 दिनांक 17 जून 2026 दर्ज कर बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम की धारा 30(ए) के तहत कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। पुलिस तस्करी नेटवर्क के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक की जांच में जुटी है। साथ ही आरोपी से प्राप्त जानकारी के आधार पर अवैध शराब कारोबार से अर्जित संपत्तियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के प्रावधानों के तहत जब्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

इस छापेमारी अभियान में कोचाधामन थानाध्यक्ष इजहार आलम, धनपुरा पिकेट प्रभारी प्रदीप कुमार, पुलिस अवर निरीक्षक प्रतीक्षा कुमार, पीटीसी राजू कुमार साह तथा सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बिहार में निजी स्कूलों के लिए संबद्धता के नियम सख्त

अब तय मानकों का पालन अनिवार्य

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता और विद्यार्थियों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने निजी और गैर-सरकारी विद्यालयों के लिए संबद्धता के नियमों को और अधिक कड़ा कर दिया है। ह्यबिहार विद्यालय परीक्षा समिति संबद्धता (संशोधन) नियमावली, 2026ह्न के तहत अब शैक्षणिक संस्थानों को मान्यता प्राप्त करने के लिए सख्त मानकों से गुजरना होगा। 16 जून 2026 को जारी राजपत्र अधिसूचना के साथ ही ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। नई नियमावली में स्कूलों के लिए न्यूनतम भूमि और बुनियादी ढांचे का स्पष्ट निर्धारण किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में उच्च माध्यमिक विद्यालय के लिए कम से कम 6,000 वर्ग मीटर भूमि अनिवार्य है, जिसमें से 2,000 वर्ग मीटर खेल मैदान के लिए आरक्षित रखना होगा। पटना नगर क्षेत्र के विद्यालयों के लिए न्यूनतम 3,200 वर्ग मीटर और अन्य शहरी क्षेत्रों के लिए 4,000 वर्ग मीटर भूमि की सीमा तय की गई है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परिसर की चारदीवारी अनिवार्य कर दी गई है। यदि खेल मैदान परिसर से बाहर है, तो उसकी दूरी 200 मीटर से अधिक नहीं होनी चाहिए और रास्ता ऐसा होना चाहिए जहाँ छात्रों को कोई व्यस्त सड़क या राजमार्ग न पार करना पड़े। स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए भूमि का विद्यालय के नाम पंजीकृत होना जरूरी है। यदि भूमि निजी स्वामित्व की नहीं है, तो कम से कम 30 वर्षों का वैध लीज एग्रीमेंट आवश्यक होगा। भवन निर्माण के लिए भी विस्तृत मानक तय किए गए हैं। माध्यमिक विद्यालयों के लिए 870 वर्ग मीटर, उच्च माध्यमिक के लिए 880 वर्ग मीटर और संयुक्त विद्यालयों के लिए 1,110 वर्ग मीटर निर्मित क्षेत्र अनिवार्य होगा। इसमें विज्ञान प्रयोगशालाएं, 50 वर्ग मीटर का कंप्यूटर कक्ष और पुस्तकालय जैसी आधुनिक सुविधाएं होनी अनिवार्य हैं। नई प्रक्रिया के तहत विद्यालयों को 15,000 रुपये का निरीक्षण शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा, जो अप्रतिदेय (नॉन-रिफंडेबल) होगा। शुरूआत में केवल पांच वर्षों के लिए अस्थायी संबद्धता दी जाएगी, जिसके बाद विभागीय समीक्षा और मूल्यांकन के आधार पर ही नवीनीकरण होगा। वित्तीय अनियमितता, फर्जी नामांकन या गलत दस्तावेज पाए जाने पर समिति सीधे कार्रवाई करेगी। कारण बताओ नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने पर संबद्धता निलंबित या रद्द की जा सकती है।

शिक्षा विशेषज्ञों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे बिहार की शिक्षा व्यवस्था में सुधार की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताया है। उम्मीद है कि इन प्रावधानों से बिना पर्याप्त सुविधाओं वाले विद्यालयों पर लगाम लगेगी और राज्य के लाखों विद्यार्थियों को एक सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण शैक्षणिक वातावरण मिल सकेगा।

मुहर्रम को लेकर पियरपुरा थाने में शांति समिति की बैठक आयोजित, डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ आगामी मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से गुरुवार को पटना जिले के पियरपुरा थाने में शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पियरपुरा थानाध्यक्ष पूजा राठी ने की। बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष पूजा राठी ने कहा कि मुहर्रम का त्योहार खुशियों का पैगाम लेकर आता है। उन्होंने क्षेत्र के गणमान्य लोगों से अपील की कि सभी लोग जाति और धर्म से ऊपर उठकर आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिया कि आगामी 26 जून को मनाए जाने वाले मुहर्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।बैठक के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कड़े निर्देश जारी किए गए। थानाध्यक्ष ने साफ तौर पर कहा कि जुलूस के दौरान डीजे बजाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, शांति व्यवस्था भंग करने वाली किसी भी प्रकार की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी किसी अप्रिय घटना की आशंका महसूस हो, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने भरोसा दिलाया कि पुलिस प्रशासन शांति बनाए रखने के लिए पूरी तरह तत्पर है और क्षेत्र की जनता के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों और जनप्रतिनिधियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर मुख्य रूप से कृष्णकांत यादव, संतोष कुमार, पूर्व मुखिया चंदन कुमार, पूर्व मुखिया पति बिनोद कुमार, पत्रकार वेद प्रकाश, पंकज कुमार, नीतीश कुमार, कंचन यादव, सहजानंद यादव, सुधीर कुमार, अरुण कुमार व मनमोहन कुमार सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे।

पटना में शराब तस्करों के नेटवर्क पर पुलिस की बड़ी चोट, दो थाना क्षेत्रों में 5 गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार में पूर्ण शराबबंदी को सख्ती से लागू करने के लिए पटना पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार देर रात बड़ी सफलता हाथ लगी है। राजधानी के नेउरा और बिहटा थाना क्षेत्रों में पुलिस ने अलग-अलग कार्रवाई करते हुए अवैध शराब तस्करी में लिप्त पाँच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से कुल 42 लीटर विदेशी मदिरा (बीयर) बरामद की है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि यह शराब उत्तर प्रदेश से तस्करी कर पटना लाई गई थी। पहली सफलता नेउरा पुलिस को बिहटा-शिवाला मार्ग पर मिली। पुलिस टीम नियमित वाहन जांच कर रही थी, तभी दो युवक पुलिस को देख भागने लगे। शक होने पर पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उनके बैग से 18 लीटर विदेशी बीयर बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विनोद राम और चेतराम के रूप में हुई है। नेउरा थानाध्यक्ष जगदीप राणा ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ उत्पाद एवं मद्यनिषेध कानून के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। दूसरी कार्रवाई बिहटा थाना क्षेत्र के रेलवे ऊपरी पुल के समीप हुई। गश्ती के दौरान तीन युवकों को संदिग्ध परिस्थितियों में भागते हुए पुलिस ने दबोच लिया। इनके पास से 24 लीटर विदेशी बीयर बरामद की गई। पूछताछ में खुलासा हुआ कि तीनों मनेर के रहने वाले हैं और रेल मार्ग से शराब की खेप लेकर आए थे, जिसे उन्हें मनेर क्षेत्र में सप्लाई करना था। पुलिस की तत्परता ने उनकी इस योजना को समय रहते नाकाम कर दिया। पुलिस अब इन पाँचों आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि यह महज शराब तस्करी का एक छोटा मामला नहीं है, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा संगठित गिरोह सक्रिय हो सकता है। पुलिस इस बात का पता लगाने में जुटी है कि इस शराब की खेप का मुख्य सरगना कौन है और उत्तर प्रदेश से इसे बिहार लाने के लिए किन रास्तों का इस्तेमाल किया जा रहा था। बिहार में शराबबंदी के बाद से ही पुलिस सीमावर्ती क्षेत्रों और यातायात के प्रमुख मार्गों पर लगातार नजर बनाए हुए है। अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है कि शराब तस्करी के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और भविष्य में भी इसी तरह सघन जांच अभियान जारी रहेंगे।

बिहार को मिली सुरक्षा की नई ताकत

गांधी मैदान में 5,000 गृह रक्षकों ने ली शपथ

समाज जागरण

पटना/ बिहार की सुरक्षा और आपदा प्रबंधन व्यवस्था को गुरुवार को एक बड़ी मजबूती मिली। राजधानी पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आयोजित भव्य दीक्षांत एवं पारण परेड समारोह में बिहार गृह रक्षा वाहिनी के 5,000 नवनामांकित जवानों को औपचारिक रूप से सेवा में शामिल किया गया। परेड की सलामी मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ली। इस गौरवशाली अवसर पर उपमुख्यमंत्रियों विजय कुमार चौधरी और बिजेन्द्र प्रसाद यादव सहित गृह विभाग के आला अधिकारी और पुलिस महानिदेशक भी उपस्थित रहे। समारोह के दौरान जवानों ने अपने कठिन प्रशिक्षण का परिचय देते हुए शानदार परेड का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षण के दौरान इन्हें कानून-व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, आपदा राहत, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने और आधुनिक हथियारों के संचालन का विशेष कौशल सिखाया गया है। परेड में महिला गृह रक्षकों की बड़ी संख्या में भागीदारी आकर्षण का केंद्र रही, जो राज्य की सुरक्षा व्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती सक्रियता और सशक्तिकरण का प्रमाण है। जवानों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने उन्हें सेवा और समर्पण का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि "प्रशिक्षण मात्र एक शुरूआत है, अब असली परीक्षा मैदान में है।" मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि नागरिकों की सुरक्षा और संकट के समय उनकी सहायता करना ही प्रत्येक गृह रक्षक का प्राथमिक धर्म है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जवान अपने बेहतर आचरण और निष्ठा से जनता के बीच सुरक्षा बलों का विश्वास और अधिक मजबूत करेंगे। मुख्यमंत्री ने सुरक्षा बलों के आधुनिकीकरण पर जोर देते हुए कहा कि सरकार जवानों के कल्याण, बेहतर आवासीय सुविधाओं और प्रशिक्षण संसाधनों के लिए निवेश बढ़ा रही है। उन्होंने बदलते समय का उल्लेख करते हुए साइबर अपराध जैसी नई चुनौतियों के प्रति भी जवानों को सतर्क रहने का आह्वान किया। उन्होंने बल दिया कि तकनीक और अनुशासन का समन्वय ही आज के दौर में सुरक्षा सुनिश्चित करने की कुंजी है। विशेषज्ञों का मानना है कि 5,000 प्रशिक्षित जवानों की नियुक्ति से राज्य की कानून-व्यवस्था और आपदा प्रबंधन तंत्र में नई ऊर्जा का संचार होगा। ये जवान न केवल पुलिस के सहयोगी के रूप में काम करेंगे, बल्कि किसी भी विशेष परिस्थिति में प्रशासन को मजबूती प्रदान करेंगे। गांधी मैदान का यह ऐतिहासिक आयोजन बिहार की सुरक्षा संरचना को और अधिक पुख्ता और सक्षम बनाने की दिशा में एक निर्णायक कदम माना जा रहा है।

लकड़मारा बांध की खुदाई में अनियमितता के खिलाफ ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

समाज जागरण

गोड्डा मेहरमा प्रखंड अंतर्गत लकड़मारा बांध की खुदाई इन दिनों जारी है। जल संसाधन (लघु सिंचाई) विभाग से राज्य संपोषित मद से योजना स्वीकृत है। करीब दो करोड़ की लागत से बीते कई दिनों से बांध की खुदाई कराई जा रही है। गुरुवार को विभाग के कनीय अभियंता रमेश चंद्र निराला योजना स्थल पर पहुंचकर मापी कर रहे थे। ग्रामीणों ने फाइनल मापी करने की आशंका पर भड़क उठे और विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। देखते हीं देखते सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण वहां पहुंच गए और हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि यह किसानों के लिए अति महत्वाकांक्षी योजना है। बावजूद इसकी खुदाई में व्यापक पैमाने पर अनियमितता बरती जा रही है। नियमानुसार इसकी खुदाई नहीं हो रही है। ग्रामीण शुरू से ही प्राक्कलन के अनुसार खुदाई की मांग कर रहे हैं। लेकिन विभाग ग्रामीणों की मांग को अनसुना कर रहा है। बताया कि कहीं डेढ़ फीट तो कहीं दो फीट ही खुदा गया है।इतने में इसकी मापी कराई जाने लगी है।कहा कि मिट्टी को बांध के पिंड पर रखने की बजाय गांव के कुछ बिचौलिए के माध्यम से अन्यत्र बेचा जा रहा है। ग्रामीणों ने आशंका व्यक्त किया है कि इतने ही खुदाई पर विभाग इसे फाइनल करना चाह रहा है। बताया कि विभाग के कनिय अभियंता भी कभी योजना स्थल पर नहीं आते हैं। गुरुवार को वह केवल माफी करने यहां पहुंच गए।इससे ग्रामीण भड़क उठे और अभियंता के समक्ष हीं प्राक्कलन के अनुसार बांध खुदाई की मांग को लेकर विरोध करने लगे। कनिय अभियंता ने कहा कि कार्य प्रगति पर है। प्राक्कलन के अनुसार ही खुदाई का कार्य होगा। अन्यथा बिल भुगतान नहीं किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद ग्रामीण कुछ शांत हुए। बताया जाता है कि नियमानुसार बांध की खुदाई होने से यह क्षेत्र के किसानों के लिए वरदान शाबित होगा। आस-पास के दर्जनों गांव के सैकड़ो किसानों को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। किसानों की सुविधा को देखते हुए ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह द्वारा बीते दिनों इस महत्वकांक्षी योजना का शिलान्यास किया गया था।

पत्रकार और परिवार वालो पर हमले के विरोध में आदित्यपुर थाना के समक्ष जोरदार धरना प्रदर्शन जारी

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 18 जून 2026: सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर में चार दिन पूर्व पत्रकार सुनील कुमार गुप्ता एवं उनके पुत्र पर हुए हमले के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पत्रकारों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है. प्रेस क्लब ऑफ सरायकेला-खरसावां के बैनर तले गुरुवार शाम से आदित्यपुर थाना के समक्ष अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया गया. जिले के विभिन्न हिस्सों से पहुंचे पत्रकारों ने धरना में शामिल होकर घटना के खिलाफ एकजुटता दिखाई.

धरना स्थल पर पत्रकारों ने प्रशासन के खिलाफ हमलावर करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। पत्रकारों ने साफ कहा कि जब तक हमले की सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

धरना पर बैठे पत्रकारों ने कहा कि किसी पत्रकार पर हमला केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला है. उनका आरोप है कि घटना के कई दिन बीत जाने के बावजूद पुलिस आरोपियों को गिरफ्तार करने में विफल रही है, जिससे पत्रकार समाज में भारी नाराजगी है.

पत्रकारों ने अपनी हिरासत में दोषियों की अविलंब गिरफ्तारी, मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच, पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, पुलिस की कथित लापरवाही की जांच तथा जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग रखी।

धरना को संबोधित करते हुए वकीलों ने कहा कि पत्रकार समाज और जनहित के मुद्दों को सामने लाने का कार्य करते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना स्थल पर बड़ी संख्या में पत्रकार मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में कहा कि न्याय मिलने और आरोपियों की गिरफ्तारी तक आंदोलन जारी रहेगा।

भोजपुर एनकाउंटर पर उठे सवाल, परिजनों ने लगाया फर्जी मुठभेड़ का आरोप

समाज जागरण

आरा/भोजपुर, 18 जून। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव निवासी भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। एक ओर पुलिस इसे जवाबी कार्रवाई में हुई मुठभेड़ बता रही है, वहीं दूसरी ओर मृतक के परिजन और ग्रामीण इसे फर्जी एनकाउंटर करार दे रहे हैं। घटना के बाद गांव में शोक और आक्रोश का माहौल है। मृतक के पिता काशीनाथ तिवारी ने आरोप लगाया है कि उनके पुत्र को पकड़ने के बाद गोली मारी गई। उनका कहना है कि भरत तिवारी ने कथित तौर पर अपना हथियार फेंक दिया था, इसके बावजूद उसे गोली मार दी गई। परिजनों का दावा है कि भरत को चार गोलियां लगी थीं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।

बिसरख पुलिस की तत्परता से महिला को मिला खोया बैग, साढ़े तीन लाख रुपये के सोने के कड़े समेत सामान सुरक्षित बरामद

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा वेस्ट। थाना बिसरख पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला का ऑटो में छूटा बैग सकुशल बरामद कर उसे वापस सौंप दिया। बैग में करीब साढ़े तीन लाख रुपये मूल्य के सोने के कड़े, नकदी, एटीएम कार्ड और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज रखे हुए थे।

पुलिस के अनुसार 18 जून 2026 को सूचना प्राप्त हुई कि एक महिला यात्रा के दौरान ऑटो में अपना बैग भूल गई है। बैग में लगभग दो तोले के सोने के कड़े, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 3.50 लाख रुपये है, एटीएम कार्ड, मेट्रो कार्ड, फ्लैट की चाबी, 1500 रुपये नकद तथा अन्य जरूरी दस्तावेज रखे हुए थे। सूचना मिलते ही थाना बिसरख पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की और संबंधित ऑटो की तलाश की। पुलिस टीम ने अथक प्रयास करते हुए ऑटो को खोज निकाला तथा बैग को सुरक्षित बरामद कर लिया। जांच के दौरान बैग में रखा पूरा सामान सुरक्षित मिला। इसके बाद पुलिस ने बैग महिला को सुपुर्द कर दिया। अपना कीमती सामान सुरक्षित वापस मिलने पर महिला ने राहत की सांस ली और कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर पुलिस की त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया।

इस घटना ने एक बार फिर पुलिस की संवेदनशीलता और आमजन की सहायता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को साबित किया है।

मोहर्रम को लेकर जारचा में पीस कमेटी की बैठक, अधिकारियों ने शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की

समाज जागरण/संदीप गर्ग

ग्रेटर नोएडा। आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से थाना जारचा क्षेत्र में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधिकारियों ने धर्मगुरुओं एवं संभ्रांत नागरिकों के साथ संवाद कर आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) ग्रेटर नोएडा रवि शंकर निम तथा एसीपी-2 ग्रेटर नोएडा प्रशाली गंगवार ने थाना जारचा क्षेत्र में धर्मगुरुओं एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों के साथ बैठक की। अधिकारियों ने उपस्थित लोगों से मोहर्रम पर्व को शांति, सद्भाव और परंपरागत तरीके से मनाने का आग्रह किया।

बैठक में अधिकारियों ने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ बयानबाजी या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली गतिविधियों से दूर रहें तथा ऐसी किसी भी सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी दें। सभी समुदायों से आपसी सहयोग और समन्वय बनाए रखने की अपील की गई।

बैठक के बाद डीसीपी रवि शंकर निम ने पुलिस बल के साथ थाना जारचा क्षेत्र में पैदल गश्त (फुट पेट्रोलिंग) की। इस दौरान मोहर्रम के जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन किया गया और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने संबंधित पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए सुरक्षा प्रबंधों को और मजबूत बनाने के निर्देश दिए।

डीसीपी ने स्पष्ट कहा कि यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों से धार्मिक भावनाएं भड़काने, अफवाह फैलाने अथवा दुष्प्रचार करने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण में खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज में।

गौरी मंदिर सलेया में मंदिर स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 21 से 27 जून तक, श्रीमद्भागवत कथा का होगा आयोजन

समाज जागरण/संदीप गर्ग

जबलपुर। श्री श्री 1008 परमहंस सदगुरु दादा ठन ठन पाल दरबार, गौरी मंदिर, ग्राम सलेया (बड़ई), कुंडम में मंदिर स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के अवसर पर 21 जून से 27 जून 2026 तक भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के दौरान श्रीमद्भागवत कथा, वैदिक अनुष्ठान, हवन-पूजन एवं महाभंडारे का आयोजन होगा।

आयोजन समिति के अनुसार सात दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा का रसपान श्रद्धालुओं को कराया जाएगा। कथा के साथ-साथ विभिन्न धार्मिक एवं वैदिक अनुष्ठान भी संपन्न होंगे।

महोत्सव के दौरान मूर्ति अधिवास, मूर्ति नगर भ्रमण, संत पूजन, यज्ञ, हवन एवं अन्य धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 27 जून को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्राण प्रतिष्ठा, पूणार्हुति, गऊ पूजन तथा विशाल महाभंडारे के साथ कार्यक्रम का समापन होगा।

यह आयोजन पूज्य हरिओम बाबा जी एवं साध्वी गौरी जी के सान्निध्य में संपन्न होगा। कार्यक्रम में यज्ञाचार्य पंडित रवेंद्र पाठक (अर्जुन महाराज) वैदिक अनुष्ठानों का संचालन करेंगे।

आयोजन को सफल बनाने में अभिषेक जैन (सीपीजे कॉलेज), अमित गर्ग, गिरीश चंद चंडोक तथा इंद्र मलिक विशेष सहयोग प्रदान कर रहे हैं। आयोजन समिति ने क्षेत्र एवं आसपास के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा, हवन-पूजन एवं महाभंडारे में सहभागिता करने तथा पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

हर घर शुद्ध जल डॉक्युमेंट्री का मुंबई में प्रदर्शन, स्वच्छ पेयजल के महत्व पर डाला प्रकाश

समाज जागरण

मुंबई। स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल की आवश्यकता तथा जल प्रदूषण से होने वाले दुष्प्रभावों को उजागर करने वाली डॉक्युमेंट्री फिल्म "हर घर शुद्ध जल" का प्रदर्शन मुंबई स्थित रेड बल्ब स्टूडियो में किया गया। लगभग 30 मिनट की इस डॉक्युमेंट्री को दर्शकों ने काफी सराहा।

डॉक्युमेंट्री के माध्यम से यह दिखाया गया कि आज भी देश के कई क्षेत्रों में लोग प्रदूषित पानी पीने को मजबूर हैं, जिसके कारण गंभीर बीमारियां और शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। फिल्म में यह भी दशार्या गया कि सामूहिक प्रयासों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से जल शुद्धिकरण की दिशा में प्रभावी कदम उठाकर हजारों लोगों के जीवन को बेहतर बनाया जा सकता है।

फिल्म के निमार्ता बंटी श्रीवास्तव और उनकी टीम के प्रयासों की उपस्थित लोगों ने सराहना की। कार्यक्रम में बताया गया कि इस विषय को प्रमुखता से उठाकर सरकार और समाज का ध्यान स्वच्छ पेयजल की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।

डॉक्युमेंट्री के दो शो आयोजित किए गए और दोनों शो हाउसफुल रहे। कार्यक्रम में फिल्म, टेलीविजन, सामाजिक और पत्रकारिता जगत से जुड़े अनेक गणमान्य लोगों ने भाग लिया। इनमें अभिनेता गजेन्द्र चौहान, अतुल श्रीवास्तव, अली खान, हर्ष भटनागर, राजीव निगम, योगेश भारद्वाज, शैलेन्द्र गौड़, सामाजिक कार्यकर्ता इरफान जामियावाला, अशफाक कोप्पिकर, लेखक सचिन्द्र शर्मा, रमेश गोयल, बलवीर चंद (सचिन) तथा अभिनेता अमित घनश्याम प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार संजीव पांडे और के. शर्मा सहित बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधियों, कलाकारों और तकनीशियनों ने भी सहभागिता की। आयोजन को सफल बनाने में अभिनेता अमित घनश्याम की विशेष भूमिका रही।

कार्यक्रम के समापन पर बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम ने दर्शकों का मन मोह लिया। उपस्थित अतिथियों ने फिल्म की विषयवस्तु की सराहना करते हुए स्वच्छ जल के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम के अंत में आयोजकों एवं सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी गई।

अपने व्यापार का करें प्रचार प्रसार
दैनिक समाज जागरण में खबर और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।
न्यूज पोर्टल पर चलवाये मात्र 200 रुपये रोज में।

रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं के राज्यव्यापी सर्वेक्षण की तैयारी, प्रशासनिक सहयोग की मांग

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। रेहड़ी पटरी संचालक वेलफेयर एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश में रेहड़ी-पटरी (स्ट्रीट वेंडर्स) की वास्तविक स्थिति जानने के लिए राज्यव्यापी सर्वेक्षण अभियान चलाने की घोषणा की है। संगठन ने इस संबंध में प्रदेश सरकार से प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराने तथा सर्वेक्षण कार्य में किसी प्रकार की अनावश्यक बाधा न उत्पन्न किए जाने की मांग की है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम किशोर गुप्ता ने बताया कि रेहड़ी-पटरी संचालकों के अधिकारों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान और सरकारी योजनाओं की जमीनी स्थिति जानने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी जनपदों, नगर निगमों, नगर पालिकाओं, नगर पंचायतों, टाउन एरिया तथा विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में सर्वेक्षण कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इस सर्वेक्षण के माध्यम से प्रत्येक जिले में स्ट्रीट वेंडर्स की संख्या, उनकी वर्तमान स्थिति, सरकारी योजनाओं का लाभ, लाइसेंस एवं पहचान पत्र संबंधी समस्याओं सहित विभिन्न पहलुओं का अध्ययन किया जाएगा। सर्वेक्षण के आधार पर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन एवं प्रशासन को सौंपी जाएगी।

श्याम किशोर गुप्ता ने कहा कि संगठन ने प्रदेश सरकार से अनुरोध किया है कि सर्वेक्षण कार्य के दौरान अधिकृत पदाधिकारियों एवं सर्वेक्षण टीम को आवश्यक प्रशासनिक सहयोग उपलब्ध कराया जाए। साथ ही पुलिस एवं अन्य विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया जाए कि वे वैधानिक और शांतिपूर्ण तरीके से किए जा रहे सर्वेक्षण कार्य में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें।

उन्होंने बताया कि संगठन का उद्देश्य पथ विक्रेता (जीविका संरक्षण एवं स्ट्रीट वेंडिंग विनियमन) अधिनियम-2014 के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग करना तथा स्ट्रीट वेंडर्स से जुड़ी समस्याओं को तथ्यात्मक रूप से शासन के समक्ष रखना है।

संगठन ने यह भी कहा है कि यदि सर्वेक्षण कार्य के लिए किसी प्रकार की अनुमति या विशेष प्रक्रिया आवश्यक है तो इसकी जानकारी लिखित रूप में उपलब्ध कराई जाए, ताकि सभी नियमों और विधिक प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि प्रदेश सरकार और प्रशासन इस जनहितकारी पहल में सहयोग प्रदान करेगा, जिससे लाखों रेहड़ी-पटरी संचालकों की वास्तविक स्थिति सामने आ सके और उनके हितों की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाए जा सकें।

टीएमयू लॉ एल्युमिना अमिता जैन ने गुजरात न्यायिक सेवा परीक्षा में हासिल की छठी रैंक

समाज जागरण संवाददाता

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज में अमिता जैन 2017 से 2022 तक बीबीए एलएलबी-ऑनर्स की रही हैं स्टुडेंट्स, कुलाधिपति श्री सुरेश जैन ने उम्मीद जताई, अमिता जैन भविष्य में न्यायिक सेवाओं की कसौटी पर उतरेंगी खरी

खास बातें

छत्तीसगढ़, राजस्थान एवम् मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षाओं में भी आजमाई किस्मत

बीबीए एलएलबी-ऑनर्स पास आउट के बाद जुट गई थी ज्यूडिशरी की तैयारी में

2024 और 2025 की यूजीसी-नेट परीक्षाओं में असिस्टेंट प्रोफेसर को किया क्वालिफाई

गुजरात न्यायिक सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान छह माह तक की टीचिंग भी

टीएमयू के कक्षा-नोट्स और शिक्षकों की टीचिंग तैयारी में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुईं

न्याय व्यवस्था को और संवेदनशील, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने पर रहेगा जोर

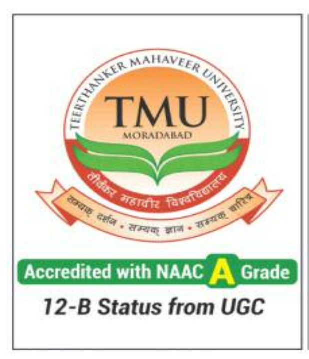

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज की झोली में एक बड़ी उपलब्धि आई है। लॉ कॉलेज की एल्युमिना सुश्री अमिता जैन ने गुजरात न्यायिक सेवा परीक्षा में सिविल जज बनकर टीएमयू का नाम गौरवान्वित किया है। गुजरात हाईकोर्ट की ओर से जारी सूची में अमिता जैन ने पूरे सूबे में 06वीं रैंक हासिल की है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि से लॉ कॉलेज के संग-संग यूनिवर्सिटी कैंपस में गर्व का माहौल है। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की कोतमा तहसील निवासी अमिता जैन 2017 से 2022 तक टीएमयू के लॉ कॉलेज से बीबीए एलएलबी-ऑनर्स की स्टुडेंट्स रही हैं। टीएमयू के कुलाधिपति श्री सुरेश जैन, जीवीसी श्री मनीष जैन और एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर श्री अक्षत जैन ने एल्युमिना अमिता जैन को इस शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए उम्मीद जताई, अमिता जैन भविष्य में न्यायिक सेवाओं की कसौटी पर खरी उतरेंगी। उनकी उपलब्धि वर्तमान स्टुडेंट्स के लिए प्रेरणा का प्रतीक है। उल्लेखनीय है, टीएमयू में एलएलबी तीन वर्षीय कोर्स के संग-संग बीबीए-एलएलबी, बीकॉम-एलएलबी की कक्षाएं संचालित होती हैं। कॉलेज ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज में एलएलएम और पीएचडी की भी सुविधा है। इस सत्र से नए श्रम कानूनों को पाठ्यक्रम में शामिल कर लिया गया है। लॉ कॉलेज के डीन प्रो. हरबंश दीक्षित और प्राचार्य प्रो. एसके सिंह ने अमिता जैन के स्वर्णिम भविष्य की कामना की है।

मई 2022 में तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के कॉलेज ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज से स्नातक होने के बाद न्यायिक सेवा की तैयारी में जुट गई। 2023 में पहली बार छत्तीसगढ़ न्यायिक सेवा परीक्षा दी, लेकिन उत्तीर्ण नहीं कर सकी। 2023 में ही छत्तीसगढ़ न्यायिक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद साक्षात्कार के चरण तक पहुँची। राजस्थान एवम् मध्य प्रदेश न्यायिक सेवा परीक्षाओं में भी किस्मत आजमाई, किन्तु प्रारम्भिक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सकी। इनके अतिरिक्त, 2024 और 2025 की यूजीसी-नेट परीक्षाओं का पॉजिटिव रिजल्ट मेरी झोली में रहा। मध्य प्रदेश न्यायिक अनुवादक और राजस्थान जेएलओ परीक्षाओं में शिरकत की, जिन्होंने विधिक ज्ञान और समझ को और अधिक सुदृढ़ बनाया। 2025 में गुजरात न्यायिक सेवा प्रारम्भिक परीक्षा दी। गुजरात न्यायिक सेवा परीक्षा की तैयारी के दौरान मैंने लगभग छह माह तक असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में भी कार्य किया, क्योंकि मैं दो बार की नेट क्वालिफाई थी। न्यायिक सेवा की तैयारी एक लंबी और धैर्यपूर्ण यात्रा रही, जिसमें सफलता के साथ-साथ चुनौतियों का भी सामना करना पड़ा। निरंतर अध्ययन, आत्मविश्वास और सकारात्मक दृष्टिकोण ने लक्ष्य प्राप्ति को प्रेरित किया।

अमिता कहती हैं, टीएमयू के लॉ कॉलेज के टाइम से ही न्यायिक सेवा में जाने का स्पष्ट लक्ष्य था। टीएमयू की फैकल्टीज, लाइब्रेरी, अतिथि व्याख्यान, केस स्टडीज, कोर्ट्स विजिट्स, मूट कोर्ट मेरे अब तक के जीवन में मील का पत्थर साबित हुए। कॉलेज के कक्षा-नोट्स और शिक्षकों की टीचिंग तैयारी में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुईं। नियमित अध्ययन, कक्षा में सक्रिय सहभागिता और शिक्षकों से प्राप्त मार्गदर्शन ने मेरी मजबूत नींव रखी। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के दौरान कई बार मानसिक दबाव सा महसूस किया, लेकिन मेरे परिवार और मित्रों का अटूट विश्वास मेरे लिए शक्ति का स्त्रोत बना रहा। एक न्यायाधीश के रूप में मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता कानून एवम् उसके सिद्धांतों का पूर्ण निष्ठा और ईमानदारी के साथ पालन करना होगी। यह सुनिश्चित करने का प्रयास करूँगी, न्यायालय में प्रत्येक व्यक्ति को निडर होकर अपनी बात रखने का उचित अवसर प्राप्त हो। न्याय व्यवस्था को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जन-केंद्रित बनाने की दिशा में अपनी भूमिका का सर्वोत्तम निर्वहन करना चाहूँगी। मेरा विश्वास है कि न्याय केवल दिया ही नहीं जाना चाहिए, बल्कि वह निष्पक्ष और स्पष्ट रूप से दिखाई भी देना चाहिए।

कपिवा ने आयुर्वेद क्लीनिक लॉन्च किए, डायबिटीज और महिलाओं की सेहत सहित चार प्रमुख क्षेत्रों पर रहेगा फोकस

समाज जागरण

बेंगलुरु। भारत के प्रमुख साइंस-बेस्ड आयुर्वेद ब्रांड Kapiva ने क्लिनिकल हेल्थकेयर क्षेत्र में कदम रखते हुए अपने आयुर्वेद क्लीनिकों की शुरूआत की है। कंपनी ने बताया कि नए क्लीनिकों के माध्यम से डायबिटीज, हृदय स्वास्थ्य, क्रॉनिक दर्द और महिलाओं की सेहत से जुड़ी समस्याओं के लिए संरचित आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध कराया जाएगा।

कंपनी के अनुसार, यह पहल ऐसे समय में की गई है जब युवाओं में भी क्रॉनिक बीमारियों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कपिवा का नया मॉडल केवल लक्षणों के उपचार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बीमारी के मूल कारणों की पहचान कर दीर्घकालिक समाधान प्रदान करने पर केंद्रित होगा।

कपिवा आयुर्वेद क्लीनिक में मरीजों को 45 से 60 मिनट का विस्तृत परामर्श दिया जाएगा, जिसमें उनकी जीवनशैली, खान-पान और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का गहन अध्ययन किया जाएगा। इसके आधार पर व्यक्तिगत उपचार योजना तैयार की जाएगी। साथ ही सातवें, चौदहवें और इक्कीसवें दिन नियमित फॉलो-अप के माध्यम से मरीजों को निरंतर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

कंपनी के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमेव शर्मा ने कहा कि ग्राहकों की मांग को देखते हुए यह पहल शुरू की गई है। उनका उद्देश्य आयुर्वेदिक उत्पादों के साथ-साथ संपूर्ण उपचार और परामर्श सेवाएं भी उपलब्ध कराना है, ताकि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिल सके।

क्लीनिकों में डॉक्टरों की निगरानी में निदान, व्यक्तिगत पोषण सलाह, जीवनशैली प्रबंधन, एआई-सक्षम डायग्नोस्टिक्स तथा आवश्यकता अनुसार पंचकर्म और अभ्यंगम जैसी आयुर्वेदिक थेरेपी भी उपलब्ध कराई जाएगी।

फिलहाल कंपनी ने बेंगलुरु के व्हाइटफील्ड, एचएसआर लेआउट और सरजापुर रोड स्थित तीन केंद्रों पर सेवाएं शुरू की हैं। कंपनी का कहना है कि भविष्य में बेंगलुरु के अन्य क्षेत्रों और देश के अन्य शहरों में भी विस्तार किया जाएगा।

कपिवा ने हाल ही में आयुर्वेद अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए 50 करोड़ रुपये के 'कपिवा इनोवेशन फंड' की भी घोषणा की है। कंपनी का लक्ष्य केवल उत्पाद निमार्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक समग्र आयुर्वेदिक हेल्थकेयर ब्रांड के रूप में अपनी पहचान स्थापित करना है।

सड़कों और नालियों में कचरा फेंकने पर नोएडा प्राधिकरण की अपील, स्वच्छता बनाए रखने का किया आग्रह

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण ने शहरवासियों से सड़कों, नालियों और सीवर लाइनों में कचरा न फेंकने की अपील की है। प्राधिकरण ने कहा है कि सार्वजनिक स्थानों पर कचरे का अनुचित निस्तारण जल निकासी व्यवस्था को बाधित करता है, प्रदूषण बढ़ाता है और आम नागरिकों के लिए गंभीर समस्याएं उत्पन्न करता है।

प्राधिकरण द्वारा जारी संदेश में कहा गया है कि बरसात के मौसम में नालियों और सीवरों में कचरा जमा होने से जलभराव और अवरोध की स्थिति पैदा हो सकती है। इससे स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित होने के साथ-साथ नागरिकों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

नोएडा प्राधिकरण ने नागरिकों से अपील की है कि वे घरेलू एवं अन्य प्रकार के कचरे का निस्तारण केवल निर्धारित डस्टबिनों और कूड़ेदानों में ही करें। स्वच्छता बनाए रखने और नगर की बुनियादी सुविधाओं के सुचारू संचालन के लिए यह आवश्यक है।

प्राधिकरण ने कहा कि शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और सुंदर बनाए रखने के लिए नागरिकों का सहयोग बेहद महत्वपूर्ण है। सभी नागरिकों की सहभागिता से ही नोएडा को स्वच्छ और बेहतर शहर बनाया जा सकता है।

कानून-व्यवस्था की समीक्षा को लेकर नोएडा जोन में बैठक, मोहर्रम की तैयारियों पर विशेष जोर

समाज जागरण/संदीप गर्ग

नोएडा। पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से नोएडा जोन के उपनिरीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस आयुक्त के निर्देशन और पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) नोएडा के पर्यवेक्षण में अपर पुलिस उपायुक्त (एडीसीपी) नोएडा द्वारा ली गई।

बैठक में बीट प्रणाली को डिजिटल माध्यम से मजबूत बनाने पर विशेष बल दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि "यक्ष ऐप" के माध्यम से बीट क्षेत्र की सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं, अपराधियों, गैंगों और हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन कर उनका पूर्ण डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाए तथा समय-समय पर उसे अद्यतन रखा जाए।

समीक्षा के दौरान लंबित विवेचनाओं का शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने, आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध समाधान करने तथा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर आमजन से सीधा संवाद स्थापित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक में आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था संबंधी सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी करने पर भी जोर दिया गया। अधिकारियों को संवेदनशील क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इसके लिए सभी पुलिसकर्मियों को पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ कार्य करना होगा।

आयुर्वेद के मुताबिक एक साथ भूलकर भी नहीं खानी चाहिए ये चीजें

आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता जी के मुताबिक, गलत फूड कॉम्बिनेशन को खाने से शरीर में टॉक्सिंस उत्पन्न हो सकते हैं जो पाचन क्रिया को बिगाड़ते हैं और कई तरह की बीमारियों का भी कारण बन सकते हैं. ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि किन चीजों को एक साथ भूलकर भी नहीं खाना चाहिए. ताकि सेहत पर कोई गलत असर न पड़े.

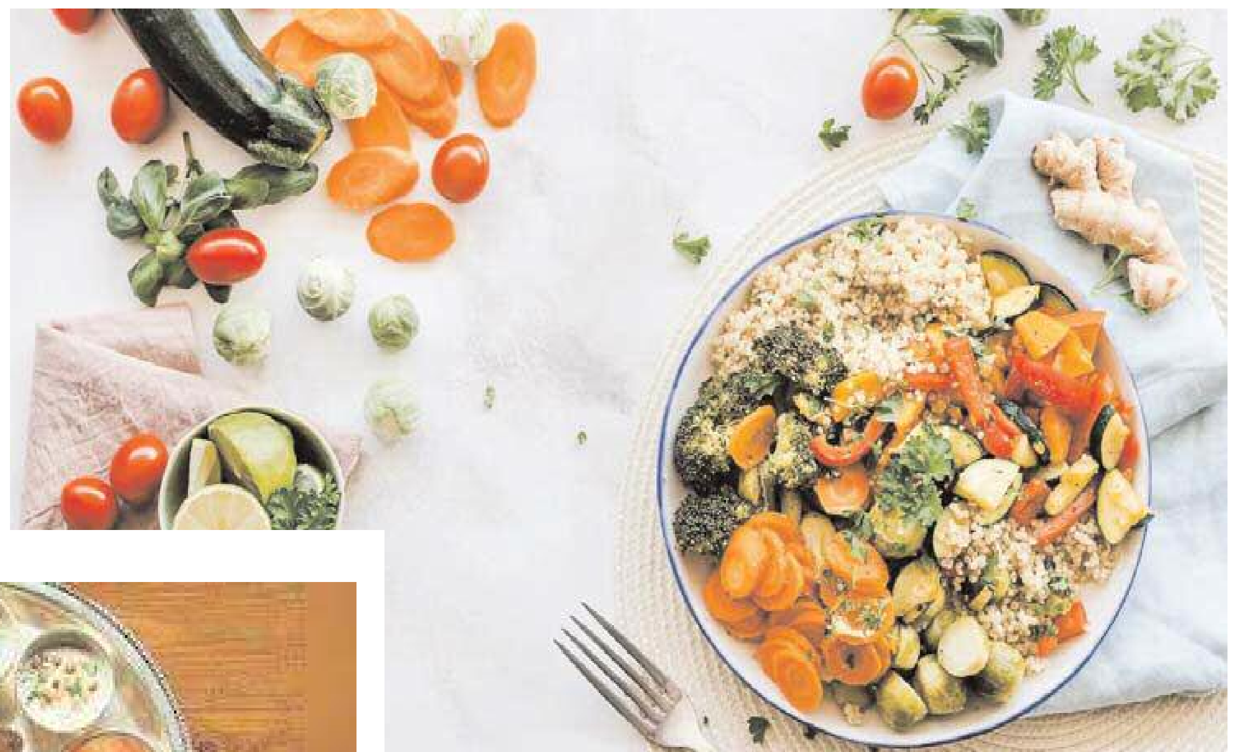

आयुर्वेद एक्सपर्ट किरण गुप्ता जी के मुताबिक, गलत फूड कॉम्बिनेशन को खाने से शरीर में टॉक्सिंस उत्पन्न हो सकते हैं जो पाचन क्रिया को बिगाड़ते हैं और कई तरह की बीमारियों का भी कारण बन सकते हैं. ऐसे में आपको पता होना चाहिए कि किन चीजों को एक साथ भूलकर भी नहीं खाना चाहिए. ताकि सेहत पर कोई गलत असर न पड़े.

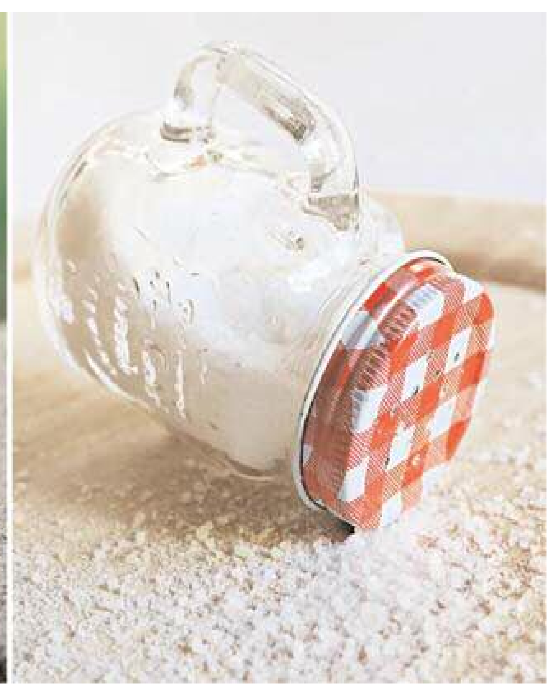

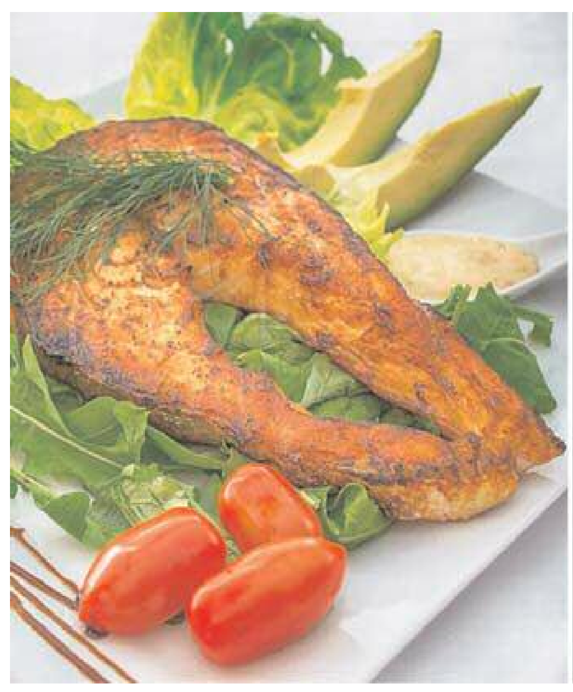

विरुद्ध आहार में दूध और नमक सबसे पहला नाम है. इन्हें एक साथ नहीं खाना चाहिए. क्योंकि दूध ठंडा और मीठे स्वभाव का होता है, जबकि नमक गर्म और तीखा होता है. इनका संयोजन ब्लड प्यूरिफिकेशन और त्वचा पर बुरा प्रभाव डाल सकता है. इससे एलर्जी, त्वचा रोग (फोड़े-फुंसी), पाचन गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

विरुद्ध आहार में दूध और नमक सबसे पहला नाम है. इन्हें एक साथ नहीं खाना चाहिए. क्योंकि दूध ठंडा और मीठे स्वभाव का होता है, जबकि नमक गर्म और तीखा होता है. इनका संयोजन ब्लड प्यूरिफिकेशन और त्वचा पर बुरा प्रभाव डाल सकता है. इससे एलर्जी, त्वचा रोग (फोड़े-फुंसी), पाचन गड़बड़ी जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

दूध और मछली का सेवन भी आयुर्वेद में सख्त मना किया गया है. दोनों का स्वाभाव अलग-अलग होता है . जैसे मछली गर्म तासीर वाली होती है और दूध ठंडी तासीर वाला. ऐसे में इनका साथ में सेवन करने पर यह शरीर में जहर तक पैदा कर सकता है. इससे त्वचा रोग, एलर्जी, एक्ज़िमा तक की शिकायत हो सकती है.

दूध और मछली का सेवन भी आयुर्वेद में सख्त मना किया गया है. दोनों का स्वाभाव अलग-अलग होता है . जैसे मछली गर्म तासीर वाली होती है और दूध ठंडी तासीर वाला. ऐसे में इनका साथ में सेवन करने पर यह शरीर में जहर तक पैदा कर सकता है. इससे त्वचा रोग, एलर्जी, एक्ज़िमा तक की शिकायत हो सकती है.

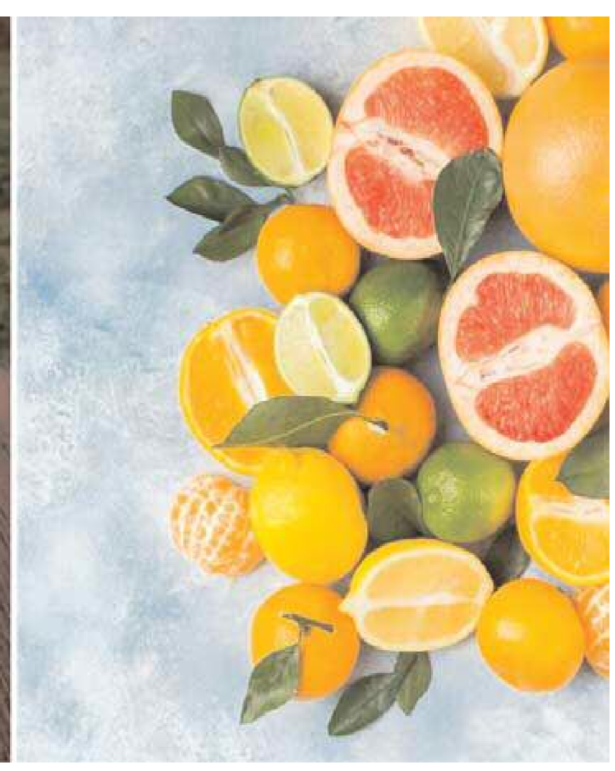

वैसे तो कई लोग फ्रूट स्मूदी और शेख बना कर पीते हैं लेकिन आयुर्वेद में फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए. खासतौर पर खट्टे फलों का सेवन तो बिल्कुल नहीं करना चाहिए. खट्टे फल दूध को फाड़ सकते हैं और पाचन में समस्या पैदा करते हैं, जिससे गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं. हालांकि, अगर सही तरीके से लिया जाए तो मीठे फल जैसे आम या केले का मिल्कशेक बना सकते हैं.

वैसे तो कई लोग फ्रूट स्मूदी और शेख बना कर पीते हैं लेकिन आयुर्वेद में फल और दूध का सेवन एक साथ नहीं करना चाहिए. खासतौर पर खट्टे फलों का सेवन तो बिल्कुल नहीं करना चाहिए. खट्टे फल दूध को फाड़ सकते हैं और पाचन में समस्या पैदा करते हैं, जिससे गैस, अपच, एसिडिटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं. हालांकि, अगर सही तरीके से लिया जाए तो मीठे फल जैसे आम या केले का मिल्कशेक बना सकते हैं.

अक्सर कुछ लोग पेट की कम करने के लिए गर्म पानी में शहद मिलाकर पीते हैं, जो एक विरुद्ध आहार है. जी हां, आयुर्वेद में गर्म पानी/चाय/दूध के साथ शहद सेवन मना किया गया है. आयुर्वेद के अनुसार, शहद को कभी भी गर्म नहीं करना चाहिए. गर्म करने पर यह जहर समान बन जाता है, जो पाचन तंत्र पर असर डालता है.

अक्सर कुछ लोग पेट की कम करने के लिए गर्म पानी में शहद मिलाकर पीते हैं, जो एक विरुद्ध आहार है. जी हां, आयुर्वेद में गर्म पानी/चाय/दूध के साथ शहद सेवन मना किया गया है. आयुर्वेद के अनुसार, शहद को कभी भी गर्म नहीं करना चाहिए. गर्म करने पर यह जहर समान बन जाता है, जो पाचन तंत्र पर असर डालता है.

शहद को घी के साथ भी नहीं खाना चाहिए. अगर घी और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर खाया जाए, तो यह शरीर के लिए जहरीला हो सकता है. जिससे टॉक्सिन बनना और शरीर में असंतुलन बन सकता है. ऐसे में इन विरुद्ध आहार का सेवन करने से बचें.

शहद को घी के साथ भी नहीं खाना चाहिए. अगर घी और शहद को बराबर मात्रा में मिलाकर खाया जाए, तो यह शरीर के लिए जहरीला हो सकता है. जिससे टॉक्सिन बनना और शरीर में असंतुलन बन सकता है. ऐसे में इन विरुद्ध आहार का सेवन करने से बचें.